जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

# सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

**खेल**

**कोहली आईपीएल में 800 चौके लगाने वाले पहले बैटर, 300 सिक्स भी पूरे**

**मनोरंजन**

**अफेयर की चर्चाओं के बीच धनुष की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी मृणाल**

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • रविवार • 26 अप्रैल 2026 • वर्ष 05 • अंक 65 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

## बिहार के उपमुख्यमंत्री ने बाबा बैद्यनाथ धाम में की पूजा

**एजेंसी, देवघर** । विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर में शनिवार को बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी पहुंचे। इस दौरान तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत संकल्प कराकर पूजा-अर्चना कराई। उप मुख्यमंत्री ने बाबा के दरबार में मत्था टेकते हुए बिहार सहित पूरे देश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। पूजा के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बाबा बैद्यनाथ की कृपा से बिहार लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है और उनकी यही प्रार्थना है कि राज्य तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ता रहे। उन्होंने बताया कि बाबा से बिहारवासियों के कल्याण, किसानों की समृद्धि और देश में सुख-शांति की कामना की गई है। साथ ही आगामी श्रावणी मेला को लेकर कहा कि बिहार में पड़ने वाले मार्गों की तैयारी अभी से शुरू कर दी गई है, ताकि पैदल आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उप मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सुल्तानगंज को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने की दिशा में बिहार सरकार तेजी से काम कर रही है। वहीं, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में होने वाले चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि वहां की जनता में सरकार के खिलाफ माहौल दिखाई दे रहा है और इस बार परिवर्तन देखने को मिल सकता है।

## झारखंड में 26 अप्रैल से गर्मी से राहत के आसार, कई जिलों में ओलावृष्टि और वज्रपात की चेतावनी

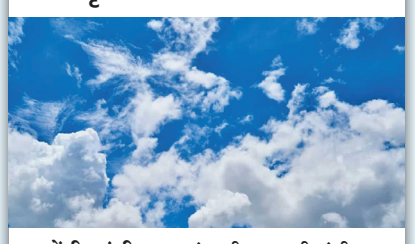

**एजेंसी, रांची** । झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में 26 अप्रैल से भीषण गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 26, 27 और 28 अप्रैल को कई जिलों में गर्जन के साथ ओलावृष्टि, वज्रपात और तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इससे तापमान में गिरावट आने की उम्मीद है, जिससे लोगों को प्रचंड गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने जिन जिलों में ओलावृष्टि और वज्रपात की संभावना जताई है, उनमें उत्तर-पूर्वी और मध्यवर्ती क्षेत्र के कई जिले शामिल हैं। उत्तर-पूर्वी जिलों में देवघर, दुमका, गिरिडीह, पाकुड़, जामताड़ा, गोड्डा और साहिबगंज शामिल हैं। वहीं मध्यवर्ती जिलों में रांची, खूंटी, रामगढ़, गुमला, हजारीबाग, लोहरदगा, धनबाद और कोडरमा में भी खराब मौसम की संभावना व्यक्त की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में 19.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

## हाई कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस ने कहा- पूरी पार्टी खेड़ा के साथ, सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी

**एजेंसी, नई दिल्ली** । कांग्रेस ने गौहाटी उच्च न्यायालय द्वारा पार्टी नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उनका समर्थन किया है। कांग्रेस ने कहा कि पूरी पार्टी पवन खेड़ा के साथ मजबूती से खड़ी है और उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने की प्रक्रिया चल रही है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पार्टी को विश्वास है कि धमकी, डराने-धमकाने और उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय की जीत होगी। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराए गए आपराधिक मामले से जुड़ा है। खेड़ा ने 5 अप्रैल को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रिनिकी भुइयां पर कई पासपोर्ट रखने और विदेश में संपत्तियां होने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में खेड़ा और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इसके बाद 7 अप्रैल को असम पुलिस ने दिल्ली स्थित पवन खेड़ा के आवास पर छापेमारी की। 10 अप्रैल को तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उन्हें एक सप्ताह की अग्रिम जमानत दी, लेकिन 15 अप्रैल को उच्चतम न्यायालय ने उस फैसले पर रोक लगा दी।

# महिलाओं के खिलाफ अपराध समाज में मौजूद एक गहरी संरचनात्मक समस्या का परिणाम : न्यायमूर्ति विक्रम नाथ

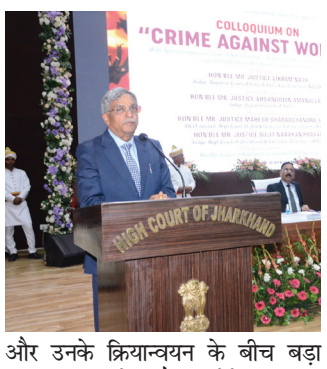

**रांची**। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध, विशेषकर झारखंड में डायन प्रथा (विच हंटिंग) जैसी गंभीर सामाजिक समस्या पर शनिवार को एक महत्वपूर्ण वार्तालाप कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड न्यायिक अकादमी के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ, जिसमें अपराध पीड़ितों को राहत और पुनर्वास प्रदान करने में विधिक सेवा संस्थाओं की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति विक्रम नाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमनुल्लाह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति महेश शरदचंद्र सोनाक, न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 महिलाओं को समानता, भेदभाव से मुक्ति और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देते हैं, लेकिन वास्तविकता में इन अधिकारों और उनके क्रियान्वयन के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध समाज की गहरी संरचनात्मक समस्या का परिणाम हैं, जहां हिंसा को सामान्य मान लिया गया है। विशेष रूप से झारखंड में प्रचलित डायन प्रथा को उन्होंने अमानवीय और लैंगिक हिंसा का गंभीर रूप बताया। उन्होंने कहा कि डायन प्रथा केवल अंधविश्वास नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता, सत्ता संघर्ष और पितृसत्ता से जुड़ा मुद्दा है। इस पर प्रभावी रोक लगाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने यह भी कहा कि न्याय केवल अपराधियों को सजा देने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास को इसका केंद्र बनाया जाना चाहिए। विधिक सेवा संस्थाओं को गांव स्तर तक पहुंच बनाकर पीड़ितों को कानूनी सहायता, जागरूकता और मुआवजा दिलाने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मौके पर न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने मॉब लिंचिंग के मुद्दे पर कहा कि उच्चतम न्यायालय ने कई बार दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यदि इन दिशा-निर्देशों और कानूनों का सही ढंग से पालन हो तथा जिला स्तर पर कानूनी निकाय सक्रिय रूप से कार्य करे, तो ऐसी घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की जिम्मेदारी निष्पक्ष होकर कार्य करना है। न्यायिक व्यवस्था की भूमिका लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन में महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि "फायर फाइटिंग" की धारणा को बदलना होगा और सही व्यक्ति को सही स्थान पर बैठाने से मामलों के निष्पादन में तेजी लाई जा सकती है। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का धन्यवाद ज्ञापन महिला, बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने किया। वहीं द्वितीय सत्र में कानूनी और तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार और सुझाव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं की महिलाओं, दुर्घटना पीड़ित परिवारों तथा ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित महिलाओं को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई।

## ममता बनर्जी का भाजपा पर हमला, बोलीं- केंद्रीय ताकत के भरोसे चुनाव जीतना चाहती है पार्टी

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को हुगली जिले के उत्तरपाड़ा में तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी शीर्षन्य बंद्योपाध्याय के समर्थन में जनसभा की। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), केंद्रीय नेतृत्व और चुनावी रणनीति को लेकर तीखा हमला बोला। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए केंद्रीय एजेंसियों, सुरक्षा बलों और संसाधनों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि कई मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और बड़ी संख्या में हेलीकॉप्टर चुनाव प्रचार में लगाए गए हैं, लेकिन जनता इसका जवाब मतदान से देगी।

उन्होंने नंदीग्राम और भवानीपुर का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष वोटिंग प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन जनता ऐसे प्रयासों को सफल नहीं होने देगी। सभा में रोजगार और उद्योग के मुद्दे भी उठाए। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बेरोजगारी घटी है और राज्य में लगातार उद्योग स्थापित हो रहे हैं। कहा कि हावड़ा से बर्धमान तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे विकास और औद्योगिक विस्तार साफ दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदमोटर क्षेत्र की जमीन पर नए कारखाने लगाए गए हैं और आने वाले समय में वहां बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य में कई औद्योगिक गलियारे विकसित किए जा रहे हैं और बड़े निवेश आने वाले हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि चुनाव के समय घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन पूरे देश में समान रूप से लाभ नहीं दिया जाता। उन्होंने पेट्रोल कीमतों और महंगाई का मुद्दा भी उठाया। इस दौरान उन्होंने पुलिस प्रशासन से भी संयम बरतने की अपील की और कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मतदाताओं को स्वतंत्र वातावरण मिलना चाहिए।

## मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार से की मुलाकात

एजेंसी, पटना



बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को राज्यसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात ने राज्य की राजनीतिक हलचल को और तेज कर दिया है। मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्री और मुंगेर से सांसद ललन सिंह भी मौजूद रहे। यह मुलाकात करीब 20 मिनट तक चली। हालांकि नेताओं के बीच किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि संभावित कैबिनेट विस्तार और सरकार की आगामी रणनीति को लेकर नेताओं के बीच चर्चा हुई हो सकती है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार ने विधानसभा में बहुमत साबित किया था। फ्लोर टेस्ट से पहले सदन में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार की खुलकर प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार को न तो कुर्सी से हटाया जा सकता है और न ही दिल से।

## लालू की पाठशाला इतनी ही मजबूत होती, तो उनके करीबी नेता भाजपा में क्यों आते : गिरिराज सिंह

एजेंसी, पटना

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी यादव के "लालू की पाठशाला" वाले बयान का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यदि "लालू की पाठशाला" इतनी ही मजबूत और प्रभावी होती, तो उनके करीबी नेता वहां से निकलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन क्यों थामते। शनिवार को बेगूसराय पहुंचे गिरिराज सिंह ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में परिवारवाद अपने चरम पर है। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष के कारण कई नेताओं को अलग रास्ता चुनना पड़ा और उन्होंने भाजपा का रुख किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा एक व्यापक विचारधारा वाली पार्टी है, जिसे उन्होंने "गंगा और समुद्र" की संज्ञा दी। उनके अनुसार, भाजपा में शामिल होने वाले नेता किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपनी इच्छा, विश्वास और विचारधारा के कारण पार्टी का हिस्सा बनते हैं। गिरिराज सिंह ने उदाहरण देते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज पार्टी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और भाजपा की विचारधारा को मजबूत कर रहे हैं। कर्नाटक की राजनीति पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने दावा किया कि जैसे पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिवर्तन की स्थिति बन रही है, वैसे ही कर्नाटक में भी कांग्रेस सरकार का भविष्य सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वहां भी बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि पीडीएस घोटाले में हो रही कार्रवाई भ्रष्टाचार की पोल खोल रही है। उन्होंने कहा कि जो जैसा करेगा, उसे वैसा ही परिणाम भुगतना पड़ेगा।

## नेपाल में सत्तारूढ़ दल के पांच सांसद धरने पर बैठे

**एजेंसी, काठमांडू** । नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के सांसद खगेन्द्र सुनार और समेत पांच सांसद पिछले 12 घंटे से सिंधुली जिला प्रशासन कार्यालय के गेट पर धरने पर बैठे हैं। वे शुक्रवार शाम से 22 वर्षीय श्रीकृष्ण बीके के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, जिनकी पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी।

श्रीकृष्ण बीके सिंधुली के सुनकोशी ग्रामीण नगरपालिका-3, जुम्ले डाँडा के निवासी थे। धरने में आरएसपी सांसद खगेन्द्र सुनार, रीमा विश्वकर्मा, सुष्मा स्वर्णकार, खिमा विश्वकर्मा और आशीष गजुरेल के साथ बुद्धिजीवी और जुम्ले डाँडा के कुछ स्थानीय लोग भी शामिल हैं। खगेन्द्र सुनार ने फेसबुक पर लिखा, "हम पिछले 12 घंटे से जिला प्रशासन कार्यालय के गेट पर बैठे हैं।"

## दलबदल कानून अपने उद्देश्य में विफल, पुनर्विचार की जरूरत: शांता कुमार

एजेंसी, शिमला

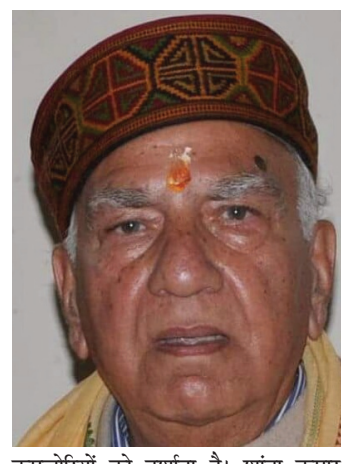

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा है कि भारत में जिस भावना के साथ दलबदल कानून बनाया गया था, वह अपने उद्देश्य को पूरा करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाया है। उन्होंने वर्तमान कानून की खामियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि आज की व्यवस्था ऐसी है जिसमें यदि कोई व्यक्ति अकेले चोरी करता है तो उसे सजा मिलती है, लेकिन यदि पूरा समूह मिलकर घर लूट ले तो उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा के सात सांसदों के मामले में दलबदल के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होना इस कानून की कमजोरियों को दर्शाता है। शांता कुमार ने शनिवार को एक बयान में देश की राजनीति के गिरते स्तर पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति सेवा, ईमानदारी और राष्ट्रहित के लिए की जाती थी, लेकिन आज यह केवल सत्ता और कुर्सी तक सीमित होकर रह गई है। उन्होंने कहा कि गुलाम भारत के समय राजनीति पूरी तरह देश के लिए समर्पित थी। भगत सिंह जैसे हजारों देशभक्तों ने मातृभूमि की सेवा के लिए हंसते-हंसते अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, लेकिन आज़ाद भारत में राजनीति का केंद्र बिंदु राष्ट्रहित की बजाय व्यक्तिगत और राजनीतिक स्वार्थ बन गया है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से आग्रह किया कि दलबदल कानून पर पुनर्विचार किया जाए और ऐसे प्रावधान लाए जाएं जो सामूहिक दलबदल को भी स्पष्ट रूप से दंडनीय बनाएं।

## बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सिन्हा ने सपत्नीक किए महाकाल के दर्शन, भस्म आरती में भी हुए शामिल

एजेंसी, उज्जैन

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को धर्मपत्नी सुशीला देवी के साथ मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल के दर्शन किये। उन्होंने सपत्नीक भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया और बिहार की समृद्धि, कल्याण, और सनातन संस्कृति की सकारात्मक ऊर्जा के लिए प्रार्थना की। बिहार में इन दिनों नई सरकार के गठन की कवायद चल रही है। एक दिन पहले यानी शुक्रवार को ही बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विश्वास मत जीता है। इसी बीच पूर्व उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा शनिवार तड़के करीब चार बजे उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने महाकालेश्वर मंदिर में नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती के दर्शन किए और भगवान महाकाल का स्मरण किया। आरती के बाद उन्होंने नंदी जी का पूजन-अभिषेक कर कान में अपनी मनोकामना भी कही। उन्होंने मंदिर के चांदी द्वार से भगवान महाकाल को जल अर्पित किया। इस दौरान पुजारियों ने विधि-विधान से उनका पूजन-अभिषेक कराया। दर्शन के बाद पूर्व उप मुख्यमंत्री सिन्हा ने कहा कि कालों के काल महाकाल की नगरी उज्जैन में सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि हर बिहारी का गौरव बना रहे, सभी स्वस्थ रहें और महाकाल की कृपा सब पर बनी रहे। शनिवार को वैशाख शुक्ल पक्ष की नवमी पर तड़के हुई भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का भाग-चंदन से विशेष श्रृंगार किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। बाबा महाकाल के दर्शन के लिए भक्त देर रात से ही कतारों में लग गए थे। मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के हुई भस्म आरती में आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में विराजित सभी देव प्रतिमाओं का विधिवत पूजन किया।

# कैंसर बचाव के लिए जन जागरूकता अभियान चलाएं

एजेंसी, जयपुर

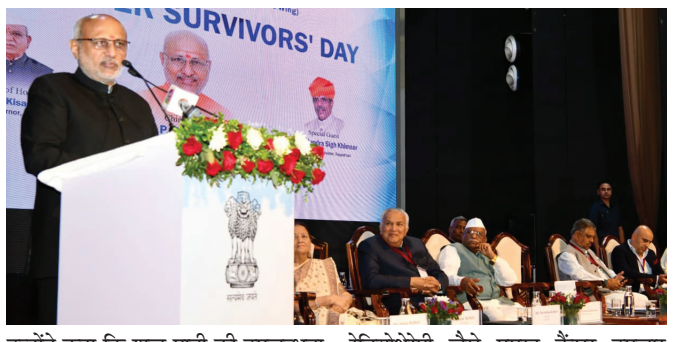


उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि कैंसर से लड़ने और विजय प्राप्त करने के लिए मस्तिष्क से मजबूत रहना जरूरी है। उन्होंने कैंसर से बचाव के लिए विशेष रूप से युवाओं से नशीले पदार्थों और तंबाकू आदि से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कैंसर से बचाव के लिए व्यापक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कैंसर उपचार के अंतर्गत कीमोथेरेपी जैसी कठिन उपचार विधि के स्थान पर नवीनतम चिकित्सा अनुसंधानों में टैबलेट के जरिए उपचार की पहल उत्साहजनक है। उपराष्ट्रपति शनिवार को महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में कैंसर सरवाइवर्स डे के अवसर पर कैंसर सोसाइटी द्वारा आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शुद्ध पानी की उपलब्धता सबके लिए आवश्यक है। प्रतिवर्ष कैंसर के रोगी बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत कैंसर के उपचार के तहत कैंसर रोगियों को प्रति वर्ष पांच लाख तक का निःशुल्क इलाज मिलता है। इसमें सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी जैसे प्रमुख कैंसर उपचार शामिल हैं। यह योजना देशभर के सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में ब्रेस्ट, फेफड़े और मुंह के कैंसर सहित अन्य प्रकारों के इलाज को कवर करती है। गरीब मरीजों के इलाज के लिए एकमुश्त 15 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भी ग्रामीण क्षेत्रों में 75 प्रतिशत राशि का व्यय कैंसर बचाव के लिए किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर इस समय देश में द्वितीय सबसे अधिक होने वाला कैंसर है। इसके बचाव के लिए वेक्सिनेशन के साथ उपचार के लिए कारगर प्रयासों की पहल केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा की गई है। राजस्थान कैंसर से लड़कर उससे मुक्त होने वालों में अग्रणी है। जो लोग कैंसर से लड़कर आज यहां उपस्थित हैं, वे प्रेरणा देने वाले हैं। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि जिस तरह से टीबी मुक्त अभियान चलाकर उससे मुक्ति के प्रभावी प्रयास हुए हैं, उसी तरह कैंसर मुक्त राजस्थान अभियान चलाकर प्रभावी प्रयास किए जाने की जरूरत है। बागड़े ने कहा कि तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट वालों को कैंसर अधिक होता है। इसलिए इनसे बचना चाहिए।

## संक्षिप्त समाचार

### रांची पहाड़ी मंदिर समिति का पुनर्गठन, राजेश कुमार साहू को फिर मिली जिम्मेदारी

**रांची, एजेंसी।** झारखंड के रांची में स्थित पहाड़ी मंदिर समिति का पुनर्गठन किया गया। झारखंड राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड द्वारा रांची के ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर की नई समिति का गठन किया गया है। इस नई कमेटी में श्री शिव बारात आयोजन महासमिति के संस्थापक अध्यक्ष राजेश कुमार साहू को एक बार फिर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें आगामी पांच सालों के लिए समिति में अपना योगदान देने का अवसर दिया गया है। समिति के अध्यक्ष पद पर न्यायाधीश एस0 एन0 पाठक को नियुक्त किया गया है। वहीं विशेष आमंत्रित सदस्यों में सांसद, विधायक, रांची उपायुक्त, वरीय पुलिस अधीक्षक, सदर अनुमंडल पदाधिकारी सहित विजय पाठक को शामिल किया गया है। समिति के सदस्यों ने राजेश कुमार साहू को इस नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व और अनुभव से पहाड़ी मंदिर के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों को नई गति मिलेगी और यह ऐतिहासिक धरोहर और भी भव्य रूप में सामने आएगी।

### पलामू में सड़क हादसा, स्कॉर्पियो-बुलेट की टक्कर में युवक की मौत

**पलामू, एजेंसी।** झारखंड के पलामू जिले के मेदिनीनगर पंडवा औरंगाबाद एनएच 33 मुख्य मार्ग पर गाड़ीखास (बढ़का भिट्ठा) के पास शनिवार की सुबह करीब आठ बजे स्कॉर्पियो और बुलेट मोटरसाइकिल के बीच सीधी टक्कर हो गई। इस घटना में एक वेकती की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य दो व्यक्ति घायल हो गए। इस घटना में पलामू जिला के भाजपा नेता सह पलामू सांसद विष्णु दयाल राम के करीबी ईश्वरी पांडेय के करीब 33 साल के बड़े बेटे आकाश कुमार पांडेय की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस सीधी टक्कर में दुर्घटनाग्रस्त वाहनों का परखच्चे उड़ गए। इसकी सूचना मिलते ही पंडवा पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। घटना की सूचना मिलते ही पंडवा पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। पंडवा पुलिस ने आकाश पांडेय के अलावा दो अन्य घायलों को मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच भेज दिया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद आकाश कुमार पांडेय को मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, आकाश पांडेय रेहला स्थित ग्रासिम में कार्यरत थे। मेदिनीनगर स्थित अपने आवास से ड्यूटी के लिए निकले थे। ड्यूटी जाने के दौरान वे जैसे ही गाड़ीखास (बढ़काभीठा) के पास पहुंचे। इसी बीच विपरीत दिशा औरंगाबाद की ओर तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो और उनके बुलेट मोटरसाइकिल के बीच सीधी टक्कर हो गई। इस घटना की जानकारी पूरे क्षेत्र आग की लहर की तरह फैल गई और शोक की लहर दौड़ पड़ी। इसकी सूचना के बाद धीरे-धीरे मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच अस्पताल में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

### धनबाद होकर 29 को चलेगी साबरमती आसनसोल स्पेशल ट्रेन

**धनबाद, एजेंसी।** 29 अप्रैल को साबरमती से धनबाद होते हुए आसनसोल के लिए एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। 09435 साबरमती-आसनसोल, साबरमती से रात 11:55 बजे खुलकर 1 मई को दिन के 11:15 बजे धनबाद होती हुई दोपहर 2:30 बजे आसनसोल पहुंचेगी। वापसी में 09436 आसनसोल-साबरमती 1 मई की शाम 4:15 बजे आसनसोल से खुलकर शाम 5:50 बजे धनबाद और 3 मई की सुबह 7:15 बजे साबरमती पहुंचेगी।25 अप्रैल को यह स्पेशल ट्रेन भी चलेंगी 04249 डानकुनी-सुल्तानपुर व 01109 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस आसनसोल।रांची एलटीटी पारसनाथ में ठहराव गोमो होकर चलने वाली रांची लोकमान्य तिलक टर्मिनस रांची एक्सप्रेस का पारसनाथ स्टेशन पर ठहर होगा। रांची से खुलने वाली ट्रेन 29 अप्रैल से और एलटीटी से चलने वाली ट्रेन 1 मई से पारसनाथ स्टेशन पर 2 मिनट के लिए रुकेगी।

### फूड सेफ्टी नियमों में बड़ा बदलाव, 1।5 करोड़ तक के टर्नओवर पर व्यापारियों को साधारण निबंधन जरूरी

**रांची, एजेंसी।** झारखंड चैंबर की फूड सेफ्टी उप समिति की बैठक शुक्रवार को चैंबर भवन में हुई। इस दौरान भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के नए और संशोधित नियमों पर विस्तार से चर्चा हुई। फूड सेफ्टी ऑफिसर डॉ। पवन कुमार ने बताया कि नए नियमों के अनुसार 1।5 करोड़ रुपए तक सालाना कारोबार करने वाले व्यापारियों को केवल साधारण निबंधन कराना होगा। वहीं 1।5 करोड़ से 50 करोड़ तक के टर्नओवर वाले व्यवसायियों को स्टेट लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था 1 अप्रैल 2026 से लागू होगी।बैठक में व्यापारियों ने फूड सैंपल जांच प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि फूड सैंपल की रिपोर्ट आने में करीब तीन महीने लग जाते हैं और जांच के समय ही व्यापारी का नाम सार्वजनिक कर दिया जाता है, जिससे उनकी प्रतिष्ठा प्रभावित होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि रिपोर्ट आने तक पहचान गोपनीय रखी जाए और राज्य में आधुनिक लैब की व्यवस्था की जाए। बैठक में चैंबर उपाध्यक्ष राम बांगड़, सह सचिव नवजोत अलंग, कार्यकारिणी सदस्य मनीष सर्राफ समेत कई सदस्य मौजूद थे।

**खतरे में बच्चों की जिंदगी! 20 वर्षों से आंगनबाड़ी केंद्र का भवन अधूरा,**

# जर्जर स्कूल भवन में चलता है आंगनबाड़ी

**लातेहार, एजेंसी।** छोटे बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा देने और उन्हें कुपोषण से बचाने तथा गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन किया जाता है। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों को सभी आवश्यक सुविधाओं से लैस भी किया है। हालांकि सरकार की यह योजना लातेहार सदर प्रखंड के लुंदी गांव में धराशायी हो रही है।

कहने के लिए तो आंगनबाड़ी केंद्र संचालित है, परंतु भवन के अभाव में ना तो बच्चों को पूरी सुविधा मिल पा रही है और ना ही अन्य लाभुक ही बेहतर ढंग से लाभान्वित हो पा रहे हैं। वर्तमान समय में पुराने और जर्जर स्कूल भवन के बरामदे में आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हो रहे हैं।

दरअसल लातेहार सदर प्रखंड का लुंदी गांव पूरी तरह आदिवासी बहुल गांव है। जिला मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तरवाडीह पंचायत में स्थित इस गांव में लगभग 25 वर्षों से आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन किया जा रहा है। इतने वर्ष बीत जाने के बावजूद आज तक यहां एक आंगनबाड़ी की सुविधा संपन्न भवन नहीं बन पाया है।

वर्तमान समय में यहां के आंगनबाड़ी केंद्र में लगभग 40 से 50 मासूम बच्चों का नामांकन है। बच्चों को बैठने, खेलने और पढ़ने के लिए आंगनवाड़ी का अपना भवन नहीं है। मजबूरी में गांव के स्कूल के पुराने और जर्जर भवन के बरामदे में किसी प्रकार आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन किया जा रहा है। सरकारी स्तर पर लगभग 20 साल पहले यहां आंगनबाड़ी केंद्र के लिए भवन बनाने का कार्य भी आरंभ हुआ था, परंतु वह योजना आधार में लटक गई।स्थानीय ग्रामीण सोन सहाय सिंह और ग्राम प्रधान मुनेश्वर सिंह आदि ने बताया कि लगभग 20 वर्ष पहले यहां आंगनबाड़ी केंद्र का भवन बनाने का कार्य आरंभ हुआ था। भवन की ढलाई आदि कार्य भी पूरा हो गया। परंतु बाद में भवन को अधूरा छोड़ दिया गया। उसके बाद कई बार अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक गुहार लगाई गई परंतु आंगनबाड़ी केंद्र के भवन निर्माण का कार्य पूरा नहीं हुआ।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में संचालित प्राथमिक विद्यालय के भवन का एक भाग जर्जर हो गया था, इस कारण वहां स्कूली बच्चों की पढ़ाई नहीं कराई जा रही थी। क्योंकि आंगनबाड़ी केंद्र के लिए भी गांव में कोई भवन नहीं था इसलिए मजबूरी में इसी जर्जर भवन के बरामदे में आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन किया जा रहा है। वहीं इस संबंध में प्रखंड के उप प्रमुख राजकुमार प्रसाद ने बताया कि यह बड़ी दुखद बात है कि छोटे बच्चों को सभी मौसम में बरामदे में बैठकर ही पढ़ना, खाना और खेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बच्चों का खाना भी खुले में ही बनाया जाता है। इस मामले को लेकर अधिकारियों से भी संपर्क किया गया, परंतु ग्रामीणों को आश्वासन के सिवा और कुछ भी नहीं मिला।

वही इस संबंध में पूछने पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अलका हेंब्रम ने बताया कि पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जब तक भवन पूर्ण नहीं हो जाता तब तक आंगनबाड़ी को किसी सुरक्षित स्थान पर संचालित करने की व्यवस्था कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग का प्रयास होगा कि गांव में जल्द ही आंगनबाड़ी केंद्र का भवन बन जाए।

### कुडू में दर्दनाक सड़क हादसा, शराब लदी गाड़ी और स्कूटी में जोरदार टक्कर से मां-बेटे समेत तीन की मौत

**कुडू, एजेंसी।** झारखंड के लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। नेशनल हाईवे कुडू-रांची मुख्य पथ पर दुलुवाखुंटा के पास शराब लदा मालवाहक वाहन और स्कूटी के बीच आमने-सामने की टक्कर में मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना सुबह करीब 9 बजे की बतायी जा रही है। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मिली जानकारी के अनुसार, कुडू थाना क्षेत्र के रोन्हैया कोलसिमरी गांव निवासी विषुण भगताईन अपने पुत्र किशोर भगत और भतीजा निरंजन उरांव के साथ स्कूटी (जेएच01बीडी 0695) से मांडर अस्पताल जा रही थीं। उनके पति वहां भर्ती थे, जिन्हें देखने के लिए वे घर से निकली थीं। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार मालवाहक गाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि किशोर भगत और निरंजन उरांव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल विषुण भगताईन को इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक घटना से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया जा रहा है कि रांची से शराब लेकर मालवाहक वाहन (जेएच01एई 4495) पलामू की ओर जा रहा था। टक्कर के बाद वाहन सड़क पर पलट गया, जिससे नेशनल हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। वाहन में शराब लदी होने की जानकारी मिलते ही कुछ लोग शराब लूटने के प्रयास में जुट गए। स्थिति को बिगड़ता देख थाना प्रभारी अजीत कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को खदेड़कर स्थिति को नियंत्रित किया।

# प्रिंसिपल ने नाबालिग छात्रा से की छेड़छाड़; गया जेल

**गिरिडीह, एजेंसी।** गिरिडीह के पचम्बा थाना क्षेत्र स्थित नाइस पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल मो इमामुद्दीन पर एक 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ पिछले कई महीनों से यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ करने का संगीन आरोप लगा है। पीड़िता के परिजनों द्वारा पचम्बा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के बाद स्थानीय क्षेत्र में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

**मार्कशीट देने के बहाने बुलाकर की बदसलूकी :** दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब पीड़िता अपनी मार्कशीट लेने के लिए स्कूल गई थी। मार्कशीट प्राप्त करने के बाद जब वह प्रिंसिपल के कार्यालय से बाहर निकल रही थी। तभी मो इमामुद्दीन ने उसे किसी बहाने से दोबारा अंदर बुलाया। आरोप है कि कमरे के भीतर ले जाकर आरोपी ने छात्रा का मुंह दबा दिया। उसके साथ अश्लील हरकतें व छेड़छाड़ की कोशिश की।

जब छात्रा ने इसका कड़ा विरोध किया। शोर मचाने का प्रयास किया, तो आरोपी प्रिंसिपल ने उसे डराया-धमकाया। स्कूल से नाम काटकर बाहर निकाल देने की धमकी दी। किसी तरह वहां से बचकर निकली छात्रा ने घर पहुंचकर अपनी मां को आपबीती सुनाई। उसने स्कूल जाने से साफ मना कर दिया।

**पूर्व में भी लगे हैं आरोप, भेजा गया जेल :** मामले की गंभीरता को देखते हुए वार्ड संख्या 6 के पार्षद संजीव कुमार और स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पार्षद ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि उक्त प्रिंसिपल की छवि पहले से ही संदिग्ध रही है। पूर्व में भी कई छात्राओं ने उनके आचरण पर सवाल उठाए थे।

# रांची में विकास योजनाओं की शुरुआत, महापौर ने आश्रयगृह, पुस्तकालय और वेंडिंग जोन का किया शिलान्यास

**रांची, एजेंसी।** राजधानी रांची में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में नगर निगम ने एक और कदम बढ़ाया है। गुरुवार को महापौर रोशनी खलखो ने शहर के विभिन्न वार्डों में कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इन योजनाओं में आश्रयगृह, पाथवे, सड़क, पुस्तकालय और वेंडिंग जोन जैसे कार्य शामिल हैं, जो सीधे तौर पर आम लोगों की सुविधा से जुड़े हैं।

महापौर ने वार्ड संख्या 5 अंतर्गत बूटी मोड़ में आश्रयगृह निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके अलावा इसी वार्ड में पीएचईडी कॉलोनी स्थित मेड फर्स्ट अस्पताल के पास पाथवे और पीसीसी पथ निर्माण कार्य की भी आधारशिला रखी गई। वहीं, वार्ड संख्या 4 के मोराबादी स्थित कुसुम विहार में (जी+2) पुस्तकालय निर्माण कार्य की शुरुआत की गई, जो छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगी।

इसके साथ ही वार्ड संख्या 2 में मोराबादी स्थित रजिस्ट्री कार्यालय के समीप वेंडिंग जोन और बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया। इस परियोजना से फुटपाथ दुकानदारों को व्यवस्थित स्थान मिलेगा। जिससे उनकी आजीविका को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र में स्वच्छता भी सुनिश्चित हो सकेगी।

इस अवसर पर महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि ये सभी योजनाएं शहर के जरूरतमंद लोगों की सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि आश्रयगृह बनने के बाद जरूरतमंदों को सुरक्षित ठिकाना मिलेगा। वहीं पाथवे और सड़क निर्माण से आम राहगीरों को आवाजाही में सहूलियत होगी। पुस्तकालय के निर्माण से क्षेत्र के विद्यार्थियों को शांत वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। जिससे उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा। महापौर ने यह भी कहा कि नगर निगम का लक्ष्य शहर के हर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है। ताकि नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी योजनाओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाएगा।

# अविराम कॉलेज कुडू में मलेरिया दिवस पर चला जागरूकता अभियान

**लोहरदगा, एजेंसी।** झारखंड के लोहरदगा जिले में कुडू स्थित अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन टिको में विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ह्स्प्दाधिकारी कुंदन गिद्ध ने किया। इस दौरान कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्रों में जलजमाव वाले स्थानों पर ब्लीचिंग पाउडर और चुने का छिड़काव कर साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ। प्रतिमा त्रिपाठी ने कहा कि मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए नियमित साफ-सफाई, पानी का ठहराव रोकना और व्यक्तिगत सावधानियां बेहद जरूरी हैं। उन्होंने छात्रों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की अपील की।

कॉलेज के सचिव इंद्रजीत कुमार भारती ने कहा कि मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए और घर के आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय-समय पर जागरूकता और सही उपचार से इस बीमारी को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। इस अभियान में कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ सहायक शिक्षक जंगबहादुर, पंकज, आफताब, पवन, ममता, चिनिबास, तबस्सुम, डॉ। शशि, डॉ। सुनीता, अमृत कुमार, आरती सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में मलेरिया के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वच्छता के महत्व को समझाना था।

# परफ्यूम की बोतल के कारण भड़की आग, 4 जिंदा जलेःनीमराना के अवैध कबाड़ गोदाम में धमाके

**नीमराना , एजेंसी।** राजस्थान के नीमराना (कोटपूतली-बहरोड़) में अवैध कबाड़ गोदाम में आग लगने से 4 लोग जिंदा जल गए। इसमें दो मासूम भी हैं। हादसे में एक महिला गंभीर रूप से झुलसी है। दो लोगों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। सभी मृतक झारखंड के हैं। शवों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। डीएनए टेस्ट के जरिए शवों की पहचान होगी।

दावा किया जा रहा है कि हादसा परफ्यूम की बोतल से निकले केमिकल में आग लगने से हुआ। गोदाम में रखे केमिकल ड्रमों में भी ब्लास्ट हुए। घटना शुक्रवार शाम करीब 5 बजे की है।

पुलिस के अनुसार गोदाम कृषि भूमि पर बना हुआ है। जिसे कबाड़ का काम करने वाले करण सिंह पुत्र मामन सिंह कोलीला ने किराये पर ले रखा था। शुक्रवार शाम को मजदूर कबाड़ में मिली कुछ परफ्यूम की बोतलें तोड़ रहे थे।

इसमें से स्पिरिट जैसा ज्वलनशील केमिकल निकल रहा था। इसी दौरान वहां कबाड़ लोड करने आए एक पिकअप गाड़ी के ड्राइवर ने बीड़ी जलाकर जलती तीली फेंक दी। जिससे केमिकल ने आग पकड़ ली।

हादसे के वक्त करीब 7 महिला, पुरुष और उनके बच्चे मौजूद थे। कबाड़ में आग फैलते ही सब इधर-उधर भागने लगे। इनमें दो नाबालिग और एक महिला गोदाम के पिछले हिस्से में छुप गए। उस हिस्से में कबाड़ नहीं था। उन्होंने सोचा यहां लपटें नहीं पहुंचेंगी, लेकिन भीषण आग से टीनशेड के पिलर पिघलकर उन पर गिर

गए। नीचे प्लास्टिक वेस्ट धधकने लगा। इस कारण वो वहीं फंस गए।

गोदाम में रखे केमिकल से भरे ड्रमों में तेज धमाके होने लगे, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। धमाकों की आवाज से आसपास दहशत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि रुक-रुककर करीब 5 धमाके गोदाम के अंदर हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले भी अवैध गोदाम को लेकर प्रशासन से शिकायत की थी, लेकिन गोदाम बंद नहीं कराया गया।

# विश्व मलेरिया दिवस पर झरिया में मेगा सेमिनार और जागरूकता रैली का आयोजन

**धनबाद, एजेंसी।** झारखंड के धनबाद जिले में विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झरिया-सह-जोरापोखर की एनवीबीडीसीपी टीम द्वारा कई विद्यालयों में मेगा सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा आठवीं, नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

टीम द्वारा विद्यार्थियों को मलेरिया क्या है, यह कैसे फैलता है, इसके लक्षण क्या हैं और बचाव के क्या उपाय हैं, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। सेमिनार के अंत में बताए गए विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। सही जवाब देने वाले छह विद्यार्थियों को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पुरस्कृत किया गया।

इधर विश्व मलेरिया दिवस पर चासनाला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झरिया-सह-जोरापोखर के स्वास्थ्य अधिकारियों, कर्मचारियों और सहियाओं द्वारा शनिवार को जागरूकता रैली निकाली गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया गया। इस दौरान लोगों को मलेरिया से बचाव के बारे में बताया गया।

मौके पर डॉ। मिहिर कुमार, श्वेता कुमारी, डॉ। संजय कुमार, डॉ। दिलीप कुमार, बरुण कुमार, प्रयोगशाला प्रावैधिकी अवधेश कुमार, आमिर परवेज, तनवीर आलम, सुरेश, सहिया साथी यमुना महतो, बबलू रविदास सहित कई लोग उपस्थित थे।

# गिरिडीह में अलग-अलग सड़क हादसों में 9 लोग घायल

**गिरिडीह, एजेंसी।** गिरिडीह जिले में गुरुवार देर शाम से रात तक तीन अलग-अलग सड़क हादसों में कुल 9 लोग घायल हो गए। इनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। 6 घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज सदर अस्पताल गिरिडीह में चल रहा है। तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। पहली घटना बेंगाबाद थाना क्षेत्र के बेंगाबाद-छोटकी खरगडीहा मुख्य मार्ग पर ढाबा के पास हुई। यहां दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोग घायल हो गए।

घायलों में बिहार के चकाई थाना क्षेत्र के पिपराडीह निवासी सुमन सोरेन, छोटेलाल सोरेन और मैथुश सोरेन शामिल हैं। दूसरी बाइक पर धनबाद के रंगामाटी निवासी अजय कुमार ठाकुर और विजय कुमार ठाकुर सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं और सभी सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, पिपराडीह के तीनों युवक एक ही बाइक पर बेंगाबाद बाजार से घर लौट रहे थे, जबकि दूसरी बाइक विपरीत दिशा से आ रही थी। संतुलन बिगड़ने से दोनों बाइकों की सीधी भिड़ंत हो गई। इस हादसे में तीन युवकों को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो अन्य युवकों को मामूली चोटें थीं और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

दूसरी घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में हुई, जहां स्कूटी सवार कुमार आरव बरमोरिया के पास अचानक अनियंत्रित होकर गिर गए। उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों और परिजनों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

तीसरी घटना पचंबा थाना क्षेत्र में एसबीआई बैंक के पास हुई। यहां एक पिकअप वैन और टोटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद टोटो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें सवार यात्रियों में अफरातफरी मच गई। इस हादसे में लोहपिट्टी निवासी प्रियंका देवी, ममता देवी और टोटो चालक रोहित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, टोटो पचंबा से सवारियों को लेकर लोहपिट्टी की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से डेकोरेशन का सामान लेकर आ रही पिकअप वैन ने टोटो को टक्कर मार दी। घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

# साहिबगंज में अस्मिता सिटी लीग का समापन, बेटियों ने खेल मैदान में दिखाया दमखम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**साहिबगंज।** खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय अस्मिता सिटी लीग खेल प्रतियोगिता का समापन शनिवार को सिदो-कान्हु स्टेडियम में सफलतापूर्वक हो गया। प्रतियोगिता का आयोजन 24 व 25 अप्रैल को जिला खेल कार्यालय की देखरेख में किया गया, जिसमें शतरंज, कुश्ती, कबड्डी और एथलेटिक्स जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

समापन समारोह में अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जिला आपूर्ति पदाधिकारी जुन्नू मिश्रा विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया और बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी लक्ष्य तय कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए, जिससे जिले का नाम राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हो सके।इस दौरान बालिका कबड्डी मैच का टॉस सदर अस्पताल की महिला चिकित्सक डॉ. स्नेहा यादव ने किया। प्रतियोगिता में जिले भर की बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग की 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद और शॉट पुट में विजेताओं को मेडल, प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।वहीं कबड्डी प्रतियोगिता में अंडर-14 वर्ग में पीएम श्री नगरपालिका विद्यालय विजेता और पुलिस लाइन मध्य विद्यालय उपविजेता रहा। अंडर-17 वर्ग में पोखरिया उच्च विद्यालय ने बाजी मारी, जबकि राजमहल कस्तूरबा आवासीय विद्यालय उपविजेता रहा। अंडर-19 वर्ग में साहिबगंज प्रखंड की टीम विजेता बनी और राजमहल कस्तूरबा विद्यालय उपविजेता रहा।मौके पर जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष, खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी, प्रशिक्षक योगेश यादव, अशोक कुमार, जिला ओलंपिक संघ के सचिव माधव चंद्र घोष सहित कई पदाधिकारी, शिक्षक और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सभी का सराहनीय योगदान रहा।यह आयोजन जिले में महिलाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

## मंडरो में विधायक निधि से पीसीसी सड़क निर्माण का शिलान्यास, ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर सुविधा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**मंडरो।बोरियो** विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनंजय सोरेन ने शनिवार को मंडरो प्रखंड अंतर्गत फूलोलक्ष्मी गांव में विधायक मद से बनने वाली पीसीसी सड़क निर्माण योजना का शिलान्यास किया। उन्होंने फीता काटकर विधिवत रूप से योजना की शुरुआत की।इस मौके पर विधायक ने कहा कि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। सड़क निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत होगी और विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने संबंधित विभाग को गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की पहल पर खुशी जताते हुए कहा कि लंबे समय से इस सड़क की जरूरत महसूस की जा रही थी। योजना के शुरू होने से अब लोगों को कीचड़ और दुर्गम रास्तों से राहत मिलेगी।कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

## डीसी दीपक कुमार दुबे ने किया बोरियो आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**बोरियो ,** साहेबगंज जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने बोरियो प्रखंड स्थित राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं पठन-पाठन की स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण के क्रम में प्रधानाचार्य की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने उनका वेतन तत्काल प्रभाव से रोकने तथा स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को अनुशासन और प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया।इसके अलावा मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) की गुणवत्ता, संबंधित अभिलेखों एवं पेयजल व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई कमियां सामने आने पर उपायुक्त ने आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।डीसी दीपक कुमार दुबे ने स्पष्ट कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## जिला परिषद का बड़ा फैसला: संवेदकों का नया रजिस्ट्रेशन शुरू, हाट-बाजार लेसी को 6 माह की राहत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**साहिबगंज।जिला** परिषद की बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। बैठक में संवेदकों की श्रेणी II, III एवं IV के नए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया, जिससे स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।वहीं, बीते वर्ष हाट-बाजार की हुई नीलामी को लेकर भी बोर्ड ने महत्वपूर्ण फैसला लिया। बताया गया कि लेसी को व्यवस्था समझने में काफी समय लग गया, जिसके कारण राजस्व वसूली प्रभावित रही और कई लेसी अपनी पूंजी भी नहीं निकाल सके। इस स्थिति को देखते हुए लेसी द्वारा बार-बार किए गए अनुरोध पर जिला परिषद बोर्ड ने मानवीय पहल करते हुए अतिरिक्त छह माह का समय विस्तार देने का निर्णय लिया।हालांकि, बोर्ड ने इस राहत के साथ सख्त शर्त भी रखी है। स्पष्ट किया गया है कि केवल वही लेसी इस विस्तार का लाभ उठा सकेंगे, जिन्होंने इकरारनामा की 100 प्रतिशत राशि जमा कर दी है। जिन लेसी ने पूरी राशि जमा नहीं की है, उनके मामलों पर विचार नहीं किया जाएगा।इसके साथ ही, बकाया राशि की वसूली के लिए संबंधित लेसी के खिलाफ नीलाम पत्र वाद दायर करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।जिला परिषद के इस निर्णय को एक ओर जहां लेसी के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर राजस्व वसूली को लेकर प्रशासन की सख्ती भी साफ झलक रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### जेयूटी डिप्लोमा परीक्षा को लेकर सख्ती,मोबाइल मिलने पर निष्कासन, कदाचार पर कड़ी कार्रवाई

**साहिबगंज।झारखंड** प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय रांची द्वारा डिप्लोमा प्रथम सेमेस्टर परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। यह परीक्षा 27 अप्रैल से आयोजित होगी। इसके सफल संचालन को लेकर विश्वविद्यालय स्तर पर एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता परीक्षा नियंत्रक डॉ. निर्मला सोरेन ने की, जिसमें राज्य भर के परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षक एवं प्रवेक्षक शामिल हुए। इस दौरान परीक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यदि किसी परीक्षार्थी के पास मोबाइल पाया जाता है या नकल करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे तत्काल परीक्षा से निष्कासित कर दिया जाएगा। साथ ही परीक्षा केंद्र पर किसी प्रकार की क्षति होने पर संबंधित छात्र या संस्थान से इसकी भरपाई की जाएगी। इधर, मॉडल कॉलेज राजमहल (साहिबगंज) के प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने भी अपने केंद्र पर सभी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने परीक्षा को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर जोर देते हुए स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से सहयोग की मांग करते हुए पत्र भी भेजा गया है, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

### महाराजपुर में गो सम्मान दिवस की तैयारी तेज, 27 अप्रैल को जागरूकता कार्यक्रम

**साहिबगंज।प्रखंड** केमहाराजपुर क्षेत्र में गौ सेवा एवं गो सम्मान को लेकर लोगों के बीच जागरूकता बढ़ती जा रही है। इसी क्रम में 27 अप्रैल 2026 को मनाए जाने वाले गो सम्मान दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है।इस संबंध में हिंदू धर्म रक्षा मंच के प्रदेश महासचिव बजरंगी महतो ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम को लेकर स्थानीय सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की जा रही है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गौ माता के संरक्षण, सेवा और सम्मान के प्रति लोगों को जागरूक करना है।आयोजकों का मानना है कि यह पहल समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ पारंपरिक मूल्यों को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्षेत्र में कार्यक्रम को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है और तैयारियां अंतिम चरण में हैं।कार्यक्रम को सफल बनाने में बजरंगी महतो, सत्या महतो, अशोक कुमार महतो, राजू कुमार महतो, धनंजय कुमार, अमित कुमार, श्रीराम कुमार, मंगरु कुमार और विपुल महतो सहित कई लोग सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। आयोजकों ने सभी क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अप्रैल की सुबह आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल होकर गौ सेवा के इस अभियान को सफल बनाएं।

## विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, बच्चों को दी गई बचाव की जानकारी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**साहिबगंज।** आयुष्मान आरोग्य मंदिर कौड़ी खुटौना के तत्वावधान में मदर टेरेसा मेमोरियल स्कूल, कौड़ी खुटौना (भगैया) में विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन, साहिबगंज ने की।इस अवसर पर स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा विद्यार्थियों को मलेरिया के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। श्री प्रवीर जी ने बच्चों को बताया कि मलेरिया से बचाव के लिए साफ-सफाई, पानी के निकास की समुचित व्यवस्था, नियमित हाथ धोना और मच्छरदानी का उपयोग अत्यंत जरूरी है। साथ ही आईआरएस (इनडोर रेजिडुअल स्प्रे) छिड़काव के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम के दौरान जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षक एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। रैली के माध्यम से लोगों को मलेरिया से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर अमन कुमार भारती, प्रवीर सिन्हा, रवि कुमार जाटव, सहिया चांदमुनी कर्मकार, डोरोथी मुर्मू, बोरोनिका सोरेन, टेरेसा सोरेन, बलराम मंडल, विजय जी पत्रकार, विद्यालय के निदेशक बोनिफास सर एवं प्राचार्या रीना जायसवाल सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

## साहिबगंज डीएमयू शेड का निरीक्षण,मेंटेनेंस विस्तार की तैयारी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**साहिबगंज।हावड़ा** जोन के प्रिंसिपल चीफ मैकेनिकल इंजीनियर परमानंद शर्मा ने शनिवार को साहिबगंज स्थित डीएमयू मेंटेनेंस शेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कारशेड में इलेक्ट्रिक मेमू पैसेंजर ट्रेनों के मेंटेनेंस की तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के बाद उन्होंने बताया कि मेंटेनेंस क्षमता बढ़ाने के लिए पिट विस्तार की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इस संबंध में रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भी भेजा गया है। फिलहाल उपलब्ध भूमि पर पिट निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिससे 16 कोच तक की ट्रेनों का मेंटेनेंस संभव हो सकेगा।उन्होंने कहा कि जमीन की उपलब्धता एक प्रमुख चुनौती है। यदि पर्याप्त भूमि मिल जाती है, तो भविष्य में यहां 24 कोच वाली ट्रेनों के लिए भी पिट निर्माण किया जाएगा। ट्रेनों की संख्या बढ़ाने का निर्णय रेलवे बोर्ड स्तर पर लिया जाएगा, लेकिन वर्तमान इंफ्रास्ट्रक्चर का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।शर्मा ने चल रहे कार्यों और योजना की दिशा पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मेंटेनेंस सुविधाओं के विस्तार से क्षेत्र में रेल सेवाओं को और मजबूती मिलेगी।

## गायत्री परिवार की सक्रिय सदस्या मीरा कुसुम का निधन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**साहिबगंज।शहर** के कमल टोला स्थित प्रोविडेंस स्कूल के समीप रहने वाली गायत्री परिवार की सक्रिय सदस्या श्रीमती मीरा कुसुम का शनिवार को हृदयाघात से निधन हो गया। वे लगभग 62 वर्ष की थीं। उनके असामयिक निधन से गायत्री परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।परिजनों के अनुसार, शुक्रवार सुबह उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी। स्थानीय चिकित्सकों से इलाज कराया गया, जिससे कुछ समय के लिए स्थिति में सुधार हुआ। लेकिन देर रात फिर तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सदर अस्पताल, साहिबगंज ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।श्रीमती कुसुम धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती थीं। उनकी देखरेख में बिजली घाट स्थित शिवालय में विराट शिवलिंग की स्थापना कराई गई थी। साथ ही, हबीबपुर स्थित शिवालय में भगवान विष्णु, मां लक्ष्मी, हनुमान जी एवं राधा-कृष्ण की प्रतिमा स्थापना का संकल्प भी उन्होंने लिया था।उनके पति कमलकांत मंडल जमालपुर उप-जोन समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं। परिवार में एक पुत्र (नाइजीरिया में इंजीनियर) और दो विवाहित पुत्रियां हैं।परिजनों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार 27 अप्रैल को शहर के मुनीलाल श्मशान घाट में किया जाएगा। उनके निधन पर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

## बरहेट में रक्तदान शिविर: युवाओं के साथ पत्रकारों ने भी दिखाई संवेदनशीलता

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**बरहेट।सामुदायिक** स्वास्थ्य केंद्र बरहेट परिसर में शनिवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और आम लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।कार्यक्रम का शुभारंभ चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पंकज कर्मकार सहित अन्य चिकित्सकों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर डॉ. कर्मकार ने रक्तदान को 'महादान' बताते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त किसी की जान बचा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भ्रांतियों से दूर रहकर नियमित रूप से रक्तदान करें।शिविर में क्षेत्र के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कुल एक दर्जन लोगों ने रक्तदान किया, जिनमें कई ने पहली बार रक्त देकर समाज सेवा का संकल्प लिया। रक्तदान से पूर्व सभी दाताओं की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें हीमोग्लोबिन स्तर एवं रक्तचाप की जांच शामिल रही।रक्तदान करने वालों में डॉ. संतोष टुडू, डॉ. प्रत्यूष कमल, नागराज शाह, ब्रजनंदन कुमार, सौरभ कुमार, विजय भगत, पानो हेंब्रम, मोहम्मद गनी, ऋषभ कुमार पांडे, जीवन मिंज, संजय बेसरा सहित अन्य शामिल रहे। खास बात यह रही कि स्थानीय पत्रकारों ने भी रक्तदान कर अपनी भागीदारी निभाई।मौके पर डॉ. जियाउर रहमान, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. दिलीप कुमार, चंदन कुमार, बीपीएम सरोजिनी केरकेट्टा, लैब टेक्नीशियन जुनेद आलम, जावेद अख्तर सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

# डीसी ने किया आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण, दिए निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**पाकुड़**। डीसी मेघा भारद्वाज ने शनिवार को सदर प्रखंड अंतर्गत सोनाजोड़ी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र सह प्री- नर्सरी स्कूल केंद्र रसीकटोला तथा हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत मणिडांगा आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही शिक्षा, पोषण, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उपायुक्त ने बच्चों को प्रतिदिन कराई जा रही गतिविधियों के साथ- साथ पोषण वाटिका, बच्चों को दिए जाने वाले आहार एवं पोषाहार की गुणवत्ता की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने बच्चों के अटेंडेंस रजिस्टर की जांच करते हुए उपस्थिति व्यवस्था की समीक्षा की। उपायुक्त ने केंद्र परिसर की साफ-सफाई, बच्चों के स्वास्थ्य एवं बढ़ती गर्मी को देखते हुए आवश्यक सावधानियों को अपनाने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत मणिडांगा आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि मणिडांगा आंगनबाड़ी केंद्र को मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षण एवं पोषण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। सेविका द्वारा केंद्र में बिजली एवं पेयजल की समस्या से अवगत कराए जाने पर उपायुक्त ने आश्वस्त किया कि जल्द से जल्द बिजली एवं पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं। यहां बच्चों को शिक्षा, पोषण और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

## झामुमो की जिला समिति की बैठक,पंचायत कमेटी का होगा पुनगर्ठन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**पाकुड़**। रविंद्र भवन में झामुमो जिला समिति की बैठक झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम जी के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से महेशपुर विधायक प्रो० स्टीफन मरांडी , लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक मजबूत करने की दिशा में पहल करने को लेकर चर्चा हुई। साथ ही बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और आगामी जनगणना जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए महेशपुर विधायक ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक हालात में संगठन की जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ गई है। उन्होंने बूथ, पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर पार्टी ढांचे को और सशक्त बनाने का निर्देश दिया, ताकि पार्टी हर स्तर पर प्रभावी भूमिका निभा सके। वही बैठक को संबोधित करते हुए लिट्टीपाड़ा विधायक ने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने और सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।बैठक में देश में प्रस्तावित जनगणना के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से भी जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। मौके पर जिला उपाध्यक्ष समद अली, जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, जिला उपाध्यक्ष पीटर मरांडी, जिला सचिव माईकिल मुर्मू, केंद्रीय समिति सदस्य श्याम यादव, केंद्रीय समिति सदस्य विकास मुर्मू, केंद्रीय समिति सदस्य सह युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सूनील टुडू, केंद्रीय समिति सदस्य निशा शबनम हाँसदा सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं उपस्थित थे।

## 11 हजार बिजली का तार अचानक टूटकर गिरा, मची अफरातफरी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**पाकुड़**। शहर के शहरकोल पंचायत में शनिवार दोपहर अफरा-तफरी मच गई, जब 11 हजार वोल्ट का बिजली तार अचानक टूटकर रिहायशी इलाके में गिर पड़ा। तार में करंट प्रवाहित था, लेकिन गनीमत रही कि कोई इसकी चपेट में नहीं आया और एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए विद्युत विभाग को सूचना दी, जिसके बाद बिजली आपूर्ति बंद कराई गई। कुछ घंटों बाद जब विभागीय कर्मी तार जोड़ने पहुंचे तो ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। लोगों ने काम रुकवा दिया और मांग की कि घनी आबादी के बीच से गुजर रही इस खतरनाक लाइन को हटाया जाए, वरना कभी भी जानलेवा हादसा हो सकता है। स्थिति बिगड़ती देख नगर थाना पुलिस को बुलाया गया। पुलिस और विभागीय अधिकारियों के समझाने के बाद ही तार जोड़ने का काम शुरू हो सका। हालांकि मरम्मत के बाद भी ग्रामीणों का विरोध जारी रहा। स्थानीय निवासी राम साहा सहित कई लोगों ने बताया कि घरों के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन के कारण वे अपने मकान का निर्माण तक नहीं कर पा रहे हैं। हर समय तार टूटने और करंट फैलने का डर बना रहता है, जिससे जान-माल का खतरा लगातार बना हुआ है। विद्युत विभाग के कनीय अभियंता आशीष पटेल ने बताया कि यह 11 हजार वोल्ट की लाइन सोनाजोड़ी सदर अस्पताल की बिजली आपूर्ति के लिए है। उन्होंने माना कि लाइन बिछाए जाने के समय यहां इतनी घनी आबादी नहीं थी। अब स्थानीय लोगों की मांग को देखते हुए लाइन को मुख्य सड़क के किनारे से ले जाने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन जल्द ही लाइन को रिहायशी इलाके से हटाया जाएगा। इधर, शहर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली तारों का जाल और बार-बार मेंटेनेंस के नाम पर कटौती को लेकर लोगों में असंतोष बढता जा रहा है।

## समाहरणालय स्थित विभिन्न कार्यालयों का डीसी ने किया निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**पाकुड़**। डीसी मेघा भारद्वाज ने शनिवार को समाहरणालय परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली और आमजन को उपलब्ध करायी जा रही सेवाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्थापना शाखा, सामान्य शाखा, जिला निर्वाचन शाखा, नीलाम पत्र शाखा, भू-अर्जन कार्यालय, राजस्व शाखा, डीपीएमयू यूनिट, आपूर्ति कार्यालय, जिला विधि शाखा एवं नजारत सहित अन्य शाखाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कार्यालयों में संचालित कार्यों, अभिलेखों के

संधारण एवं व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी कार्यालयों को अधिक जनसुलभ, व्यवस्थित और पारदर्शी बनाया जाये, ताकि आम नागरिकों को समयबद्ध और सुगम सेवा मिल सके। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी और कर्मी का दायित्व है कि वे जनता की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष और संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों को कर्तव्यनिष्ठा, जवाबदेही और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने जोर देते हुए कहा कि बेहतर प्रशासन वही है, जहां आम नागरिक को सम्मानपूर्वक और पारदर्शी तरीके से सेवाएं प्राप्त हों। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

## फाइनेंस कंपनी कार्यालय में फायरिंग, बाल -बाल बचे मैनेजर ,एक कर्मचारी घायल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**पाकुड़** । नगर थाना क्षेत्र के ग्वालपाड़ा स्थित निमतल्ला मंदिर के समीप में जे एम डी शेयर्ड सर्विस प्राइवेट लिमिटेड फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों पर देसी कट्टा से गोली चलाए जाने की मामला प्रकाश में आया है । सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी अनिल गुप्ता दल बक के साथ मौके पर पहुंची और मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। बताया जाता है की गोलीबारी में फाइनेंस कंपनी के एक कर्मचारी मिथुन कुमार रजक के बाजू में बारूद के छींटे छूकर निकल गई है। मामले में किसी की हताहत होने की समाचार नहीं है। घायल को तुरंत स्वास्थ्य केंद्र मैं इलाज कराया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कंपनी के कार्यालय में सुबह से देर रात तक गप शप शोर- सराबा होते रहता है। कई बार इसकी हिदायत दी गई थी। किंतु कंपनी के लोग इसे इग्नोर करते रहते थे। शनिवार को पड़ोस में रहने वाले शिबू राउत जो अत्यंत ही गरीब परिवार का रहने वाला है ने फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी मिथुन कुमार रजक से इस मुद्दे पर बात की किसी बात को लेकर कर्मी ने कह दिया कि हां क्या कर लोगे। इसपर शिबू रावत को गुस्सा आ गया और देसी कट्टा तान दिया। उसने हवा में गोली चलाई, मिथुन को गोली तो नहीं किंतु उसके छींटे जरूर लगी हल्की चोट आई।फाइनेंस कंपनी के प्रबंधक निर्मल मंडल ने बताया कि उन्हें घटना के स्पष्ट कारण की जानकारी नहीं है, लेकिन अचानक विवाद बढ़ने के बाद गोली चलने की बात सामने आई। संपूर्ण घटना क्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है।पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी । थाना प्रभारी ने बताया कि हवा में फायरिंग की बात सामने आई है।हालांकि अभी तक थाने में लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है ।

## सरकारी तालाब को भरकर प्लॉटिंग का मामला उजागर को लेकर सीओ ने किया निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**हिरणपुर (पाकुड़)**। हिरणपुर प्रखंड के चौकीढाब गांव में सरकारी तालाब को अवैध रूप से भरकर उस पर प्लॉटिंग करने का गंभीर मामला सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 1995 96 में जवाहर रोजगार योजना के तहत करीब 100X100 फीट क्षेत्र में बने इस तालाब को पूरी तरह मिट्टी से भर दिया गया और उसकी जमीन पर कथित रूप से खरीद बिक्री भी की गयी। यह मामला केवल अतिक्रमण तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज एक जलस्रोत को समाप्त करने जैसा गंभीर उल्लंघन माना जा रहा है। नियमों के अनुसार तालाब और पोखर जैसी जलस्रोत भूमि का उपयोग निजी या व्यावसायिक कार्यों के लिए नहीं किया जा सकता, लेकिन यहां इन नियमों की खुलेआम अनदेखी की गयी।जांच में तालाब पूरी तरह गायब सूचना मिलने पर हिरणपुर के अंचलाधिकारी, अंचल निरीक्षक (सीआई) और आमीन की टीम मौके पर पहुंची। जांच में पाया गया कि तालाब को पूरी तरह भर दिया गया है और उसका अस्तित्व लगभग समाप्त हो चुका है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने संबंधित लोगों को नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे के भीतर तालाब को उसके मूल स्वरूप में बहाल करने का निर्देश दिया है। साथ ही चेतावनी दी गयी है कि आदेश का पालन न करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### ससुराल प्रथा द्वारा विवाहिता कोदहेज प्रताड़ित मामले में हत्या को लेकर ससुराल पक्ष के तीन लोगों पर मामला दर्ज

**महेशपुर (पाकुड़)**। थाना क्षेत्र के भिलाई गांव में बीते 22 अप्रैल को एक विवाहित महिला को ससुराल वालों के द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित करते हुए हत्या कर दिए जाने के मामले को लेकर, शुक्रवार देर शाम थाने में मृतक के पिता घाटचोरा निवासी सह वादी सोनेल हेम्ब्रम ने ससुराल वालों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करवाया है। वादी के आवेदन पर नामजद आरोपित संतोष सोरेन, बनेश्वर सोरेन एवं संझली मरांडी के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित कर उसकी बेटी का हत्या कर देने के आरोप में मामला दर्ज करवाया है। वादी ने आवेदन में उल्लेख किया है कि बीते चार माह पूर्व उसकी बेटी का प्रेम विवाह संतोष सोरेन के साथ हुई थी। विवाह के बाद से संतोष एवं उसकी मां तथा उसके पिता ने दहेज के लिए उसकी बेटी को प्रताड़ित करने लगा। साथ ही दहेज के रूप में एक मोटरसाइकिल एवं ढाई लाख रुपए की मांग की जा रही थी। रुपया नहीं देने पर लगातार उसकी बेटी को प्रताड़ित करते हुए मारपीट की जा रही थी। कुछ दिन पूर्व उसकी बेटी अपने मायके आई थी तो उसकी बेटी ने अपने मायके वाले को ससुराल वालों के द्वारा प्रताड़ित किए जाने का जानकारी दे दिया, साथ ही उसे डर था कि वह लोग उसे जान से भी मार देंगे। बीते 22 अप्रैल की शाम शाम चार बजे उसकी बेटी के ससुराल वालों के द्वारा खबर दी गई की उसकी बेटी मर गई है। जब मायके वाले ससुराल पहुंचा तथा बेटी की मौत का कारण पूछा तो किसी ने भी कुछ बताने से इनकार कर दिया। मायके वालों के द्वारा बेटी के गले में गंभीर जख्म का निशान भी पाया गया। इसके बाद तीनों नामजद आरोपितों के खिलाफ थाना में मामला दर्ज किया गया। मामला दर्ज होते ही थाना प्रभारी रवि शर्मा ने पुलिस बल के साथ नामजद आरोपित संजय सोरेन को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को रामजद आरोपित को स्वास्थ्य परीक्षण करा कर पाकुड़ जेल भेज दिया गया।

### जमीन विवाद में मारपीट को लेकर तीन पर मामला दर्ज

**महेशपुर (पाकुड़)**। थाना क्षेत्र के मुर्गाडांगा गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हो रही पंचायती के दौरान एक पक्ष के द्वारा मारपीट कर जख्मी कर देने का मामला प्रकाश में आया है। घटना को लेकर प्रथम पक्ष के वादी मोतीलाल हांसदा ने शुक्रवार शाम को थाना में आवेदन देकर गांव के ही धीरेन मुर्मू, डिप्टी मुर्मू एवं ठकरान मरांडी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। वादी ने आवेदन में उल्लेख किया है कि बीते दो अप्रैल को गांव में ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में जमीन विवाद को लेकर दूसरे पक्ष ठाकरान मरांडी मुर्गाडांगा गांव निवासी के बीच पंचायती चल रहा था। इसी दौरान नामजद आरोपितों के द्वारा मारपीट करने लगा तथा उसे जमीन में पटक कर दिनेश मुर्मू ने उसका गुप्तांग को डांट से कटकर बुरी तरह जख्मी कर दिया। वादी के द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर नामजद आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तरह मामला दर्ज की गई है। आवेदन में उल्लेख किया है कि इलाज कराने के कारण थाना में आवेदन देने में विलंब हुआ है।

### स्कूटी बाइक चोरी मामले में मामला दर्ज

**महेशपुर (पाकुड़)**। थाना क्षेत्र के किरता हटिया से बीते 16 अप्रैल को चोरों के द्वारा स्कूटी (बाइक) चोरी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। इस घटना को लेकर बाइक मलिक सह वादी साहिबगंज जिले के खैरबानी गांव निवासी राजू मुर्मू ने शुक्रवार शाम को थाना में आवेदन देकर अज्ञात चोर के खिलाफ बाइक चोरी कर लेने के आरोप में मामला दर्ज करवाया है। वादी नौ आवेदन में उल्लेख किया है कि उसकी शादी महेशपुर थाना क्षेत्र के तारापुर गांव में हुआ है। घटना के दिन वह अपना स्कूटी संख्या जेएच18आर-8889 से साप्ताहिक हटिया किरता आया था। हटिया परिसर में बाइक का हैंडल लॉक कर कर हटिया करने गया था, लगभग 30 मिनट बाद देखा कि उसकी स्कूटी नहीं है। वादी ने आवेदन में उल्लेख किया है की स्कूटी का खोजबीन करने के कारण थाना में आवेदन देने में विलंब हुआ है।

### नाबालिग लड़की शादी की नीयत से अपहरण मामले में आरोपी गिरफ्तार

**पाकुड़**। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र से अगवा की गई एक नाबालिग लड़की को पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर लिया है। इस मामले में अपहरणकर्ता युवक तनवीर शेख को भी गिरफ्तार किया गया है।यह घटना तीन दिन पहले की है, जब युवक ने लड़की का शादी की नीयत से अपहरण कर लिया था। नाबालिग को साहिबगंज जिले के कोटल पोखर स्थित एक किराए के कमरे में रखा गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। थाना प्रभारी गौरव कुमार ने तकनीकी पहलुओं की जांच की और गुप्तचरों की मदद से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी कर नाबालिग को सुरक्षित ढूंढ निकाला।अपहरण के संबंध में थाना में कांड संख्या 45/26 दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपी तनवीर शेख, जो नगर थाना क्षेत्र के कलिकापुर का रहने वाला है, से घंटों पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी गौरव कुमार ने शनिवार को बताया कि पीड़िता को बरामद कर पाकुड़ की चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए भेजा गया है। कमेटी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

### चेक बाउंस मामले में विशेष लोक अदालत का आयोजन

**पाकुड़** । झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रभारी सचिव विशाल मांझी के नेतृत्व में मासिक लोक अदालत के साथ एनआई एक्ट (चेक बाउंस) से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन पाकुड़ व्यवहार न्यायालय में किया गया। उक्त मासिक लोक अदालत में कुल आठ बैंचो का गठन किया जिसमें एक सौ आठ वादों का निष्पादन किया गया एवं 11 लाख 50 हजार 7 सौ, रुपए का समझौता कराया गया । एनआई एक्ट (चेक बाउंस)से संबंधित 8 वाद का निष्पादन किया गया एवं 8 लाख 95 हजार का समझौता कराया गया। मौके पर न्यायिक पदाधिकारी समेत इंश्योरेंस कंपनियों के अधिवक्तागण, पदाधिकारीगण , विभिन्न बैंकों के अधिकारियों, वादी प्रतिवादी के अधिवक्तागण समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

### विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**पाकुड़ः** संत डॉन बॉस्को विद्यालय, पाकुड़ में विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम उत्साह और सहभागिता के साथ आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे पूरा कार्यक्रम प्रभावशाली और ज्ञानवर्धक बन गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने मलेरिया से बचाव और इसके प्रभावों को लेकर भाषण, नाटक तथा पोस्टर निर्माण जैसी गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज को मलेरिया के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया और स्वच्छता के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य शिव शंकर दुबे ने मलेरिया से बचाव के कई आवश्यक उपाय बताए। उन्होंने कहा कि आसपास साफ-सफाई बनाए रखना, कहीं भी पानी जमा नहीं होने देना और मच्छरों से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां अपनाना बेहद जरूरी है। यह कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक साबित हुआ, बल्कि समाज को भी मलेरिया जैसी बीमारी से बचाव के लिए प्रेरित करने में सफल रहा।

## एसआईआर और जनगणना पर झामुमो की बैठक, बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**पाकुड़ः** जिले के रविंद्र भवन में झामुमो जिला समिति की महत्वपूर्ण बैठक जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में महेशपुर विधायक प्रो० स्टीफन मरांडी और लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू मुख्य रूप से शामिल हुए। बैठक के दौरान संगठन को बूथ स्तर से जिला स्तर तक मजबूत करने, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और आगामी जनगणना जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए महेशपुर विधायक प्रो० स्टीफन मरांडी ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में संगठन की जिम्मेदारी काफी बढ़ गई है। उन्होंने बूथ, पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर पार्टी ढांचे को सशक्त बनाने का निर्देश दिया। साथ ही बीएलए-2 और बूथ समिति को और सक्रिय बनाने पर बल देते हुए कहा कि एसआईआर में इनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि किसी भी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से न कटे। वहीं लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच सक्रिय रहने और योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़ा अहम मुद्दा है। झारखंड के आदिवासी, मूलवासी, पिछड़े और वंचित समाज की सही गणना सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि उनके अधिकार सुरक्षित रह सकें। बैठक में एसआईआर को लेकर भी मंथन हुआ। इस दौरान आरोप लगाया गया कि इस प्रक्रिया की आड़ में राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश हो सकती है। कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि किसी भी परिस्थिति में लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों से समझौता नहीं होने दिया जाएगा। जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम ने कहा कि सभी प्रखंड समिति पदाधिकारी जल्द से जल्द प्रखंड स्तरीय बैठक आयोजित कर बूथ समिति का गठन करें और प्रत्येक बूथ के लिए बीएलए-2 की नियुक्ति कर उसकी सूची जिला समिति को सौंपें। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने की घटनाओं को देखते हुए कार्यकर्ताओं को सतर्क रहना होगा और हर स्तर पर निगरानी रखनी होगी।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में प्रखंड स्तर पर विशेष अभियान चलाकर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वे मतदाता सूची, जनगणना और अन्य संवेदनशील मुद्दों पर लोगों को जागरूक कर सकें।

मौके पर जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली, हरिवंश चौबे, पीटर मरांडी, जिला सचिव माईकिल मुर्मू, केंद्रीय समिति सदस्य श्याम यादव, विकास मुर्मू, सूनील टुडू, निशा शबनम हाँसदा, पिंकू शेख, मिथिलेश घोष, युवा मोर्चा जिला सचिव अमित भगत, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष जोसेफिना हेम्ब्रम, महिला मोर्चा जिला सचिव सुशीला देवी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष कदम रसूल, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दानियल किस्कू, बुद्धिजीवी मोर्चा जिला सचिव सिद्दार्थ शंकर, नगर अध्यक्ष मुकेश सिंह, नगर सचिव नूर आलम सहित जिले के सभी प्रखंडों से सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

## सीसीएल के वित्त निदेशक ने मगध परियोजना का किया दौरा

**चतरा।** सीसीएल के वित्त निदेशक पवन कुमार मिश्रा एक दिवसीय दौरे पर मगध परियोजना पहुंचे। औपचारिक प्रक्रिया के बाद जीएम चितरंजन कुमार व अन्य परियोजना अधिकारियों के साथ उन्होंने व्यू-पॉइंट से खदान का अवलोकन किया। इस दौरान परिचालन, कोयला उत्पादन, प्रेषण, सुरक्षा और नियोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत समीक्षा के साथ परियोजना विस्तारीकरण से जुड़े पहलुओं पर भी उन्होंने जीएम से जानकारी ली। रेलवे साइडिंग का दौरा कर अधिकारियों और हितधारकों से बातचीत में वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये प्रेरित किया।इस मौके पर जीएम (ऑपरेशन) फूल झा, खान प्रबंधक राकेश कुमार, क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक एन. स्वामी समेत अन्य मौजूद रहे।

### नगर परिषद अध्यक्ष अताउर रहमान की बढ़ी मुश्किलें
### दो से अधिक बच्चों के मामले में कोर्ट ने लिया संज्ञान,स्पीडी ट्रायल की मांग से सियासी हलचल तेज

**चतरा।** स्थानीय नगर परिषद की राजनीति में उस वक्त बड़ा भूचाल आ गया, जब सिविल कोर्ट ने नगर अध्यक्ष अताउर रहमान के खिलाफ दायर एक वाद को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। यह मामला राजेश कुमार बनाम अताउर रहमान का है, जिसमें निर्वाचित अध्यक्ष पर दो से अधिक बच्चे होने का आरोप लगाया गया है।

**अदालत में क्या हुआ-** शुक्रवार को चतरा न्यायालय परिसर में दिनभर गहमागहमी बनी रही। वादी राजेश कुमार की ओर से हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद सिंह ने मजबूती से पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि कानून के प्रावधानों के उल्लंघन के आधार पर यह चुनाव विवाद का विषय है।बहस सुनने के बाद सब जज ने मामले को संज्ञान में लिया और वाद को आगे की कार्यवाही के लिए आधिकारिक तौर पर स्वीकार कर लिया। वादी पक्ष ने अदालत से इस मामले का त्वरित निष्पादन करने की अपील की है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में देरी न हो। सियासी गलियारों में चर्चा तेज ,जैसे ही कोर्ट द्वारा वाद स्वीकार किए जाने की खबर फैली, शहर के राजनीतिक हलकों में सरगर्मी बढ़ गई। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो यह पद की योग्यता पर बड़ा संकट खड़ा कर सकता है। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता कन्हैया कुमार, सतीश पांडेय,राजन,संदीप और अमर कुमार सहित कई अन्य विधि विशेषज्ञ वादी पक्ष के सहयोग में मौजूद रहे। नव निर्वाचित नगर अध्यक्ष के खिलाफ दायर वाद को न्यायालय ने किया स्वीकृत, अब आगे होगी सुनवाई नगर अध्यक्ष अताउर्रहमान के दो से अधिक बच्चे के मामले में राजेश कुमार साह ने न्यायालय में दायर किया है वाद झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 18 के तहत 9 फरवरी 2013 के बाद तीसरी संतान वाले नहीं लड़ सकते हैं चुनाव! दायर वाद के अनुसारः अताउर्रहमान ने चुनाव में गलत शपथ पत्र देते हुए दो संतान होने की दी है जानकारी! जबकि नर्गिस नाज,मो० आसीर व मो० जनाती नाज नाम से उनके तीन संतान हैं! नगर अध्यक्ष का पक्षः इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अध्यक्ष अताउर रहमान ने संयमित रुख अपनाया। उन्होंने कहा हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। न्यायालय का जो भी निर्णय होगा वह सर्वोपरि है। अगली कार्रवाई पर टिकी नजरें निगाहें अगली सुनवाई पर टिकी हैं। क्या यह मामला अध्यक्ष की कुर्सी के लिए खतरा बनेगा या उन्हें क्लीन चिट मिलेगी? यह आने वाला वक्त और कोर्ट की कार्यवाही तय करेगी।

### भ्रष्टाचार के खिलाफ आज होगा महाखुलासा, शकील अख्तर डॉक्युमेंट्री प्रूफ के साथ देंगे जानकारी

**लोहरदगाः** भ्रष्टाचार और सरकारी राशि के गबन के विरुद्ध हमर अधिकार मंच एवं भारतीय सूचना अधिकार रक्षा मंच ने निर्णायक लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। इस सिलसिले में आज 26 अप्रैल रविवार को दोपहर 2:00 बजे पावरगंज स्थित होटल केतकी पैलेस में एक महत्वपूर्ण संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी, जिसमें भ्रष्टाचार के पुख्ता प्रमाण सार्वजनिक किए जाएंगे। प्रेस वार्ता की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को होटल केतकी पैलेस में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए हमर अधिकार मंच के केंद्रीय सचिव शकील अख्तर ने कहा कि जिले के संबंधित विभाग में सरकारी राशि का भारी दुरुपयोग और गबन किया गया है। उन्होंने बताया कि इस भ्रष्टाचार के संबंध में उनके पास संबंधित विभाग के पदाधिकारियों द्वारा ही अभिप्रमाणित किए गए दस्तावेजी साक्ष्य मौजूद हैं। शकील अख्तर ने जिला प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि जिले के एक वरीय पदाधिकारी को तमाम प्रमाणित कागजात सौंपने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी तंत्र में बैठे कुछ लोग दोषियों को बचाने और राजस्व की वसूली करने में उदासीनता बरत रहे हैं। आज होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इन सभी कागजातों को मीडिया के सामने रखा जाएगा ताकि लोहरदगा की आम जनता को सच्चाई का पता चल सके। मंच के सदस्यों ने चेतावनी दी है कि यदि इन साक्ष्यों के आधार पर प्रशासन संज्ञान नहीं लेता है और दोषियों से जुर्माना सहित राशि वसूल नहीं की जाती है।

# देवघर में लूटपाट और गोलीकांड का खुलासा पुलिस ने चार आरोपितों को दबोचा, एक की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**देवघर।** 23 अप्रैल की रात मोहनपुर थाना क्षेत्र के जयपुर मोड़ के पास एक बड़े आपराधिक वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। मालवाहक मैजिक वाहन के चालक को अपराधियों ने रोककर मारपीट की, लूटपाट की और इसी दौरान हुई फायरिंग में एक अपराधी की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक वादी चालक बड़गांव चौक नामकुम, रांची से कोल्ड ड्रिंक कंपनी के लिए फ्रीज लोड कर साहेबगंज जा रहा था। वाहन में कुल आठ फ्रीज लदे हुए थे। रात लगभग 11 बजकर 15 मिनट पर जैसे ही वाहन देवघर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र के शशि भूषण ग्राम के पास पहुंचा, तभी एक सफेद रंग की फॉर्च्यूनर कार में सवार चार अपराधी और एक मोटरसाइकिल पर दो अन्य अपराधियों ने वाहन को ओवरटेक कर रोक लिया। इसके बाद अपराधियों ने चालक पर पिस्टल के बट से हमला कर उसे घायल कर दिया और दो हजार रुपये नकद तथा सैमसंग गैलेक्सी मोबाइल फोन लूट लिया। इसी दौरान अपराधी चालक को वाहन में बैठाने का प्रयास कर रहे थे, तभी एक अपराधी के हाथ में रखे पिस्टल से अचानक गोली चल गई, जो उसके ही साथी को लग गई।

♦ रात में फ्रीज लदे वाहन को रोककर अपराधियों ने चालक से की मारपीट, फायरिंग में साथी अपराधी की गई जान

गंभीर रूप से घायल अपराधी को अन्य साथी देवघर सदर अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। इसके बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। त्वरित छापेमारी में पुलिस ने फॉर्च्यूनर वाहन के साथ चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

**देवघर एसपी प्रवीण पुष्कर ने दी जानकारीः** इस पूरे मामले की जानकारी आज देवघर एसपी प्रवीण पुष्कर ने दी। उन्होंने बताया कि तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है तथा शेष फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जप्त सामान पुलिस ने मौके से एक देशी पिस्टल, एक मैगजीन, तीन जिंदा कारतूस, एक फायर किया हुआ खोखा, घटना में प्रयुक्त सफेद फॉर्च्यूनर वाहन, बिना नंबर की आर15 मोटरसाइकिल तथा फॉर्च्यूनर का टूटा हुआ नंबर प्लेट बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपित आकाश रमानी उम्र 22 वर्ष, शंशाक शेखर उर्फ गोलू उम्र 22 वर्ष, शिवम कुमार उम्र 24 वर्ष और राहुल कुमार उम्र 25 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है। मृत अपराधी इस घटना में राजन लाल उम्र करीब 25 वर्ष की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि पूरे मामले में भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है तथा फरार अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

## अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन में गूंजा मलेरिया मुक्त भारत का नारा, एनएसएस ने चलाया सफाई अभियान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**कुड़ू/लोहरदगाः** विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर लोहरदगा जिले के कुड़ू प्रखंड अंतर्गत टिको स्थित अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी कुंदन गिद्ध के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और आम जनमानस को मच्छरजनित बीमारियों के प्रति सचेत करना था। जागरूकता अभियान की शुरुआत कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाकर की गई। एनएसएस स्वयंसेवकों ने जलजमाव वाले स्थानों को चिह्नित किया और वहां ब्लीचिंग पाउडर व चूने का छिड़काव किया। इस दौरान ग्रामीणों को यह समझाया गया कि मच्छरों को पनपने से रोकना ही मलेरिया से बचने का पहला कदम है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी ने कहा कि मलेरिया जैसी बीमारियों से निपटने के लिए नियमित साफ-सफाई और व्यक्तिगत सावधानी अनिवार्य है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपने आसपास पानी का ठहराव न होने दें और एक स्वच्छ वातावरण निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

वहीं, कॉलेज के सचिव इंद्रजीत कुमार भारती ने मच्छरदानी के उपयोग पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा मलेरिया को सही समय पर जागरूकता और उचित उपचार के माध्यम से पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है। घर के आसपास जलजमाव रोकना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अभियान को सफल बनाने में कॉलेज के शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मौके पर सहायक शिक्षक जंगबहादुर, पंकज, आफताब, पवन, ममता, चिनिबास, तबस्सुम, डॉ. शशि, डॉ. सुनीता, अमृत कुमार और आरती सहित कॉलेज के अन्य कर्मचारी व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

### कसियाडीह जंगल में भीषण आग, ग्रामीणों की तत्परता से टला बड़ा हादसा

## युवा नेता आकिब अंसारी के नेतृत्व में युवाओं ने 3 घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**किस्को/लोहरदगाः** जिले के किस्को प्रखंड अंतर्गत कसियाडीह गांव के जंगल में भीषण आग लग गई। तेज गर्मी और जंगल में फैली सूखी पत्तियों के कारण आग तेजी से फैलने लगी, जिससे आसपास के क्षेत्रों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इस राहत कार्य की अगुवाई यूथ कांग्रेस नेता सह किस्को प्रखंड अध्यक्ष आकिब अंसारी ने की। वहीं वन विभाग को सूचना देने के बाद गांव के सचिव सादिक अंसारी के सहयोग से बोरवेल मशीन मंगाई गई। ग्रामीणों और युवाओं ने सामूहिक प्रयास करते हुए पानी और मिट्टी के सहारे करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग को खेतों तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया गया, जिससे एक बड़ा नुकसान टल गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है, हालांकि वन क्षेत्र को आंशिक क्षति पहुंची है। आकिब अंसारी ने बताया कि गांव के युवाओं की एकजुटता और त्वरित कार्रवाई के कारण स्थिति पर जल्द नियंत्रण पाया जा सका।मौके पर सादिक अंसारी, अताउल अंसारी, दानिश अंसारी, रिजवान अंसारी, मिस्टर अंसारी, इमरान अंसारी, सैफ अहमद, जुल्फेकार अंसारी, कयूम अंसारी समेत कई युवा मौजूद रहे। प्रशासन ने लोगों से जंगलों में आग नहीं लगाने और सतर्क रहने की अपील की है।

## दो वर्षों में ही खंडहर बनी पीसीसी सड़क,कभी भी हो सकती है बड़ी घटना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**चतरा ।** लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के कटिया पंचायत अंतर्गत ठाकुरडीह से एनएच 99 को जोड़ने वाली पीसीसी सड़क निर्माण के महज दो वर्षों बाद ही जर्जर होकर खंडहर में तब्दील हो गई है।सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि राहगीरों और वाहन चालकों के लिए यह कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया और जहां गार्डवाल की आवश्यकता थी,वहां केवल खानापूर्ति कर सड़क बना दी गई। नतीजा यह हुआ कि थोड़े ही समय में सड़क जगह-जगह टूटकर उखड़ गई।ग्रामीणों ने यह भी बताया कि निर्माण कार्य से संबंधित सूचना बोर्ड,जिसमें संवेदक का नाम,लागत राशि और निर्माण वर्ष अंकित होना चाहिए था,वह भी गायब है।इससे निर्माण कार्य की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क की उच्चस्तरीय जांच कराने,दोषियों पर कार्रवाई करने तथा जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के मौसम में स्थिति और भयावह हो सकती है क्योंकि सड़क के नीचे से मिट्टी धंसकर और बहकर गायब हो चुका है।

## भीषण गर्मी के बीच चतरा पर मंडरा रहा बिजली संकट का खतरा, उपभोक्ता रहें सतर्क..!

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**चतरा।** प्रचंड गर्मी और बढ़ती ऊर्जा खपत के बीच जिले में बिजली संकट गहराता जा रहा है। हालात ऐसे बनते दिख रहे हैं कि यदि समय रहते उपभोक्ता नहीं संभले, तो आने वाले दिनों में बड़े स्तर पर विद्युत संकट और ब्लैकआउट जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। चतरा ग्रिड के फेल होने और सीमित आपूर्ति के कारण पहले से ही बिजली विभाग चुनौतियों से जूझ रहा है, इसके कर्मी और अधिकारी दबाव में है। दरअसल जिले में इन दिनों भीषण गर्मी के चलते लोगों का घरों में रहना मजबूरी सा बन गया है। ऐसे में एयर कंडीशनर, कूलर और इंडक्शन जैसे भारी-भरकम उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। दूसरी ओर, गैस की किल्लत और कालाबाजारी की समस्या ने इंडक्शन चूल्हों की मांग को अप्रत्याशित रूप से बढ़ा दिया है। स्थिति यह है कि लगभग हर घर में भोजन बनाने के लिए आज गैस के बजाय इंडक्शन का उपयोग हो रहा है, जिससे बिजली की खपत में अचानक भारी उछाल आया है। जानकारी के अनुसार, चतरा जिले को प्रतिदिन लगभग 90 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होती है, जबकि वर्तमान में केवल 40 से 50 मेगावाट की ही आपूर्ति हो पा रही है। इस भारी अंतर के कारण बिजली कटौती का समय भी बढ़ गया है। पहले जहां 2 से 3 घंटे की कटौती होती थी, वहीं अब यह बढ़कर 6 से 7 घंटे तक पहुंच गई है। ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति तो और भी भयावह है। इस संबंध में विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल के सहायक अभियंता सत्यदेव कुमार ने बताया कि सीमित आपूर्ति के बावजूद रोटेशन सिस्टम के तहत सभी प्रखंडों के 16 सबस्टेशन के माध्यम से बिजली देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक बिजली की खपत सबसे अधिक होती है, जिससे ट्रांसफार्मर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। सहायक अभियंता ने उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा है कि इस समय एयर कंडीशनर को 24 से 26 डिग्री पर चलाएं और भारी उपकरणों का उपयोग एक साथ न करें।

उन्होंने कहा कि यदि उपभोक्ता थोड़ी सतर्कता बरतें और लोड प्रबंधन करें, तो बड़े संकट से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक लोड के कारण ट्रांसफार्मर जलने, केबल खराब होने और लो वोल्टेज व फ्लक्चुएशन जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो ब्लैकआउट जैसी गंभीर परिस्थिति का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में जिले के हर उपभोक्ता की जिम्मेदारी बनती है कि वह जरूरत के अनुसार ही बिजली का उपयोग करे और ऊर्जा संरक्षण को प्राथमिकता दे। एसडीओ ने कहा कि आज अत्यधिक लोड के कारण ग्रिड फेल होने की स्थिति उत्पन्न हुई थी, जिसे विभागीय टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए करीब एक घंटे के भीतर रिस्टोर कर लिया और जिले में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सीमित संसाधनों और बढ़ती खपत के बीच आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित रखना बड़ी चुनौती बन गई है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इसके बावजूद उपभोक्ता विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करते और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय नहीं देते, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी भयावह हो सकती है। अत्यधिक लोड के कारण न सिर्फ ट्रांसफार्मर और केबल प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि ग्रिड पर भी लगातार दबाव बढ़ रहा है।

## झामुमो लोहरदगा की हुंकारः बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज, मोजम्मिल अहमद ने सौंपी जिम्मेदारी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**लोहरदगाः** झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति, लोहरदगा की एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक जिला अध्यक्ष मोजम्मिल अहमद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में आगामी चुनौतियों को देखते हुए संगठन की मजबूती, विस्तार और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता को लेकर कई निर्णायक कदम उठाए गए। बैठक में संगठन की कार्यप्रणाली को धार देने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया गया। जिला अध्यक्ष मोजम्मिल अहमद ने घोषणा की कि पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और सांगठनिक गतिविधियों की निगरानी के लिए जल्द ही विशेष प्रभारियों की नियुक्ति की जाएगी। ये प्रभारी अलग-अलग क्षेत्रों में पार्टी की कमान संभालेंगे और संगठन की जमीनी पकड़ को सुनिश्चित करेंगे। संगठन के ढांचे पर जोर देते हुए जिला अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि जीत का मुख्य मंत्र मजबूत बूथ है। उन्होंने सभी प्रखंड कमेटियों को सख्त निर्देश दिया कि वे बिना किसी देरी के बूथ कमिटियों का गठन पूरा करें। उन्होंने कहा चुनाव की सफलता का रास्ता बूथ से होकर गुजरता है। हर बूथ पर समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम का होना अनिवार्य है, तभी हम जनता के विश्वास को जीत पाएंगे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोजम्मिल अहमद ने हेमंत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को मुख्य हथियार बताया। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले योजना, सर्वजन पेंशन और अबुआ आवास जैसी कई अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं ने गरीबों को संबल दिया है। कार्यकर्ताओं का यह नैतिक कर्तव्य है कि वे इन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाएं और सरकार के विकास कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। विपक्ष पर निशाना साधते हुए अहमद ने कहा कि तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के विकास की गति को थमने नहीं दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार का मजबूती से मुकाबला करें और जनता को सरकार की वास्तविक उपलब्धियों से अवगत कराएं। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रमुख रूप से महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष राधा तिर्की, केंद्रीय समिति सदस्य नीरू शांति भगत, युवंती देवी, जिला सचिव सरस्वती कच्छप, सहसचिव फातिमा परवीन, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष सातिम टोप्पो, प्रखंड अध्यक्षगण परवेज अंसारी, राज किशोर राम, शंकर उरांव, विनेश कुमार गुप्ता, कृष्णा उरांव, सजाद अंसारी, नगर अध्यक्ष आकाश साहू, जफर इकबाल, नीलू भगत, शीला देवी, शाकिर अंसारी, हसनैन खलीफा, इसरार अहमद और अख्तर अंसारी सहित पार्टी के कई दिग्गज नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

♦ जनता तक पहुँचाएं सरकार की उपलब्धियां : मोजम्मिल अहमद

## जन्मदिन पार्टी से लापता किशोर का शव कुएं में मिला, इलाके में सनसनी

### चार दिन से था लापता, पुलिस जांच में जुटी; पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

**लोहरदगाः** जिले में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां जन्मदिन पार्टी में शामिल होने गया एक किशोर चार दिन बाद मृत अवस्था में कुएं से बरामद हुआ। मृतक की पहचान सेन्हा थाना क्षेत्र के घाटा गगया निवासी 14 वर्षीय सूरज लोहरा पिता हिंदू लोहरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सूरज हाल के दिनों में लोहरदगा शहर के राजा बंगला इलाके में रहकर पढ़ाई कर रहा था। परिजनों के अनुसार 21 अप्रैल को वह सोबरन टोली में अपने दोस्त के यहां जन्मदिन पार्टी में गया था, जिसके बाद से ही वह लापता हो गया। काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल पाया। आज शनिवार सुबह को परिजनों को फोन पर सूचना मिली कि एक किशोर का शव कुएं में मिला है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान सूरज लोहरा के रूप में की। घटना की सूचना मिलते ही लोहरदगा सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस टीम में चंद्रदीप मेहता, अमरनाथ पांडे, संजू कुमार सहित अन्य जवान शामिल थे। वहीं झारखंड राज्य दफादार-चौकीदार पंचायत, लोहरदगा के जिला अध्यक्ष शमसूल अंसारी भी मौके पर मौजूद रहे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया कर शव प्रयोजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद इलाके में शोक और भय का माहौल बना हुआ है।

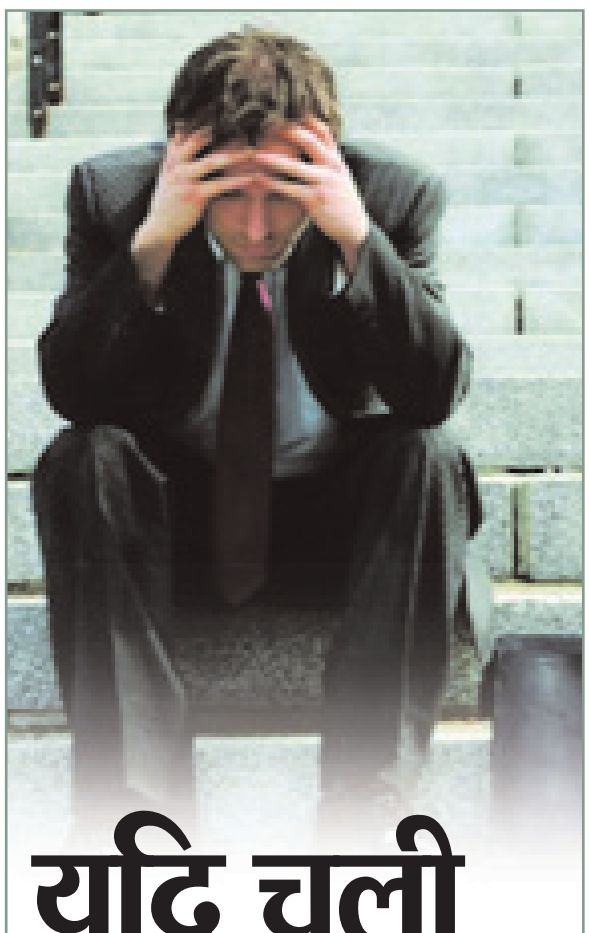

# यदि चली गई है आपकी नौकरी...

**अपने करियर में एक प्रोफेशनल के लिए सबसे कठिन समय रहता है जब उसकी नौकरी चली जाए, विशेष रूप से तब जब उसे इस बात की आशा नहीं थी। लेकिन किसी भी कारणवश अगर ऐसा होता है तो आपको कुछ चीजें आवश्यक रूप से करना चाहिए**

- आपको सबसे पहले अपने इमोशंस पर ध्यान देना होगा। पहले इस बात को समझें कि किस तरह की भावनाएं आपके जेहन में आ रही है। इसके बाद आप यह पता करें कि इन भावनाओं के साथ क्या किया जाना चाहिए और इसे प्रोडक्टिव तरीके से रिस्पॉन्ड करें। अगर आपने अपनी भावनाओं को समझते हुए इसे नियंत्रित नहीं किया तो यह आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है।
- आठ घंटे की नींद लें, जल्दी उठें, एक्सरसाइज करें, शॉवर लें, अच्छे से तैयार हो जाएं, घर से बाहर निकले आपको ऐसे कठिन समय में भी चीजों को सामान्य रखना जरूरी है। खुद को व्यस्त और सक्रिय रखें। आप घर में बैठकर केवल रोते नहीं रह सकते।
- अपने गुस्से को शांत करें। हो सकता है आपको अपनी पुरानी नौकरी में साथ काम करने वालों को लेकर आक्रोश हो। उन्होंने आपके साथ गलत किया हो। लेकिन याद रखें कि वे भी केवल सरवाइव करने की कोशिश कर रहे है। अपने पुराने बॉस और सहकर्मियों की अच्छी क्वॉलिटीज की सूची बनाइए। इससे आपको पुरानी बातों से निकलने में आसानी होगी।
- जिन लोगों से आप सालों से नहीं मिले हो, उनसे मिलने की योजना बनाइए। इससे आपका नेटवर्क भी बनेगा और उन्हें पता रहेगा कि आप नए जॉब की तलाश कर रहे हैं।
- जब भी नौकरी हाथ से जाती है तो कहीं न कहीं आपके आत्मविश्वास का डगमगाना नैचुरल है। लेकिन यह बात जरा न भूलें कि जब आप काम कर रहे थे तो आपने अच्छा काम किया और कंपनी की ग्रोथ में योगदान दिया। अपनी मुख्य उपलब्धियों की सूची बनाइए जो कि आगे आपको मार्केट कर सके।
- आप निकाले गए हैं या आपने एकदम नौकरी छोड़ने का फैसला किया है तो आपके लिए यह आर्थिक रूप से भी बड़ी परेशानी खड़ी करता है। एक दिन निकाले और अपना नया बजट तैयार करे। आपको अभी नहीं पता होगा कि कब आपकी दूसरी नौकरी लगेगी और कब स्थायी आय शुरु होगी। आपको अपने खर्चे को लेकर सजग रहना होगा।

# ग्लास डिजाइनिंग रचनात्मक युवाओं के लिए बेहतरीन करियर

**परम्परागत करियर ऑप्शन से अलग ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहाँ युवा अपनी सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता और डिजाइनिंग स्किल्स के जरिए न सिर्फ एक अच्छा करियर बना सकते हैं**

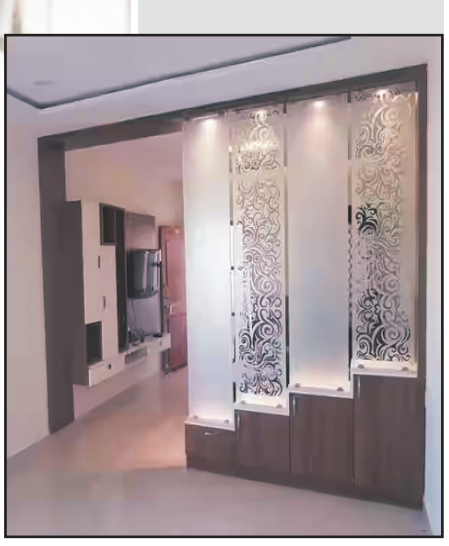

अलग थीम्स पर डिजाइन तैयार करने की क्षमता होनी चाहिए। इसके अलावा नवीनतम टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी होने के साथ-साथ उसमें टीम भावना और बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स का होना भी जरुरी है।

परम्परागत करियर ऑप्शन से अलग ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहाँ युवा अपनी सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता और डिजाइनिंग स्किल्स के जरिए न सिर्फ एक अच्छा करियर बना सकते हैं, बल्कि सफलता भी हासिल कर सकते हैं। ऐसा ही एक करियर ऑप्शन है, ग्लास डिजाइनिंग का। हाल-फिलहाल डिजाइनिंग की इस फील्ड में लोगों की रूचि तेजी से बढ़ी है। अगर आप भी एक क्रिएटिव करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके लिए ग्लास डिजाइनिंग बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। कहना गलत नहीं होगा की पिछले कुछ समय से लोगों के डिजाइनिंग सेंस में निखर आया है, जिसका असर नए मकानों और बिल्डिंग्स पर देखा जा सकता है। अब लोग अपने घर और ऑफिस में डिजाइनर ग्लास के इस्तेमाल को पसंद करते हैं। शायद यही कारण है कि बाजार में अब अलग-अलग डिजाइन्स के ग्लास की भरमार है। लोगों की सोच में आये इस बदलाव ने रचनात्मक युवाओं के लिए करियर का नया द्वार खोल दिया है। अगर आप भी परंपरागत करियर से अलग कुछ करना चाहते हैं, तो ग्लास डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं।

## क्या है ग्लास डिजाइनिंग

रॉ (कच्चे) ग्लास को ग्लासवेयर, गिफ्ट वेयर , क्राफ्टेड ग्लास विंडोज, ओरनेट आइटम्स, ग्लास इंस्ट्रूमेंट आदि के रूप में मोल्ड करने की प्रक्रिया को ग्लास डिजाइनिंग कहते हैं, और यह काम करने वाले प्रोफेशनल्स ग्लास डिज़ाइनर, गोफर, ब्लोअर कहलाते हैं। पहले ग्लास को ग्लास लेबोरेटरी और फैक्ट्री में मोल्ड किया जाता है और उसके बाद आर्टिस्ट्स के पास डिजाईन स्टूडियो में भेजा जाता है।

## ग्लास डिजाइनिंग में कोर्स

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए इंटर में गणित, भौतिकी और रसायन विषय होने चाहिए। इसके बाद आप सेरामिक एंड ग्लास डिजाइनिंग में बेचलर ऑफ डिजाईन और उसके बाद मास्टर ऑफ डिजाइन का कोर्स कर सकते हैं। इसके अलावा आप सेरामिक एंड ग्लास टेक्नोलॉजी में बीटेक या डिजाइन में बेचलर ऑफ फाइन आर्ट्स

का कोर्स भी कर सकते हैं। मास्टर्स के बाद आप इस फील्ड में पीएचडी भी कर सकते हैं।

## वर्क प्रोफाइल

ग्लास डिजाइनिंग कोर्स में विद्यार्थियों को ग्लास मौल्डिंग टेक्नोलॉजी के पीछे के विज्ञान के बारे में पढ़ाया जाता है ताकि वे मोल्डेड ग्लास को डिजाइन करने की टेक्निक्स सीख सकें। आम तौर पर ग्लास डिजाइनर्स डिजाइन स्टूडियो में काम करते हैं। ग्लास की लम्बाई के हिसाब से वे कंप्यूटर पर डिजाईन थीम तैयार करते हैं और फिर मशीनों की मदद से ग्लास पर डिजाइन्स बनाई जाती हैं। इस तरह अलग-अलग उद्देश्यों के लिए क्लियर, फॉस्टेड, लिनेन, मिल्की स्मोक्ड, लैमिनेटेड और कॉम्बिनेशन ग्लासेज को तैयार किया जाता है।

## जरुरी योग्यता

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए प्रयासरत युवाओं के पास सृजनात्मकता, स्किल्स और डिजाइनिंग टैलेंट होना चाहिए। उनमें अलग-

## सैलरी और पैकेज

इस फील्ड में करियर टेक्नोलॉजी बेकग्राउंड वाले फ्रेशर्स की सैलरी 25,000 रूपये से शुरू होती है। जबकि अनुभवी उम्मीदवारों का वार्षिक पैकेज 5-8 लाख रुपये तक होता है। आप अपने करियर की शुरुआत राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहे डिजाइन स्टूडियो के साथ कर सकते हैं। ये स्टूडियोज बेहतर संभावनाओं वाले प्रतिभाशाली युवाओं को हायर करते हैं। इस फील्ड में डिजाइनर्स की काफी कमी है, लिहाजा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम कर रही कम्पनियाँ नये व स्किल्ड डिजाइनर्स को हायर कर लेती हैं। जॉब करने के आलावा आप अपना खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

## प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद, गांधीनगर, बेंगलुरु
- आईआईटी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- विश्वभारती विश्वविद्यालय, शान्तिनिकेतन
- इंडस्ट्रियल डिजाईन सेंटर, आईआईटी, मुंबई
- एमआईटी इंस्टिट्यूट ऑफ़ डिजाइन, पुणे
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, डिजाईन एंड मैन्युफैक्चरिंग, जबलपुर
- एपीजे इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, दिल्ली

# कम प्रतिस्पर्धा के साथ पा सकते हैं ये सरकारी नौकरी

**हर साल कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती के लिए एसएससी सीजीएल एग्जाम का आयोजन करता है। इस परीक्षा के जरिये जिन पदों पर नियुक्ति होती है, उनमें से एक है स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2)। एसएससी की परीक्षा के माध्यम से मिलने वाले सबसे आकर्षक जॉब्स में से यह एक है। इसके बावजूद इस जॉब प्रोफाइल के बारे में युवाओं को अधिक जानकारी नहीं है। तो चलिए, जानते हैं इसी जॉब प्रोफाइल के बारे में।**

एसएससी सीजीएल एग्जाम के माध्यम से स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2) के लिए चयनित होने वाले उम्मीदवारों को ग्रुप बी (सेंट्रल सिविल सर्विस, नॉन-गजेटेड, नॉनमिनिस्टेरियल) में जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर (जेएसओ) के पद पर नियुक्ति दी जाती है। वे सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सबऑर्डिनेट स्टैटिस्टिकल सर्विस (एसएसएस) कैडर का हिस्सा होते हैं।

## वेतन-भत्ते

जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर पे-बैंड 2 के अंतर्गत आते हैं। इनका वेतनमान 9300-34800 तथा ग्रेड पे 4200 होता है। जेएसओ का आरंभिक वेतन लगभग 30,000 रुपए प्रति माह होता है।

## पोस्टिंग

स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2) अखिल भारतीय स्तर का पद है। इस पद पर नियुक्त होने वाले अधिकारियों की पदस्थापना देश के किसी भी स्थान पर की जा सकती है। जेएसओ के रूप में चयनित होने वाले 80 प्रतिशत उम्मीदवारों की नियुक्ति नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के माध्यम से की जाती है। शेष की नियुक्ति केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों में की जाती है। काम की प्रकृति जेएसओ को क्या काम करना होता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसकी नियुक्ति कहां की गई है। एनएसएसओ में नियुक्त स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर ऑफिसर को मुख्य रूप से दो तरह के काम करने होते हैं -

**डाटा कलेक्शन** - यह मूलत- एक फील्ड जॉब है। यह काम एनएसएसओ के फील्ड ऑपरेशंस डिविजन (एफओडी) के तहत होता है। इसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों, सामाजिक-आर्थिक कारकों, शहरी सर्वे और मूल्य सूचकांकों के लिए सर्वे तथा डाटा संग्रहण अभियान संचालित करने होते हैं।

**डाटा प्रोसेसिंग** - जिन ऑफिसर्स की नियुक्ति एफओडी में नहीं होती, वे डेस्क जॉब करते हैं। वे विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, संस्थानों के लिए विस्तृत डाटा रिपोर्ट तैयार करते हैं। इनके द्वारा संकलित किया गया डाटा ही भारत सरकार की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के निर्धारण का आधार बनता है। इसके अलावा, जो ऑफिसर मंत्रालयों, विभागों या संस्थानों में नियुक्त होते हैं, उनकी जॉब प्रोफाइल क्लेरिकल होती है। वे दस्तावेजों की ड्राफ्टिंग, सर्वे रिपोर्ट की रिक्वायरमेंट तैयार करने, डाटा एंट्री, टेब्यूलेशन, डाटा को संपादित व संकलित कर रिपोर्ट बनाने आदि का काम करते हैं।

## संस्थागत ढांचा व प्रमोशन

जेएसओ सबऑर्डिनेट स्टैटिस्टिकल सर्विस (एसएसएस) में जूनियर ऑफिसर्स के लिए एंट्री-लेवल पद है। यहां की प्रमोशन संबंधी नीति वरिष्ठता और अनुभव पर आधारित होती है। जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर लगभग 5 से 8 साल बाद प्रमोशन पाकर सीनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर (ग्रुप-बी, गजेटेड) पद पर आ जाते हैं। इस लाइन में विभिन्न पद क्रमवार इस प्रकार होते हैं- जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर, सीनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर, असिस्टेंट डायरेक्टर, डिप्टी डायरेक्टर, जॉइंट डायरेक्टर, डायरेक्टर, डिप्टी डायरेक्टर जनरल, एडिशनल डायरेक्टर जनरल, डायरेक्टर जनरल। स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर पद के लिए प्रतिस्पर्धा कम होती है और चयनित होने की संभावना अधिक। इसलिए आप इस पद का लक्ष्य साधकर सीजीएल एग्जाम में बैठ बेहतर करियर निर्माण के बारे में सोच सकते हैं। इसमें खास आकर्षण यह है कि यह केंद्र सरकार की नौकरी है और पहले ही प्रमोशन के बाद आप गजेटेड ऑफिसर बन जाते हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### पटना में कंबल में लिपटी मिली 10 साल की बच्ची की डेड बॉडी

**पटना, एजेंसी।** पटना के बाइपास थाना इलाके में कंबल में लिपटी हुई एक बच्ची की डेड बॉडी मिली। 10 साल की बच्ची रोशनी कुमारी बाहरी बेगमपुर मुहल्ला की रहने वाली थी। उसकी डेड बॉडी घर से महज 500 मीटर की दूरी पर ही एक गली में मिली। डेड बॉडी मिलने की सूचना पाते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन में जुट गई। बच्ची के चाचा पहाड़ी यादव ने बताया कि बुधवार की सुबह छह बजे बच्ची स्कूल जाने के लिए स्कूल ड्रेस पहनकर तैयार थी। लेकिन इससे पहले वह पड़ोस के घर में दूध देने के लिए गई। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद भी बच्ची का कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद बाइपास थाना पुलिस को इसकी सूचना दी गई। पुलिस के साथ-साथ परिवार के लोग भी बच्ची की खोजबीन में जुटे थे। इसी दौरान रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला गया। ऐसे में आज (गुरुवार) सुबह बच्ची की लाश मिली। सूचना मिलते ही मौके पर डीएसपी 2 डॉ। गौरव कुमार और थानाध्यक्ष रणजीत कुमार पहुंचे। इसके बाद वे मामले की छानबीन में जुट गए।

### अंधविश्वास की आग में बुझी जिंदगी, विरोध करने पर बुजुर्ग की हत्या

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** फकुली थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव में पत्नी को डायन कहने का विरोध करने पर पति हबीब मियां की पीट-पीटकर हत्या कर दी गयी। घटना शनिवार सुबह आठ बजे की है। मृतक के परिजनों ने पड़ोस के आधा दर्जन लोगों पर ही पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलने के बाद फकुली थानेदार विष्णु पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच कर छानबीन किया। बुजुर्ग के साथ मारपीट कर हत्या करने के सभी आरोपी अपना घर छोड़कर फरार हो गए है। घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया गया। शव का डेथ रिव्यू रिपोर्ट तैयार करने के बाद उसको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, हबीब मियां की पत्नी पर पड़ोस के ही एक परिवार के सदस्यों ने डायन का आरोप लगाया। उनका कहना था कि उसके परिवार के एक बच्चे का जन्म हुआ है, लेकिन महिला के द्वारा डायन करने के कारण वह दूध नहीं पी रही है। उसकी तबीयत बिगड़ रही है। इसी बात को लेकर सभी आरोपी हबीब मियां के घर पर चढ़कर उसकी पत्नी के साथ गाली- गलौज करने लगा। इस बाबत का बुजुर्ग हबीब मियां ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर सिर के बल सड़क पर पटक दिया। सिर में चोट लगने के बाद मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। मामले को लेकर फकुली थानेदार विष्णु पांडेय ने कहा, 'पत्नी के डायन कहने का विरोध करने पर एक बुजुर्ग के साथ मारपीट की गयी। सिर के बल गिरने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। आरोपियों की गिरफ्तारी को छापेमारी की जा रही है। एफएसएल की टीम को जांच के लिए बुलाया गया है।'

### पटना में 81 हजार एकड़ में बसेगा नया शहर:बिहार के 10 जिलों में 11 नए सेटेलाइट टाउनशिप

**पटना, एजेंसी।** सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व में 22 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें राज्य में 11 नए आधुनिक शहर बसाने का फैसला लिया गया। बिहार की तस्वीर बदलने वाली इन सेटेलाइट टाउनशिप का नामकरण प्राचीन सांस्कृतिक नामों पर होगा। पटना के पुनपुन में 81 हजार एकड़ में पाटलिपुत्र नाम का नया शहर बसेगा। सेटेलाइट टाउनशिप के लिए चुने गए इलाके में जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी गई है। बिहार में दिल्ली-मुंबई जैसे कॉनसेप्ट पर प्लांड कॉलोनियां बसेंगी। इनमें बाजार और रहने के लिए जगह तय होंगे। चौड़ी सड़कें होंगी। हरियाली के लिए सड़क किनारे और पार्क में पेड़ लगाए जाएंगे। नगर विकास विभाग तय किए गए 11 जगहों पर नए सेटेलाइट टाउनशिप बसाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करेगा। मास्टर प्लान में कोर एरिया और स्पेशल एरिया तय किए जाएंगे। इसके बाद लैंड यूज और निर्माण की प्लानिंग इसी मास्टर प्लान के मुताबिक होगी। टाउनशिप के विकास से नए आर्थिक गतिविधि केंद्रों का निर्माण होगा, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था में बदलाव आएगा। शहरी दबाव में कमी : इन सेटेलाइट शहरों के बसने से मौजूदा बड़े शहरों पर आबादी और संसाधनों का बोझ कम होगा। नागरिकों को बेहतर गुणवत्ता वाली शहरी सुविधाएं मिलेंगी। निजी व संस्थागत निवेश के लिए नए रास्ते खुलेंगे। सेटेलाइट टाउनशिप बड़े शहर के आसपास बनाए जाने वाले प्लांड शहर हैं। इनसे मुख्य शहर में भीड़ कम करने में मदद मिलती है। पूरे शहर को पहले से तय प्लान के आधार पर बनाया जाता है। चंडीगढ़ भारत की पहली प्लांड सिटी है। बिहार में बन रही सेटेलाइट टाउनशिप कैसी होगी इसे नवी मुंबई से समझा जा सकता है। यह 370 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्रफल में फैला है। हार्बर लाइन लोकल ट्रेन, ठाणे-बेलापुर रोड, पाम बीच रोड और मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक से मुंबई से अच्छी तरह जुड़ी है। मुंबई की तुलना में यहाँ रहने की लागत और घर की कीमतें अधिक किफायती हैं।

**मरीन ड्राइव पर इस महीने तक लगेंगी प्री-फैब्रिकेटेड दुकानें,**

# होंगी ये सभी आधुनिक सुविधाएं

**पटना, एजेंसी।** जेपी गंगा पथ (मरीन ड्राइव) के किनारे बेतरतीब तरीके से लगने वाले ठेला-खोमचा दुकानदारों को व्यवस्थित करने के लिए नगर निगम ने तैयारी तेज कर दी है। दीघा गोलंबर के नीचे वेंडिंग जोन बनाने के लिए दानापुर अंचलाधिकारी से एनओसी मिलने के बाद काम में तेजी आई है। वर्तमान में गंगा घाट के किनारे लग रही दुकानों के कारण वेंडरों को धूल और कम मुनाफे की समस्या झेलनी पड़ रही है। इन सभी को अटल पथ से रेलवे क्रॉसिंग के बीच करीब 55 हजार वर्गफुट खाली जगह में शिफ्ट किया जाएगा।

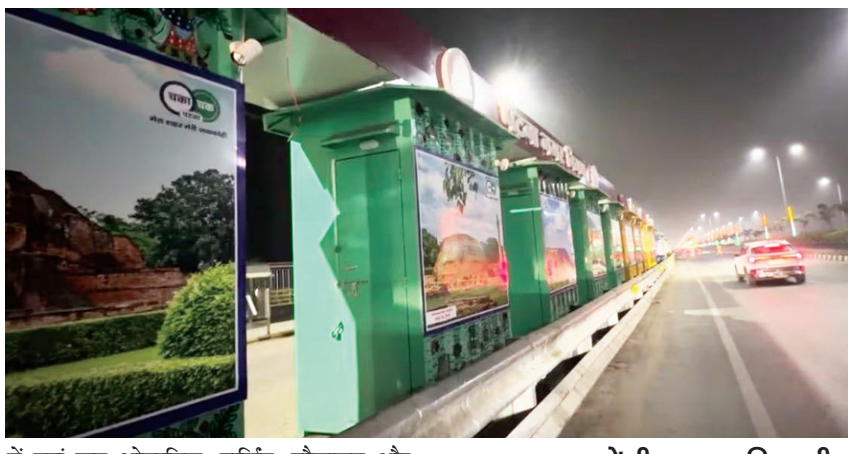

### नगर निगम ने तय किया लक्ष्य

वेंडिंग जोन को विकसित करने के लिए पेवर ब्लॉक बिछाने और हाई मास्ट लाइट लगाने जैसे कार्यों पर 2।96 करोड़ रुपये खर्च होंगे। निगम ने 15 मई तक करीब 250 दुकानदारों को यहां अस्थायी रूप से बसाने का लक्ष्य रखा है, जिसकी तैयारी के लिए 59 लाख रुपये अलग से आवंटित किए गए हैं। दूसरे फेज में यहां फुट ओवरब्रिज, पार्किंग, शौचालय और पेयजल जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। भविष्य में यहां पार्क और एंटरटेनमेंट जोन बनाने की भी योजना है।

### नियमों के फेर में फंसा 500 दुकानों का प्रोजेक्ट

इससे पहले स्मार्ट सिटी मिशन के तहत गंगा पथ पर 15।45 करोड़ रुपये की लागत से 500 प्री-फैब दुकानें लगाने की योजना थी। इनमें से 200 से अधिक दुकानें इंस्टॉल भी हो गई थीं, लेकिन डिजाइन और गाइडलाइन की अनदेखी के कारण जनवरी 2026 में इन्हें हटाना पड़ा। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की ओर से गंगा पथ पर स्थायी निर्माण पर रोक लगाने के बाद अब नई डिजाइन के साथ परियोजना पर काम शुरू किया गया है, ताकि गंगा तट की सुंदरता और

### अगस्त तक लगेंगी 50 आधुनिक प्री-फैब दुकानें

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत जेपी गंगा पथ पर अगस्त तक 50 अत्याधुनिक प्री-फैब्रिकेटेड दुकानें लगाई जाएंगी। करीब 7।18 करोड़ रुपये की इस परियोजना में 45 छोटी और 5 बड़ी दुकानें शामिल होंगी। इन्हें 10-10 के पांच समूहों में बांटा गया है। इन दुकानों में बिजली, ड्रेनेज, प्लंबिंग और एलईडी लाइटिंग की आधुनिक सुविधाएं होंगी। इनके रखरखाव की जिम्मेदारी तीन साल तक संबंधित एजेंसी की होगी।

## बेटी की एक कॉल के बाद खत्म हो गई जिंदगी, रात में पिता से मांगा था सहारा, सुबह मिली लाश

**वैशाली , एजेंसी।** वैशाली जिले के काजीपुर थाना क्षेत्र के असाधरपुर गांव में एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके ससुराल से बरामद किया गया है। महिला की मौत की खबर फैलते ही गांव में काफी संख्या में लोग जुट गए। सूचना मिलते ही काजीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतका के परिजनों से पूछताछ के बाद मामले की जांच में जुट गई। मृतका की पहचान असाधरपुर गांव निवासी सुमन कुमार की पत्नी गुंजन कुमारी के रूप में हुई है।

इस संबंध में मृतका के पिता रामेश्वर पासवान ने बताया कि गुंजन की शादी वर्ष 2020 में सुमन कुमार के साथ हुई थी। शादी के कुछ वर्षों बाद से ही दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। गुरुवार की रात गुंजन ने फोन कर बताया था कि सुमन किसी लड़की को घर लेकर आया है। इसी बात को लेकर मृतका के पिता अपने परिजनों के साथ बेटी के ससुराल जाने के लिए निकल ही रहे थे कि तभी फोन पर सूचना मिली कि गुंजन की मौत हो गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के घर में कोहराम मच गया। जब परिजन ससुराल पहुंचे तो देखा कि गुंजन का शव संदिग्ध अवस्था में घर में पड़ा था और उसकी गर्दन पर फंदे का निशान था। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि उसके पति ने गला दबाकर उसकी हत्या की है और घटना को अंजाम देने के बाद ससुराल पक्ष के सभी लोग फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही काजीपुर थाना प्रभारी विजय कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। इस दौरान एफएसएल (फॉरेंसिक) टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और जांच के दौरान कुछ सैंपल एकत्र कर अपने साथ ले गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

इस संबंध में काजीपुर थाना प्रभारी ने बताया कि असाधरपुर गांव में एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके ससुराल से बरामद किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

## बेगूसराय में डूबने से किशोर की मौत

**बेगूसराय, एजेंसी।** बेगूसराय जिले के बखरी थाना इलाके के उदयपुर गांव में शनिवार की सुबह जानवर को धोने चौर में उतरे 13 साल के किशोर की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, उदयपुर गांव के बहियार स्थित पाटोजान चौर में यह हादसा उस समय हुआ जब किशोर भाई के साथ जानवर धोने के लिए गया था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया।

जब तक उसका भाई और आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, तब तक उसकी डूबने से मौके पर ही मौत हो चुकी थी। भाई के शोर मचाने पर ग्रामीण दौड़कर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद किशोर पानी से बाहर निकाला। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना इलाके के करख बदिया गांव निवासी घनश्याम महतो के बेटे अजीत कुमार उर्फ रोहित कुमार के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, रोहित उदयपुर निवासी अपने नाना-नानी के यहां रहकर पढ़ाई कर रहा था। हाल ही में उसने आठवीं क्लास की परीक्षा पास की थी। बताया जाता है कि गांव में शादी का माहौल था। उपप्रमुख रूबी देवी कुशवाहा और घाघरा पैक्स अध्यक्ष बलराम सिंह कुशवाहा के रिश्तेदार होने के कारण किशोर के ननिहाल का परिवार भी समारोह में शामिल था। रविवार को होने वाली शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन इस दर्दनाक घटना ने पूरे माहौल को गमगीन कर दिया। किशोर की मां भी शादी में शामिल होने आयी थीं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक सूर्यकांत पासवान और घाघरा पंचायत के मुखिया नंदकिशोर तांती ने परिजनों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की।

## बिहार में प्रेम-प्रसंग का खौफनाक अंजाम, प्रेमिका की शादी तय होने से नाराज युवक ने घर में घुसकर मारी गोली

**वैशाली, एजेंसी।** बिहार के वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र में प्रेम-प्रसंग से जुड़ी एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। 24 वर्षीय युवक ने अपनी प्रेमिका को गोली मार दी और उसके बाद खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवती गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज पीएमसीएच पटना में चल रहा है।

**गोलीबारी में युवक की मौत:** घटना गुरुवार देर शाम की बताई जा रही है। युवक ने पहले अपनी प्रेमिका की पीठ में गोली मारी, जिसके बाद वह खुद अपने सिर में गोली मार बैठा। युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल युवती को तुरंत सदर अस्पताल हाजीपुर ले जाया गया। वहां से बेहतर इलाज के लिए उसे पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया, जहां उसकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

**हथियार न मिलने से मामला उलझा:** पुलिस के अनुसार घटना स्थल से कोई हथियार

बरामद नहीं हुआ है, जिससे पूरा मामला और उलझ गया है। युवती के पीठ में और युवक के सिर में गोली लगी थी। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस सभी पहलुओं की छानबीन कर रही है।

**प्रेमिका की शादी तय होने से नाराज था प्रेमी:** बताया जा रहा है कि युवती की अगले दो महीने में शादी तय थी। प्रेमी इस बात से नाराज था। युवती के पिता ने पुलिस को बताया कि युवक घर में घुसकर रुपये लूटने के इरादे से आया था, लेकिन जब बेटी ने विरोध किया तो उसने गोली चला दी। वहीं प्रेम-प्रसंग को लेकर भी चर्चा है कि शादी की बात सामने आने पर युवक ने यह कदम उठाया।

**मृतक युवक की पहचान और पृष्ठभूमि:** मृतक की पहचान भगवानपुर थाना क्षेत्र के के 24 वर्षीय युवक के रूप में हुई है। युवती के पिता ने आरोप लगाया कि युवक बदमाश प्रवृत्ति का था और हाल ही में जेल से बाहर आया था। वहीं युवक के परिवार ने अलग आरोप लगाए हैं, जिससे मामला और जटिल हो गया है।

**पुलिस की जांच और एसपी का बयान:** वैशाली एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि इमादपुर गांव में एक युवक ने प्रेमिका को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। प्रेम प्रसंग की बात कही जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और सभी पहलुओं की जांच में जुट गई है। पुलिस दोनों पक्षों के बयानों को दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

## खंभे से टक्कर के बाद उड़े कार के परखच्चे, शिक्षक की मौत, पत्नी-बेटी गंभीर

**सासाराम, एजेंसी।** बिहार के रोहतास में सड़क हादसा हुआ है। जहां कार सवार शिक्षक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि घटना में शिक्षक की पत्नी और बच्ची भी गंभीर रूप से घायल है। दोनों का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामला आयर कोठा थाना क्षेत्र का है।

**गया से लौट रहे थे अजय सिंह:** मृतक की पहचान अकोढीगोला के बराढी गांव के रहने वाले 49 वर्षीय अजय सिंह के रूप में हुई है, जो स्व। नरेश राय के पुत्र थे। वह डालमिया नगर में हिंदी के शिक्षक थे। अजय सिंह अपनी बेटी खुशी कुमारी और पत्नी रीना देवी के साथ गया से अपने घर अकोढ़ी गोला (बराढ़ी) लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

**खंभा से टकराने के बाद कार क्षतिग्रस्त:** परिजनों ने बताया कि अजय अपने एक रिश्तेदार के यहां गयाजी गए थे। जहां से अपनी कार से लौट रहे थे। इसी दौरान कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक बिजली के खंभा से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इस हादसे में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

**थानाध्यक्ष ने की घटना की पुष्टि:** वहीं, घटना की जानकारी मिलने ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर टीचर के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष शिवम कुमार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त चार चक्का वाहन को जब्त कर थाने लाया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## शादी के 2 महीने के अंदर पति-पत्नी लेना चाह रहे थे तलाक, पटना उच्च न्यायालय ने किया खारिज

**पटना , एजेंसी।** पटना हाईकोर्ट ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाया। अदालत ने आपसी सहमति से तलाक को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा है कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(बी) के तहत तलाक की डिक्री तभी दी जा सकती है, जब पति-पत्नी कम-से-कम एक वर्ष तक अलग रह चुके हों। इस अनिवार्य शर्त के अभाव में तलाक की अनुमति नहीं दी जा सकती।

**उच्च न्यायालय ने परिवार न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा :** जस्टिस नानी तागिया एवं जस्टिस आलोक कुमार पांडेय की खंडपीठ ने कुमारी दिशी (बदला हुआ नाम) बनाम कुमार संदीप (बदला हुआ नाम) मामले में यह निर्णय सुनाया। इसके साथ ही शिवहर के परिवार न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा और अपील खारिज कर दिया।

**एक वर्ष तक अलग नहीं रहे थे :** दरअसल, इस मामले में दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से तलाक के लिए संयुक्त याचिका दाखिल की थी। हालांकि परिवार न्यायालय ने इसे इस आधार पर खारिज कर दिया था कि दोनों एक वर्ष की अनिवार्य अवधि तक अलग नहीं रहे थे।

**शादी के 2 महीने के अंदर तलाक की याचिका :** रिकॉर्ड के अनुसार, पति ने स्वयं स्वीकार किया कि 15 मार्च 2023 को वैवाहिक संबंध स्थापित हुए, जबकि तलाक की याचिका 11 मई 2023 को ही दाखिल कर दी गई। पटना उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि 'अलग रहना' का अर्थ केवल भौतिक दूरी नहीं, बल्कि वैवाहिक संबंधों का पूर्णतः समाप्त होना है। ऐसे में इस याचिका को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

## कर्ज लेकर की खेती, पैरों से फसल बर्बाद करती नीलगाय' बिहार के किसानों का दर्द

**समसेतीपुर, एजेंसी।** बिहार के समस्तीपुर जिले में नीलगाय का प्रकोप किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। छोटे किसान कर्ज लेकर फसल बोते हैं, लेकिन नीलगाय रातोंरात खेतों को चर जाते या रौंद देते हैं। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि कई किसान अब खेत खाली छोड़ रहे हैं और फसल लगाने से कतरा रहे हैं।

**पहले सुनते थे, अब खुद झेल रहे:** कुछ वर्ष पहले समस्तीपुर के किसान नीलगाय के आतंक की कहानियां दूसरों से सुनते थे। अब पूरे जिले में हर ब्लॉक के किसान इसका सीधा गवाह बन रहे हैं। तैयार फसल पल भर में बर्बाद हो जाती है। दूरदराज के गांवों से लेकर जिला मुख्यालय के आसपास तक नीलगायों के झुंड दिखाई दे रहे हैं।

**किसानों के उपाय बेकार:** किसानों ने अकेले और सामुदायिक स्तर पर कई उपाय आजमाए। बाड़ लगाई, डराने के लिए रोशनी और आवाज का इस्तेमाल किया, लेकिन सब प्रयास नाकाम रहे। लगूनिया गांव के किसान विनोद कुमार बताते हैं कि बटाई की जमीन पर पैसे लगाकर खेती करते हैं, फिर भी फसल तैयार होने से पहले नीलगाय सब कुछ चर जाते हैं।

**खेती छोड़ने की मजबूरी:** एक बुजुर्ग किसान नन्दकिशोर सिंह ने बताया कि समस्या लेकर कई बार अधिकारियों के पास पहुंचे, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं मिला। महीनों की मेहनत और कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। अब छोटे किसानों के पास खेती करना संभव नहीं रह गया है। वे कहते हैं 'नीलगाय के डर से खेत बोने का साहस ही नहीं होता।'

# भीषण गर्मी से खराब हो रही मुजफ्फरपुर की शाही लीची की फसल

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** बिहार के मुजफ्फरपुर की विश्व प्रसिद्ध शाही लीची इस बार मौसम की मार झेल रही है। जिले में लगातार बदलते मौसम, तेज धूप, गर्म हवाओं और तापमान में उतार-चढ़ाव का सीधा असर लीची की फसल पर देखने को मिल रहा है। बागवानों के अनुसार, फल लगने के महत्वपूर्ण समय पर मौसम का असामान्य व्यवहार फसल के लिए बेहद नुकसानदायक साबित हुआ है। हालत ऐसे हैं कि यदि यही स्थिति कुछ दिनों तक बनी रही तो इस साल उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में एक-तिहाई तक सिमट सकता है।

**सूख रहे हैं लीची के फल:** लीची के बड़े किसान दीपक कुमार बताते हैं कि इस बार मौसम का असर इतना ज्यादा है कि पेड़ों पर लगे फल सूख रहे हैं। हम लोग पंप से लगातार पानी दे रहे हैं। यहां तक कि फल पर भी पानी का छिड़काव कर रहे हैं लेकिन कुछ ही देर में सब सूख जा रहा है। इसका कोई खास फायदा नहीं दिख रहा। उत्पादन पर भारी असर पड़ा है। अगर यही हाल रहा तो इस बार फसल के नाम पर कुछ खास नहीं बचेगा।

**बारिश रकी जरूरत:** वहीं, किसान रामप्रीत सिंह का कहना है कि इस बार की भीषण गर्मी ने लोगों के साथ-साथ लीची के पेड़ों को भी बेहाल कर दिया है। पेड़ सूखने लगे हैं। हम पंप सेट से सिंचाई कर रहे हैं लेकिन जो फायदा प्राकृतिक बारिश से होता है, वह नहीं मिल पा रहा। बारिश से ही फल में मिठास और गूदापन आता है। अभी तो फल फट रहे हैं और सूख रहे हैं, जिससे उत्पादन पर सीधा असर पड़ रहा है।

**लीची किसान चिंतित:** किसान कपिल देव राय ने भी मौजूदा स्थिति को चिंताजनक बताया। उन्होंने बताया कि वे करीब 2।5 एकड़ में लीची की खेती करते हैं लेकिन इस बार उत्पादन को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। वे कहते हैं कि एक तो तेज धूप और भीषण गर्मी है, ऊपर से बारिश भी नहीं हो रही है।

**क्या कहते हैं जानकार?:** इस पूरे मामले पर

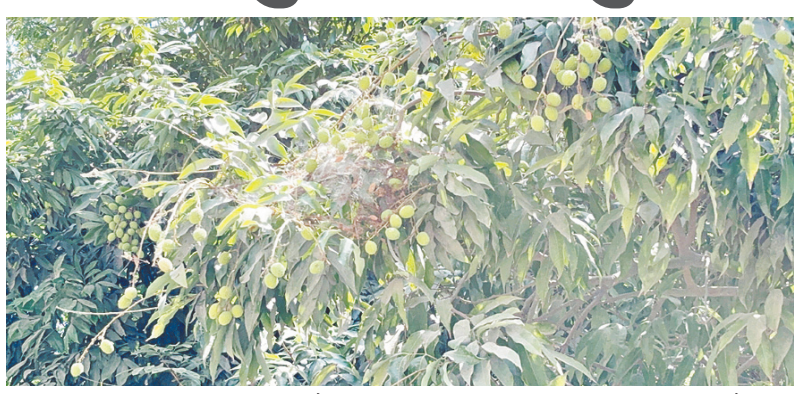

लीची अनुसंधान केंद्र के सीनियर वैज्ञानिक विकास कुमार दास ने भी चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि इस बार का मौसम लीची किसानों के लिए काफी नुकसानदायक साबित हो रहा है। तेज धूप और तापमान में वृद्धि के कारण शाही लीची के फल फट रहे हैं और सूख रहे हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो इस साल उत्पादन पिछले साल के मुकाबले एक-तिहाई से भी कम हो सकता है।

नियमित रूप से सिंचाई करें: कृषि वैज्ञानिक ने किसानों को सलाह दी है कि वे लीची के पौधों में नियमित रूप से सिंचाई करें। कई किसान एक बार में अधिक पानी देकर कई दिनों तक सिंचाई नहीं करते, जिससे केवल मिट्टी में नमी बनी रहती है लेकिन पौधों को लगातार नमी नहीं मिल पाती। थोड़ी-थोड़ी मात्रा में नियमित पानी देना ज्यादा प्रभावी होता है ताकि पौधों को लगातार नमी मिलती रहे और फल सूखने से बच सकें।

**पिछले सीजन में अच्छा उत्पादन:** जानकारों के अनुसार पिछले सीजन में मुजफ्फरपुर जिले में लीची उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई थी। जिला उद्यान विभाग और राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024-25 में 1985 हेक्टेयर क्षेत्र में करीब 21,529 मीट्रिक टन लीची का उत्पादन हुआ था। हालांकि इस बार मौजूदा मौसम को देखते हुए इस आंकड़े तक पहुंच पाना मुश्किल माना जा रहा है।

**दुनियाभर में शाही लीची प्रसिद्ध:** मुजफ्फरपुर की शाही लीची देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अपनी खास पहचान रखती है। अपनी मिठास, गूदे और खुशबू के कारण यह अन्य क्षेत्रों की लीची से अलग मानी जाती है। यही वजह है कि इसे जर्दालू आम, कतरनी चावल और मगही पान के बाद बिहार का चौथा जीआई टैग प्राप्त उत्पाद माना जाता है।

**कई किस्म की लीची उपलब्ध:** अगर पूरे बिहार की बात करें तो राज्य में करीब 36,670 हेक्टेयर क्षेत्र में लीची की खेती होती है, जिससे लगभग तीन लाख टन उत्पादन होता है। देश के कुल लीची उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक है। यहां मुख्य रूप से शाही, चायना, बेदाना, लोंगिया, कस्बा और पूर्वा किस्म की लीची उगाई जाती है।

मुजफ्फरपुर में स्थित राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र लीची की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने को लेकर लगातार शोध कर रहा है। यहां विकसित तकनीकों के कारण ही मुजफ्फरपुर की लीची की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी है। यूरोप, अफ्रीका और खाड़ी देशों में यहां की लीची का निर्यात किया जाता है और हर साल करीब 30 हजार टन निर्यात का लक्ष्य रखा जाता है।

# विचार-मंथन

## संपादकीय

## नियमों की अनदेखी और मौतों का सिलसिला, कब थमेंगे ये हादसे?

सुरक्षा इंतजामों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने और नियमों की अनदेखी पर अगर फैक्ट्री मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, तो शायद अगले हादसों को रोकने की गुंजाइश बन सकती है ।किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि वे हर इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति न हो। मगर ऐसा लगता है कि किसी हादसे में व्यापक नुकसान के बावजूद समान स्थितियों में काम करने वाले दूसरे कारखानों में उसके कारणों पर गौर करने और भविष्य में बचने की कोशिश भी नहीं की जाती। वरना क्या कारण है कि एक ही तरह की दुर्घटनाएं बार-बार सामने आती रहती हैं और वजह के रूप में मुख्य रूप से असुरक्षित हालात में काम और लापरवाही ही दर्ज की जाती है ।तमिलनाडु के विरुधुनगर में स्थित एक पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट और उसमें पच्चीस लोगों की मौत की घटना ने एक बार फिर यही दर्शाया है कि हादसों के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जाने के बावजूद अव्यवस्था बदस्तूर कायम है। खबरों के मुताबिक विरुधुनगर की फैक्ट्री में जिस वक्त विस्फोट हुआ, उस समय रविवार को छुट्टी का दिन होने के बावजूद मजदूरों से काम कराया जा रहा था। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कम से कम तीन कमरे मलबे में तब्दील हो गए और आसपास के कई भवनों को भारी नुकसान पहुंचा ।यह समझना मुश्किल है कि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के अभाव की स्थिति में विस्फोटक पदार्थों के बीच काम संचालित करते हुए यह ध्यान रखने की जरूरत क्यों नहीं समझी जाती कि मामूली असावधानी के नतीजे क्या हो सकते हैं। पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से हुए हादसे की यह कोई अकेली घटना नहीं है। तमिलनाडु में आए दिन पटाखा कारखानों में आग लगने से लोगों की मौत की खबरें आती रहती हैं। देश के अन्य राज्यों में भी पटाखा कारखानों में आग लगने और उसमें जानमाल के नुकसान की घटनाएं अक्सर होती हैं। मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि न फैक्ट्री मालिक हादसों से बचने के लिए जरूरी उपाय करते हैं और न ही सरकारी तंत्र और संबंधित महकमे के अधिकारी समय-समय पर यहां की गई सुरक्षा व्यवस्था की जांच और निगरानी करते हैं।

## पति पत्नी और वो 2- 'सब कुछ बदलता है, पतियों की फितरत नहीं' चीटिंग को नॉर्मलाइज करती एक और फिल्म?

पति पत्नी और वो दो का टीज़र आज रिलीज हुआ है, फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'एक ही चीज है जो नहीं बदलती है पतियों की फितरतज' आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह, वामिका गब्बी और सारा अली खान की फिल्म 'पति, पत्नी और वो दो' का टीज़र आज रिलीज हुआ है। इसे देखते ही सबसे पहला सवाल यही उठता है- क्या फिल्में सिर्फ समाज का आईना होती हैं या फिर उसे इंफ्लुएंस भी करती हैं। भारत में सिनेमा हमेशा से रिश्तों और प्यार को बड़े पर्दे पर अलग-अलग तरीकों से दिखाता आया है। हमारे यहां तो लोग प्यार का सबक भी फिल्मों से ही सीखते हैं और सिनेमा से बहुत हद का प्रभावित होते हैं। यहां 'पति, पत्नी और वो', 'घरवाली बाहरवाली', 'बीवी नंबर 1', 'साजन चले ससुराल' जैसी फिल्मों में अक्सर पुरुषों के एक्स्ट्रामैरिटल रिलेशनशिप को या तो गलती के तौर पर दिखाया गया या फिर हालात की मजबूरी बताकर पेश किया गया। और अपने लिए आवाज उठाने वाली महिला को कई बार पुराने सिनेमा में निगेटिव शेड में दिखाया गया। आज के समय में, जब रिश्तों को लेकर लोगों की सोच पहले से ज्यादा कॉम्प्लिकेटेड हो रही है, वहीं दूसरी तरफ डेटिंग और रिलेशनशिप से जुड़े नए ऐप्स भी सामने आ चुके हैं- जिनमें से कुछ खास तौर पर शादीशुदा लोगों के लिए बनाए गए हैं। ऐसे में जब समाज में पहले से ही चीटिंग और रिश्तों की अस्थिरता को लेकर इतनी चर्चाएं हैं, उस वक्त इस तरह की फिल्में सवाल तो खड़े करती हैं। मीडिया रिसर्च के अनुसार, दर्शक फिल्मों को अपनी निजी सोच, अनुभव और सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर अलग-अलग तरीके से समझते हैं। इसलिए जरूरी नहीं है कि इस तरह के सिनेमा से लोग सीधे तरह से इंस्पायर होकर चीटिंग करने लगेंगे मगर इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि अगर किसी के मन में ऐसे विचार हैं तो ऐसी फिल्में उन विचारों को बढ़ावा जरूर दे सकती हैं।

*जिससे हमारे कृषक जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करते हुए फसलों का उत्पादन कर सकें और उन्हें समुचित लाभ भी मिल सके। साथ ही, कृषि से उनका मोह भंग भी न हो। चूंकि जलवायु परिवर्तन किसी एक देश अथवा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, इसलिए इसमें कमी लाने के लिए सभी स्तरों पर ठोस उद्यमी की जरूरत है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि जलवायु परिवर्तन न केवल कृषि के लिए, बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए खतरा है।*

# बढ़ते तापमान के बीच संकट में खेती, समय रहते संभलना जरूरी

**(रवि शंकर)**

एक तरफ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, तो दूसरी ओर अप्रत्यक्ष प्रभाव आय की हानि और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन वैश्विक मुद्दे के रूप में उभरा है। यह कोई एक देश या राष्ट्र से संबंधित अवधारणा नहीं है, बल्कि एक वैश्विक अवधारणा है जो समस्त पृथ्वी के लिए चिंता का कारण बनती जा रही है। देखा जाए तो जलवायु परिवर्तन से भारत सहित पूरी दुनिया में बाढ़, सूखा, कृषि संकट एवं खाद्य सुरक्षा के साथ बीमारियों का भी खतरा बढ़ा है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी (लगभग साठ फीसद) आज भी कृषि पर निर्भर है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से आज कृषि भी अछूती नहीं है। इसलिए खेती पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखना बहुत जरूरी है। बदलते मौसम के प्रभाव से केवल फसलों का ही उत्पादन प्रभावित नहीं हो रहा है, बल्कि उनकी गुणवत्ता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। यह देश की खाद्य सुरक्षा के लिए एक अहम चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान, सूखा, बाड़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी के कारण मध्य-पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है। बदलते पर्यावरण के कारण खेती के सामने बड़ा संकट है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर असर पड़ेगा। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन से इस शताब्दी में दुनिया भर में भुखमरी, बाढ़ और नागरिकों का पलायन बढ़ने की बात कही जा रही है। अगर तापमान में बढ़ोतरी होती है, तो एशियाई देशों में कृषि पैदावार तीस फीसद तक नीचे आ सकती है। विकास की तीव्र आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी को खत्म करने का हमारा लक्ष्य भी अधूरा रह सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले चालीस वर्षों में वर्षा की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के आरंभ में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घट कर 119 सेंटीमीटर रह गई है। गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों में जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। एक तरफ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, तो दूसरी ओर अप्रत्यक्ष प्रभाव आय की हानि और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है। जबकि फसलों की उपज बढ़ाने में उपजाऊ मिट्टी, पानी, अनुकूल वातावरण और कीट-पतंगों से बचाव आदि का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है, लेकिन इनमें से किसी भी मानक में परिवर्तन होने से फसलों की पैदावार प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले कई दशकों में तापमान बढ़ता गया है। कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें एक विशेष तापमान की आवश्यकता होती है। वायुमंडल में तापमान बढ़ने पर उनकी उपज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जैसे गेहूं, सरसों, जौ और आलू आदि इन फसलों को कम तापमान की आवश्यकता होती है। तापमान का बढ़ना इनके लिए हानिकारक होता है। इसी प्रकार, ज्यादा तापमान बढ़ने से मक्का, ज्वार और धान आदि फसलों का नुकसान हो सकता है, क्योंकि ज्यादा तापमान के कारण इन फसलों में दाना नहीं बनता या फिर कम बनता है। जलवायु परिवर्तन खाद्य सुरक्षा के सभी चार आयामों- खाद्य उपलब्धता, खाद्य पहुंच, खाद्य उपयोग और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा। यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा, तो हमारे सामने भोजन का संकट उत्पन्न हो जाएगा। तापमान की बढ़ती गति को देखें, तो आंकड़े बताते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। जिसका सीधा असर कृषि उत्पादन पर होगा। उदाहरण के लिए आज जहां गेहूं, जौ, सरसों और आलू की खेती हो रही है, तापमान बढ़ने से इन फसलों की खेती नहीं हो सकेगी, क्योंकि इन फसलों को ठंडक की आवश्यकता पड़ती है। ठीक इसी प्रकार अधिक तापमान बढ़ने से मक्का, धान या ज्वार आदि फसलों का चरण हो सकता है, क्योंकि इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता है अथवा कम बनता है। इससे इन फसलों की खेती करना असंभव हो सकता है। इसके अतिरिक्त तापमान बढ़ने से वर्षा में कमी होती है। इससे मिट्टी में नमी समाप्त हो जाती है। इसी के साथ सूखे की संभावना भी बढ़ी है। इतना ही नहीं जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रासायनिक खादों का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं जो मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित कर रही है। आज पूरे विश्व में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है और यह कहीं ज्यादा, तो कहीं कम महसूस किया जा रहा है। जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक में भारत शीर्ष बीस देशों में शामिल है। पिछले चार दशकों में हमारी धरती का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, जिसके कारण बाढ़, सूखे और तूफान जैसी कुदरती आपदाएं भी बढ़ी हैं। चूंकि अपने देश में ज्यादातर किसानों के पास छोटा रकबा है, इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी बुरी तरह गिर रही है। भारत के लिए यह और अधिक चिंता की बात है, क्योंकि हमारे यहां साठ फीसद जनसंख्या खेती से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। कृषि ही उनके जीवनयापन का मुख्य स्रोत है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ा कर रहा है। वर्ष 2050 तक विश्व की आबादी वर्ष कर साढ़े नौ अरब हो जाएगी। इसका अर्थ यह है कि हमें दो अरब अतिरिक्त लोगों के लिए 70 फीसद ज्यादा भोजन पैदा करना होगा। इसलिए अब खाद्य और कृषि प्रणाली को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाना होगा और इसे ज्यादा उपजाऊ तथा टिकाऊ बनाने की जरूरत होगी। ऐसे में कृषि के विभिन्न तरीकों का पुनरावलोकन कर पर्यावरण को कम से कम क्षति पहुंचाने वाली तकनीकों का इस्तेमाल वांछनीय है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ कृषि के लिए बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए भी खतरे के रूप में सामने आ रहा है। लिहाजा कोई भी देश इसके असर से बच नहीं सकता। निसंदेह यह चिंता की बात है कि बढ़ते तापमान का संकट बहुत गहरा है। यह भारत के लिए बड़ी समस्याएं पैदा करेगा। इसलिए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में ऐसे तरीकों की समीक्षा किया जाना आवश्यक है।

## पृथ्वी दिवस -समुद्री धाराओं पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, धरती सोख नहीं पा रही गर्मी

**(उत्तम सिंह गहरवार)**

सागरों-महासागरों में बहने वाली जल-धाराएं पृथ्वी की जलवायु प्रणाली में काफी अहम भूमिका निभाती हैं। इन धाराओं के जरिये होने वाला जल-प्रवाह पृथ्वी के विभिन्न भागों के बीच गर्मी का आदान-प्रदान करके पूरी धरती के तापमान को संतुलित रखने में मदद करता है। चिंता की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण ये समुद्री धाराएं धीमी पड़ती जा रही हैं, जिसके गंभीर परिणाम हमें आने वाले समय में मौसम में बदलाव और क्लाइमेट चेंज के रूप में देखने को मिल सकते हैं। भूविज्ञानियों के मुताबिक अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) नामक प्रमुख समुद्री धारा प्रणाली पिछले कुछ दशकों में कमजोर हुई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र के पानी में मीठे पानी की मात्रा बढ़ रही है। इससे समुद्री जल का घनत्व प्रभावित होने से धाराओं का प्रवाह धीमा पड़ रहा है। यदि यह प्रवाह और धीमा होता है या रुक जाता है, तो यह पृथ्वी के मौसम पैटर्न को पूरी तरह से बदल सकता है। इससे उत्तरी गोलार्ध के कुछ हिस्सों में अचानक तापमान गिर सकता है, जबकि भूमध्य रेखा के आसपास के क्षेत्रों में गर्मी और भी बढ़ सकती है। इसके अलावा, मानसून चक्र बाधित हो सकता है, जिससे कृषि और पेयजल आपूर्ति पर काफी बुरा असर पड़ सकता है। 'पृथ्वी' में क्या-क्या है शामिल इस साल विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) की थीम 'हमारी शक्ति - हमारा ग्रह' रखी गई है। इसी ध्येय वाक्य के साथ अर्थ डे को पूरे विश्व में मनाया जाएगा। पृथ्वी यानी धरती का मतलब अकसर लोग केवल भूमि यानी धरती के भू-भाग से समझ लेते हैं। जबकि, वास्तव में पृथ्वी एक व्यापक शब्द है, जिसके दायरे में थल के साथ-साथ जल यानी हमारे सागर-महासागर और नभ यानी हमारा वायुमंडल भी आता है। क्योंकि इनके बिना पृथ्वी जीवंत नहीं रह सकती। इसलिए जल, थल, नभ, नदी, झीलें, तालाब, कुएं, भूमि, वन, वन्य प्राणी, सागर, महासागर जैसी सभी चीजों को पृथ्वी शब्द के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए। क्योंकि, यह सब इस धरती पर अस्तित्व में शामिल हैं। ऐसे में पृथ्वी दिवस पर धरती के भूभाग के संरक्षण के साथ ही अपने वायुमंडल और सागरों-महासागरों की स्थिति पर भी गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (एसीसी) का महत्व आइए, अब लौटते हैं समुद्री जल-धाराओं के अपने अपने मूल विषय पर। 'द कन्वरसेशन' के एक अध्ययन के अनुसार, पृथ्वी की सबसे शक्तिशाली समुद्री धारा अंटार्कटिका के चारों ओर बहती है। इसे अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (एसीसी) कहते हैं। इसे वेस्ट विंड ड्रिफ्ट भी कहा जाता है। यह दुनिया की इकलौती ऐसी समुद्री जलधारा है, जिसका प्रवाह महाद्वीपों से बाधित नहीं होता। यह धरती के तीन सबसे बड़े महासागरों अटलांटिक, प्रशांत और हिंद महासागर के बीच पानी के आदान-प्रदान का मुख्य चैनल है। इस तरह यह धारा दुनिया के मौसम का मिजाज तय करने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और उसे ठीक रखने में मदद करती है। एक हालिया रिसर्च में पता चला है कि एसीसी का प्रवाह अगले 25 सालों में धीमा पड़ सकता है। इससे समुद्री जीवन और समुद्र के बढ़ते जल स्तर के साथ-साथ धरती की वातावरण से गर्मी सोखने की क्षमता पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 6073

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 5 | | | | 4 | | 6 | |
| 3 | | | | 6 | 8 | 2 | | |
| 4 | 6 | | | 9 | | | | 1 |
| | | | | | 1 | | 4 | |
| | 3 | 4 | | 5 | | 7 | 2 | |
| | 9 | | 2 | | | | | |
| 6 | | | | 8 | | | 7 | 9 |
| | | 9 | 3 | 2 | | | | 8 |
| | 7 | | 9 | | | | 5 | |

**नियम :** प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

### सुडोकू पहेली क्र. 6072

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 2 | 6 | 8 | 4 | 5 | 1 | 7 | 9 |
| 4 | 8 | 7 | 6 | 1 | 9 | 5 | 2 | 3 |
| 9 | 1 | 5 | 7 | 2 | 3 | 6 | 8 | 4 |
| 7 | 9 | 2 | 5 | 6 | 8 | 4 | 3 | 1 |
| 6 | 4 | 8 | 3 | 9 | 1 | 7 | 5 | 2 |
| 1 | 5 | 3 | 4 | 7 | 2 | 8 | 9 | 6 |
| 2 | 6 | 1 | 9 | 5 | 7 | 3 | 4 | 8 |
| 8 | 7 | 4 | 2 | 3 | 6 | 9 | 1 | 5 |
| 5 | 3 | 9 | 1 | 8 | 4 | 2 | 6 | 7 |

## वर्ग पहेली 6073

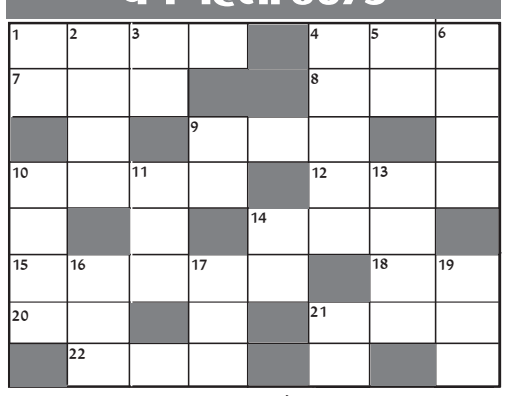

**संकेत: बाएं से दाएं**
1. पारसमणि फिल्म से सरगमी सफर शुरू करने वालों में से एक संगीतकार जिनका जन्म 3 सितंबर 1944 है (4)
4. 1971 को यह देश स्वतंत्र राष्ट्र बना (3)
7. जल से उत्पन्न वस्तु (3)
8. पवित्र, पाक, पापहीन (3)
9. कल्पवृक्ष, अमरतरू, कल्पतरू (4)
12. आदर देना, आज्ञा पालन करना (3)
14. तिरस्कृत, अनाहत, अपमानित (3)
15. कोलकाता से 150 किमी दक्षिण पूर्व सुंदरवन में स्थित प्रसिद्ध तीर्थ (5)
18. खिदमत, टहल, परिचर्या (2)
20. विद्युतपात, वज्राघात (2)
21. धैर्यहीन, अधीर, बेकरार (3)
23. एक स्त्री से प्रेम करने वाले दो व्यक्ति का परस्पर यह कहलाते है (3)

**संकेत: ऊपर से नीचे**
1. इसे मालवी में कांदा कहते है (2)
2. रेल लाईन (4)
3. शर्म, हया, लज्जा (2)
4. नरमुंडों की माला महनने के कारण भगवान शंकर का एक नाम (5)
5. तेरा या तेरी (संस्कृत)(2)
6. झंकृत होना, झंकार होना (4)
9. वृक्ष, पेड़, झाड़ (2)
10. इंदौर के संगीतज्ञ मनोहर पटवर्धन द्वारा विकसित वाद्य यंत्र (4)
11. टौंस नामक नदी, ऋक्ष पर्वत से निकल गंगा नदी में मिलने वाली नदी (3)
13. विश्वकर्मा के सुत नल द्वारा बनाया गया रामेश्वर के निकट समुद्र पर बंधा पुल (4)
14. धन संपत्ति, स्वर्ण (2)
16. भोजन में सलाद के रूप में उपयोग में आने वाले शिखाकंद, पिंडमूल (3)
17. निर्धन, कंगाल, दरिद्र (3)
19. न्यौछावर करना, उत्सर्ग करना (3)
21. किसी वस्तु को पाने का अल्प निश्चय (2)

### वर्ग पहेली 6072 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गु | ज | रा | त | | बे | रू | त |
| ल | ल | का | र | ना | | म | न |
| जा | ना | | स | म | ख | | ख्वा |
| री | | | | व | | | ह |
| ला | ला | अ | म | र | ना | थ | |
| ल | ल | क | ना | | म | ल | य |
| नं | | ब | ना | व | | च | |
| दा | य | र | | न | जी | र | |

## आज का राशिफल

### मेष
आज किस्मत आपको एक बड़ा संकेत दे रही है। प्रॉपर्टी से जुड़ा अटका काम अचानक सुलझ सकता है और समाज में आपकी पहचान चमक सकती है। दिल कह रहा है कुछ बड़ा करो और आप वही करने वाले हैं। लेकिन प्रेम में थोड़ी सावधानी जरूरी है, साथी को नजरअंदाज किया तो दूरी बढ़ सकती है। मां की सेहत चिंता दे सकती है, भागदौड़ बढ़ेगी। इच्छा पूरी होगी।

### वृष
भागदौड़ भरा दिन है, लेकिन राहत की बात कि मदद खुद चलकर आएगी। खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी है, नहीं तो बजट बिगड़ सकता है। अपने काम खुद करें, दूसरों पर भरोसा भारी पड़ सकता है। बच्चों पर नजर रखें, उनकी दिशा सही रखना आपकी जिम्मेदारी है। सरकारी काम में जल्दबाजी नहीं, सोच-समझकर कदम बढ़ाएं।

### मिथुन
आज का दिन आपके लिए मौके लेकर आया है। कोई नई खरीदारी दिल खुश कर देगी और परिवार में रिश्ते पहले से मजबूत होंगे। घर में नई शुरुआत चाहे वाहन हो या मरम्मत। शुभ संकेत दे रही है। लंबे समय से अटकी डील फाइनल हो सकती है। लेकिन सेहत को हल्के में लिया तो परेशानी बढ़ सकती है।

### कर्क
आज का दिन परीक्षा ले सकता है, लेकिन आप संभाल लेंगे। काम में फोकस बढ़ेगा और बॉस की नजर में आपकी वैल्यू भी। दिल में सहयोग की भावना रहेगी, जो आपको आगे बढ़ाएगी। छोटी-छोटी बातों का तनाव रहेगा, लेकिन परिवार के विवादों से राहत मिलेगी। लाइफस्टाइल में पॉजिटिव बदलाव दिखेगा। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है।

### सिंह
आज आत्मविश्वास आपका सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन मन में चल रही उलझनें आपको थोड़ा परेशान कर सकती हैं। प्लानिंग के साथ काम करेंगे तो जीत आपकी होगी। सेहत खासकर शुगर और बीपी को नजर अंदाज ना करें। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन खास है, मनचाहा रिजल्ट मिल सकता है। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है।

### कन्या
आज नौकरी वालों के लिए खुशखबरी है। नया पद या प्रमोशन मिल सकता है। लक्ष्य पर फोकस रखेंगे तो सफलता तय है। प्लानिंग के साथ काम करेंगे तो हर काम समय पर पूरा होगा। लेकिन सेहत को नजरअंदाज किया तो बड़ी समस्या बन सकती है। दिनचर्या सुधारेंगे तो लाइफ बैलेंस में आ जाएगी।

### तुला
आज सेहत पर बिल्कुल भी लापरवाही मत कीजिए। पेट से जुड़ी परेशानी आपको परेशान कर सकती है। नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है। बुलावा आ सकता है, लेकिन जल्दबाजी नुकसान दे सकती है। अपने राज किसी से शेयर ना करें, कोई फायदा उठा सकता है। फोकस बनाए रखेंगे तो रास्ता खुद बन जाएगा।

### वृश्चिक
सुबह की शुरुआत ही खुशखबरी लेकर आएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। पुराने झगड़े खत्म होंगे और काम की रफ्तार तेज होगी। जिम्मेदारियों को समय पर निभाकर आप सबका दिल जीत लेंगे। प्रमोशन की बात भी आगे बढ़ सकती है। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है।

### मकर
आज रिश्तों में पारदर्शिता जरूरी है। जीवनसाथी से कुछ भी छुपाना भारी पड़ सकता है। डूबा हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। राजनीति या नए काम में हाथ आजमाने का मन बनेगा। बिजनेस में ग्रोथ दिखेगी और पेंडिंग काम पूरे होंगे। पिता से बहस से बचें, नहीं तो बात बिगड़ सकती है। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है।

### कुंभ
आज का दिन आपको मुस्कुराने की वजह देगा। समस्याओं का हल मिलेगा और आर्थिक स्थिति सुधरेगी। नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है। कोई अच्छी खबर मिलेगी। नया वाहन लेने का सपना भी पूरा हो सकता है। बिजनेस में ग्रोथ दिखेगी और पेंडिंग काम पूरे होंगे। पिता से बहस से बचें, अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है।

### धनु
आज धैर्य ही आपकी असली ताकत है। मीठी वाणी से आप हर मुश्किल आसान कर सकते हैं। प्रॉपर्टी मामले में भाइयों से बात आगे बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए सफलता के दरवाजे खुल सकते हैं। स्कॉलरशिप तक मिल सकती है, लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी जरूरी है, वरना परेशानी हो सकती है।

### मीन
आज थोड़ा संभलकर चलना होगा। खर्चे बढ़ सकते हैं, इसलिए कंट्रोल जरूरी है। आपके काम आपको नई पहचान दिलाएंगे। बच्चे आपकी तरफ उम्मीद भरी नजरों से देखेंगे। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है। लेकिन एक शुभ समाचार आपका दिन बना देगा। पर मन फिर भी कुछ अधूरा महसूस करेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

# एक्टिंग नहीं छोड़ रहे हैं करण वाही

टीवी से वेब सीरीज का सफर तय करने वाले अभिनेता करण वाही 'रीमिक्स', 'दिल मिल गए', 'नेवर किस योर बेस्ट फ्रेंड' (सीजन 2) और 'चन्ना मेरेया' जैसे कई शो में अभिनय करने के बाद घर-घर में मशहूर हो गए। हाल ही में उन्होंने अपने आध्यात्मिक सफर और जीवन में कुछ देर बाद अपने विश्वासों तक पहुंचने के बारे में खुलकर बात की। सोशल मीडिया पर उनके ये बयान वायरल होने के बाद कई लोगों ने कयास लगाए कि करण अभिनय पूरी तरह छोड़ने वाले हैं। चर्चाओं के बढ़ने के बाद अब अभिनेता ने इसके पीछे की सच्चाई बताई है।

करण वाही ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट का जवाब दिया, जिसे बाद में हटा दिया गया था। उस पोस्ट में कहा गया था कि अभिनेता ने आध्यात्मिकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अभिनय से दूरी बनाने का फैसला किया है। इस पोस्ट को स्टोरी पर साझा करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, 'आध्यात्मिक होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे अपना काम छोड़ना होगा। कृपया वायरल होने के लिए अफवाहें न फैलाएं। संबंधित व्यक्ति से अनुरोध है कि इस पोस्ट को हटा दें और झूठ न फैलाएं। धन्यवाद।'

वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वाही को हाल ही में सोनी लिव पर स्ट्रीम करने वाली रोमांटिक थ्रिलर सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' (2024) में देखा गया था।

# अफेयर की चर्चाओं के बीच धनुष की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी मृणाल!

पिछले साल मृणाल ठाकुर और धनुष के रिश्ते को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही थीं। यहां तक कि दोनों की शादी तक कीं अफवाहें बी-टाउन की गलियों में फैली थीं। हालांकि, मृणाल ने कई बार इन्हें अफवाहें बताकर खारिज किया। अब एक बार फिर मृणाल और धनुष चर्चाओं में हैं, लेकिन इस बार वजह पर्सनल नहीं बल्कि प्रोफेशनल है। चर्चाएं हैं कि मृणाल ठाकुर धनुष के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में प्रमुख भूमिका में नजर आ सकती हैं।

## धनुष करेंगे फिल्म का निर्देशन

इंडिया टुडे में छपी एक खबर के मुताबिक, एक महिला प्रधान फिल्म पर काम चल रहा है और मृणाल ठाकुर को मुख्य भूमिका के लिए चुना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में महिला मुख्य कलाकार के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी और बातचीत अंतिम चरण में है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ अन्य खबरों के अनुसार, धनुष इस फिल्म का निर्देशन कर सकते हैं, जो 1960 या 1970 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

## उड़ी थीं मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें

धनुष और मृणाल ठाकुर के बारे में अफवाहें पिछले साल अगस्त 2025 से फैलनी शुरू हुई थीं। जब दोनों को मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर एक साथ देखा गया। इससे पहले धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में भी मृणाल ठाकुर की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा था। सोशल मीडिया पर धनुष के परिवार के सदस्यों को फॉलो करते हुए मृणाल के देखे जाने के बाद अटकलें और तेज हो गईं। बाद में मृणाल ठाकुर ने अपनी फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान अपनी शादी की अफवाहों को खारिज किया था। उन्होंने इन चर्चाओं को सिर्फ अफवाह बताया था।

## इस फिल्म में नजर आएंगे धनुष

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल हाल ही में आदिवी शेष के साथ फिल्म 'डकैत' में नजर आईं। इस एक्शन रोमांटिक ड्रामा को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही। वहीं धनुष अपनी अगली फिल्म 'कारा' की तैयारी में जुटे हैं, जो 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

# जैकी भगनानी न रकुल प्रीत सिंह से शादी के कारणों आपसी बॉन्डिंग को लेकर बात की

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के क्यूट कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर साथ में कपल गोल देते रहते हैं। हाल ही में जैकी भगनानी ने अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि शादी के बावजूद वह अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप की तरह मानते हैं। साथ ही जैकी ने आपस की बॉन्डिंग को लेकर भी बात की। हाल ही में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने शादी के कारणों और अपने रिश्ते में आए बदलावों के बारे में बात की। जैकी ने बताया कि हमने एक-दूसरे से कहा कि अब हम 20-21 साल के नहीं हैं। हम दोनों ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से खुशमिजाज इंसान हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश नहीं कर रहा जो मेरे जीवन की कमी को पूरा कर सके, क्योंकि अगर मैं उदास रहूंगा, तो चाहे कोई भी मेरे जीवन में आए, मैं उदास ही रहूंगा। तुम भी व्यक्तिगत रूप से खुश हो। साथ में हम और भी खुश हैं। इस पर रकुल ने कहा कि वे एक-दूसरे के जीवन की कमी को पूरा कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि तुम मुझे छुट्टी पर नहीं ले गए, इसलिए मैं दुखी हूं। मैं अकेले भी छुट्टी पर जा सकती हूं। मुझे लगता है कि जीवन में बात करने के लिए और भी महत्वपूर्ण बातें हैं।

इस दौरान जैकी ने कहा कि रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, क्योंकि शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उससे हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं स्पीकरफोन पर बात करने में जरा भी संकोच नहीं करता। यह जताते हुए कि मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। मैं कुछ भी नहीं छिपाता, इसलिए मुझे घुटन महसूस नहीं होती।

# घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं अकेलापन महसूस करने लगी थी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, ''पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।''

उन्होंने कहा, ''दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।''

अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।''

# अपना काम ईमानदारी से करना ही हीरोइज़्म है

थिएटर की दुनिया से मनोरंजन जगत में आए विजय वर्मा के लिए एक्टिंग की राह बिलकुल भी आसान नहीं थी। अपने हिस्से का संघर्ष तो उन्हें भी करना ही पड़ा। छोटी-छोटी भूमिकाओं के बाद जब उन्हें मेन रोल मिले, तो उन्होंने अपनी एक्टिंग और परफॉर्मेंस से खास जगह बना ली। 'दहाड़' का साइको किलर हो या 'गुस्ताख इश्क' का शायर आशिक, विजय अपनी भूमिकाओं को यादगार बनाते चले गए हैं। 'गली बॉय' के विजय आज मेकर्स की पसंद बन चुके हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' से। हाल ही में सोशल मीडिया पर विजय वर्मा की शादी को लेकर एक बार फिर चर्चा होने लगी है। हमने उनसे पूछा कि सलमान खान के बाद अब आपकी शादी की फिक्र कर रहे हैं लोग। आपकी मम्मी भी आपके पास आई हुई हैं, क्या शादी को लेकर पारिवारिक दबाव है? इस पर वह हंस देते हैं और कहते हैं, 'बिलकुल। मेरी मम्मी भी शादी को लेकर मेरे पीछे पड़ी रहती हैं, मगर अब वह बोल-बोल कर थक चुकी हैं। अब ज्यादा बोलती नहीं। जहां तक सलमान साहब की बात है, तो जब वह शादी कर लेंगे, तो मैं उसके बाद कर लूंगा।'

सीरीज हो या फिल्में आज नायक की परिभाषा बदल गई है। विजय वर्मा जैसे कलाकारों ने अपनी अभिनय अदायगी से अपने किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। हीरोइज़्म को परिभाषित करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए हीरोइज़्म वो है, जो खुद के हित के लिए नहीं बल्कि बड़े हित के लिए काम करे। जैसे मेरे अलावा किसी और का भी भला हो। मैं मानता हूं कि अपना काम भी ईमानदारी से करना भी हीरोइज़्म है। जैसे मेसी जब फुटबॉल खेल रहा होता है, तो पूरी दुनिया उसके लिए गायब हो जाती है और उसका पूरा ध्यान अपने खेल में होता है। जिस नशे और पागलपन से वह अपनी बॉल को गोल तक ले जाता है, वह भी तो एक तरह का हीरोइज़्म है।'

## कट्टरपंथी हवा से लोग दबा-कुचला महसूस करते हैं

विजय मानते हैं कि कट्टरपंथ के कारण लोग प्रभावित हो रहे हैं। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं लगता इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी है। मगर हां इन दिनों एक एंटी वोक (कट्टरपंथी) सेंटिमेंट खूब चल रहा है। इसके कारण लोग बहुत ही दबा-कुचला हुआ महसूस कर रहे हैं कि क्या बोलें, क्या करें और क्या न करें? क्या सोचें, क्या न सोचें? उसका एक प्रतिशोध मैं महसूस कर रहा हूं न सिर्फ इंडिया में बल्कि पूरी दुनिया में। दूसरे देश में एक ऐसे लीडर भी बैठे हैं, जो इसे रीप्रेजेंट भी करते हैं। मुझे लगता है, समाज में जो चल रहा है, उसी का रिफ्लेक्शन आपको फिल्मों मिलेगा।'

## इंडस्ट्री में अनिश्चितता है टॉक्सिसिटी नहीं

हाल ही में एक अवॉर्ड शो में एक जाने -माने स्टैंड-अप कॉमेडियन ने अपने 'धुरंधर' जोक से इंडस्ट्री की भीतरी ईर्ष्या पर तंज किया। पिछले दिनों भी इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी को लेकर खूब बहस चली। अनुराग कश्यप जैसे निर्देशक तो मुंबई से शिफ्ट ही हो गए। इस मुद्दे पर विजय कहते हैं, 'मुझे लगता है अनसर्टेनिटी है, डर है कि क्या चलेगा क्या नहीं क्योंकि स्टेक्स बढ़ गए हैं। मुझे याद है एक समय में तीन-चार करोड़ में स्मॉल बजट फिल्म बन जाती थी। आज की तारीख में मैं जब प्रोडयूसर से बात करता हूं, तो छोटे बजट की फिल्मों की बात 15-20 करोड़ तक जाती है। अब इसमें मार्केटिंग और पीएनए को जोड़ दिया जाए, तो फिल्म का बजट 30-35 करोड़ तक चला जाता है। आज फिल्म निर्माण का गणित अचानक से बदल गया है। उस हिसाब से कुछ कॉन्सेप्ट्स ऐसे हैं नहीं, जिन पर इतना खर्च किया जाए, पर करना पड़ रहा है। कुछ सब्जेक्ट्स ऐसे हैं, जिन पर काफी खर्च करना पड़ेगा, मगर उनकी रिकवरी की गारंटी नहीं है। इन मुद्दों के कारण अनिश्चितता बढ़ जाती है।'

## संक्षिप्त समाचार

### नोएडा प्राधिकरण पीपीपी मॉडल पर बनाने जा रहा 4 लेबर हॉस्टल

नोएडा, एजेंसी। शहर में श्रमिकों के हिंसक आंदोलन के बाद नोएडा प्राधिकरण उनके लिए

सस्ते आवास के रूप में लेबर हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध कराने जा रही है। यहां उनको कम दाम में रहने, खाने-पीने की सुविधा मिलेगी। इसके लिए चार लेबर हॉस्टल बनाए जाएंगें। दो हॉस्टल का निर्माण प्राधिकरण खुद करेगा। इसे पीपीपी मॉडल पर तैयार कराया जाएगा जबकि दो हॉस्टल का निर्माण श्रम विभाग के श्रम कल्याण बोर्ड के साथ ज्वाइंट वेंचर के तहत होगा। चारों हॉस्टल एक-एक एकड़ पर बनेंगे। इसके लिए औद्योगिक एरिया में फैसिलिटी के भूखंड के रूप में जमीन चिह्नित कर ली गई है। प्रत्येक की क्षमता करीब एक हजार श्रमिकों की होगी। इन सभी हॉस्टल को नोएडा के औद्योगिक सेक्टर में बनाया जाएगा। इससे औद्योगिक इकाइयों तक जाने में श्रमिकों की होगी, इससे उन्हें आने जाने के कनवेंस खर्च से भी मुक्ति मिल जाएगी। बता दें कि औद्योगिक संगठन नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन लंबे से मांग रहा है कि श्रमिकों के लिए सस्ते आवास मुहैया कराए जाए। प्राधिकरण ने इसका हल हॉस्टल के रूप में निकाला है। इससे करीब चार हजार श्रमिकों को फायदा होगा। भविष्य में आवासीय योजना भी निकाली जा सकती है। प्राधिकरण ने दो और भूखंडों को चिह्नित किया है। यह दोनों प्लाट रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (आरएंडडी) के लिए होंगे। इसको कंपनी को आवंटित किया जाएगा। इसमें औद्योगिक जगत में हो रही नई क्रांतियों पर रिसर्च की जाएगी। इसके अलावा दो कौशल विकास के लिए भूखंड चिह्नित किए गए हैं।

### गुरुग्राम में तोड़फोड़ के मलबे के निस्तारण पर निगम की सख्ती

गुरुग्राम, एजेंसी। शहर में चल रही तोड़फोड़ कार्रवाई के बीच निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडी

वेस्ट) कचरे के निस्तारण को लेकर नगर निगम ने सख्ती बढ़ा दी है। निगम आयुक्त की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी संबंधित विभाग और अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि तोड़फोड़ के दौरान निकलने वाला मलबा निर्धारित स्थान पर ही डाला जाए। इस संबंध में जिला नगर योजनाकार (एन्फोर्समेंट) को भी निर्देश भेजे गए हैं ताकि नियमों का पालन हर स्तर पर सुनिश्चित किया जा सके। पत्र में कहा गया है कि कचरा उत्पन्न करने वाले को इसे निर्धारित प्रोसेसिंग प्लांट या कलेक्शन सेंटर पर जमा कराना होगा। गुरुग्राम में इसके लिए निगम द्वारा बसई क्षेत्र में सीएंडडी वेस्ट प्रोसेसिंग सुविधा स्थापित की गई है, जहां मलबे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया जाता है। निगम अधिकारियों के अनुसार शहर में चल रही विभिन्न अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्रवाई के चलते बड़ी मात्रा में मलबा निकल रहा है। ऐसे में यदि इसका समय पर और सही तरीके से निस्तारण नहीं हुआ तो यह न केवल शहर की स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करेगा बल्कि पर्यावरण के लिए भी खतरा बन सकता है।

# साहिबाबाद में खाली प्लॉट पर कॉमर्शियल कनेक्शन देने वालों की खैर नहीं, जिम्मेदारों पर गाज गिरनी तय

**साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी।** कनावनी की झुग्गियों में बिजली आपूर्ति के लिए खाली प्लाट में लगाए गए कॉमर्शियल पोस्टपेड मीटर कमेटी की जांच में भी अवैध पाए गए हैं। अब विद्युत निगम के उच्चाधिकारियों ने उन अधिकारियों पर कार्रवाई करने के लिए कुंडली खंगालने की तैयारी कर ली है, जिन्होंने यहां खाली प्लॉट में कॉमर्शियल कनेक्शन दे दिए थे। इसके लिए जांच कमेटी को भी आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, खाली प्लाट में लगाए गए मीटरों की बिजली काट दी है। 23 अप्रैल को विद्युत निगम के अधिकारियों द्वारा खाली प्लाट में कॉमर्शियल कनेक्शन देने के मामले को प्राथमिकता से प्रकाशित किया था। मुख्यालय स्तर से खबर का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच कराने के आदेश विद्युत निगम के स्थानीय अधिकारियों को दिए हैं। इस पर अधीक्षण अभियंता अखिलेश सिंह ने कमेटी को आदेश देते हुए कहा कि कॉमर्शियल कनेक्शन देने के बिंदु को भी जांच में शामिल किया जाए। इसमें देखा जाए कि जब यहां कनेक्शन दिए गए थे किस पद पर कौन अधिकारी तैनात था। एक्सईएन, एसडीओ और जेई कौन थे। उनके नामों की सूची तैयार की जाए। यह भी देखा जाएगा कि

कॉमर्शियल कनेक्शन देते समय यहां कौन सी व्यावसायिक गतिविधि संचालित दिखाई गई थी। क्या उस समय कोई व्यावसायिक गतिविधि संचालित थी या फिर फर्जी रिपोर्ट लगाकर ही कनेक्शन जारी कर दिए गए। इन सभी बिंदुओं की जांच करते हुए रिपोर्ट मांगी है।

**नोटिस भेज लिया जाएगा स्पष्टीकरण:** अधीक्षण अभियंता ने बताया कि जांच में जो भी अधिकारी कॉमर्शियल मीटर देने के लिए जिम्मेदार पाए जाएंगे उन्हें नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं मिलने पर उन अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए मुख्यालय को रिपोर्ट भेजी जाएगी। उनका कहना है कि जो भी जिम्मेदार होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा। पूरी पारदर्शिता के साथ लोगों तक बिजली पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। इंदिरापुरम स्थित कनावनी की 1500 से अधिक झुग्गियों में अवैध तरीके से बिजली बेचने का खेल किया जा रहा। इसके लिए विद्युत निगम के कुछ अधिकारियों ने फर्जी तरीके से खाली प्लाट में ही बिजली के कनेक्शन दे दिए, जो पूरी तरह से गलत है। साथ ही एलटी लाइन व ट्रांसफार्मर में सीधे तार लगाकर भी बिजली बेचने का अवैध खेल चलता पाया गया। मामले की जांच कमेटी कर रही है। हर माह अवैध तरीके से बेची जा रही बिजली 30 लाखनिगम को हर माच राजस्व का नुकसान पहुंचा रहे 36.75 लाख इतने वर्ष से चल रहा अवैध वसूली का खेल 10 'जिन अधिकारियों के कार्यकाल में खाली प्लॉट में कॉमर्शियल कनेक्शन दिए गए थे।

## दिल्ली-करनाल रूट पर दौड़ेगी नमो भारत ट्रेन, यूटिलिटी कार्य शुरू; इंद्रप्रस्थ और कश्मीरी गेट पर बनेगा इंटरचेंज स्टेशन

चंडीगढ़, एजेंसी। दिल्ली से मेरठ रूट पर दौड़ रही नमो भारत ट्रेन दो साल के अंदर दिल्ली से पानीपत होते हुए करनाल तक भी चलने लगेगी। योजना की मंजूरी केंद्रीय कैबिनेट से मिलने के बाद नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एनसीआरटीसी) ने प्रस्तावित रुट का प्रारंभिक कार्य आरंभ कर दिया है। सीवर, पेयजल तथा बिजली लाइन शिफ्ट करने का ठेका एजेंसियों को दे दिया गया है। करीब तीन माह के अंदर यूटिलिटी कार्य पूरे करने की संभावना है। इसके बाद 136 किलोमीटर लंबे रूट पर ट्रैक बिछाने का काम आरंभ होगा। योजना के लिए रकम पहले ही जारी हो चुकी है। रूट के लिए केंद्र और राज्य ने 75- 25 के अनुपात में रकम खर्च करने पर सहमति बनी है। हरियाणा के लिए नमो भारत ट्रेन का यह दूसरा रूट होगा, पहला रूट दिल्ली के सराय कालेखां से रेवाड़ी के बावल तथा उसके बाद वहां से अलवर तक के लिए प्रस्तावित है। दिल्ली के सराय कालेखां से करनाल रूट के लिए दिल्ली में इंद्रप्रस्थ तथा कश्मीरी गेट मेट्रो अलग-अलग लाइन से रूट कनेक्ट होगा इसके लिए दोनों जगह पर इंटरचेंज स्टेशन बनाया जाएगा। कश्मीरी गेट पर बस अड्डे को भी जोड़ा जा रहा है। जिसके बाद दिल्ली के एक बड़े हिस्से से लोग हरियाणा के सोनीपत-पानीपत तथा करनाल तक आ जा सकेंगे।

# कश्मीर से लोकल आतंकियों का सफाया, बाहरी अब भी मौजूद; भर्ती में भारी गिरावट

**कश्मीर, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की रणनीति में व्यापक और निर्णायक बदलाव देखने को मिले हैं। बदलते हालात के अनुरूप अब सुरक्षा एजेंसियों ने अपने ऑपरेशन का फोकस शहरी इलाकों से हटाकर जंगलों और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों की ओर केंद्रित कर दिया है। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं की आतंकी संगठनों में भर्ती में भारी गिरावट दर्ज की गई है। यह सुरक्षा दृष्टि से एक महत्वपूर्ण संकेत है। एक अधिकारी ने कहा स्थानीय आतंकी न के बराबर हैं। इक्का-दुक्का भर्तियों की सूचना पर भी तुरंत नकेल कसी जाती है। हालांकि विदेशी आतंकियों की संख्या अब भी 65 के आसपास है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार वर्तमान में घाटी और जम्मू क्षेत्र में सक्रिय स्थानीय आतंकियों की संख्या बेहद सीमित रह गई है। कुल मिलाकर केवल

कुछ ही स्थानीय युवक आतंकी संगठनों से जुड़े हुए हैं, जबकि विदेशी आतंकियों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक बनी हुई है। यह बदलाव इस बात को दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर आतंकवाद के प्रति समर्थन में कमी आई है।

एक अधिकारी ने कहा हम कट्टरपंथ की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। आतंकी भर्ती के साथ आतंकी सपोर्ट सिस्टम को भी पूरी तरह खत्म करने की मुहिम चलाई जा रही है, क्योंकि अभी भी घाटी में आतंकी गुटों से सहानुभूति रखने वाले और उनको समर्थन मुहैया कराने वाले तत्व मौजूद हैं।

### हिमाचल में गर्मी के कड़े तेवर, कांगड़ा में टूटा चार साल का रिकॉर्ड; ऊना में पारा 41 के पार

*शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को गर्मी के कड़े तेवरों के कारण मैदानों के साथ पहाड़ तपने लगे हैं। वर्ष 2022 के बाद कांगड़ा में अप्रैल माह में 24 अप्रैल को सबसे गर्म दिन रहा। कांगड़ा का अधिकतम तापमान 0.8 डिग्री की वृद्धि के साथ 37.2 डिग्री दर्ज किया गया। जो सामान्य से आठ डिग्री अधिक रहा। 30 अप्रैल 2022 को कांगड़ा में 39 डिग्री दर्ज किया गया था। ऊना में 1.4 डिग्री के साथ 41.4 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 6 डिग्री अधिक रहा। हालांकि बीते वर्ष 42 डिग्री दर्ज किया गया था। प्रदेश के छह जिलों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री से अधिक रहा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार को प्रदेश के पांच जिलों चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू व शिमला में 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चलने ओर बिजली गिरने को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान ऊंचे क्षेत्रों में कुछ एक स्थानों पर हिमपात व वर्षा की संभावना जताई गई है। इन दिनों मैदानी क्षेत्रों में गेहूं की कटाई का काम चल रहा है, जिसके कारण आगामी दिनों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से आंधी चलने और वर्षा के कारण गेहूं की कटाई पर असर हो सकता है।*

### ईमानदार राहगीर अमित होंगे सम्मानित

# हाईवे पर नोटों की बारिश का खुला राज, थाने पहुंचे युवक ने चार लाख पर किया दावा

**शामली, एजेंसी।** मेरठ-करनाल हाईवे पर बुधवार को हुई 'नोटों की बारिश' का रहस्य अब सुलझ गया है। सड़क पर बिखरी चार लाख रुपये की नकदी का दावेदार सामने आ गया है। दो युवकों ने कोतवाली पहुंचकर इस रकम पर अपना दावा पेश किया। पुलिस अब युवक के बयानों और बैंक दस्तावेजों का सत्यापन कर रही है, जिसके बाद यह रकम उन्हें सौंपी जाएगी। कोतवाली पहुंचे युवक ने अपनी पहचान सागर, निवासी करनाल (हरियाणा) के रूप में दी है। सागर ने पुलिस को बताया कि वह करनाल में एक बैंक की सहयोगी कंपनी में एजेंट के रूप में काम करता है। बुधवार को उसने बैंक से चार लाख रुपये की नकदी निकाली थी, जो उसे बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर) में अपने एक साथी एजेंट को देनी थी।

सागर के मुताबिक, वह बाइक पर सवार होकर करनाल से बुढ़ाना के लिए निकला था। उसने रुपयों से भरा बैग अपनी पीठ पर लटका रखा था, लेकिन जल्दबाजी में वह बैग की चेन बंद करना भूल गया। सफर के दौरान बाइक की रफ्तार और हवा के दबाव के कारण बैग से नोटों की गड्डियां एक-एक कर सड़क पर गिरती गईं। सागर अपनी धुन में बाइक चलाता रहा और उसे

इस बात का अहसास तक नहीं हुआ कि उसकी मेहनत की कमाई हाईवे पर बिखर चुकी है।

**पुलिस कर रही है दावों का सत्यापन:** शामली के एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि युवक के दावे के बाद एक पुलिस टीम को तफ्तीश के लिए करनाल भेजा गया है। पुलिस यह सुनिश्चित करना चाहती है कि जो नोट बरामद हुए हैं, उनका मिलान बैंक से निकाली गई रकम की पर्चियों और सीरियल नंबर से हो जाए। गड्डियों पर बैंक की जो मोहर और पर्ची लगी है, वह सागर के दावों को मजबूती दे रही है। एसपी ने स्पष्ट किया कि पूर्ण सत्यापन और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही मालखाने में जमा यह रकम असली मालिक को दी जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम में मुजफ्फरनगर के खरड़ निवासी अमित कुमार की ईमानदारी की हर तरफ चर्चा हो रही है। हाईवे पर लाखों रुपये बिखरे देख भी अमित का ईमान नहीं डोला और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। उनकी इसी सतर्कता के कारण चार लाख की रकम सुरक्षित बरामद हो सकी। पुलिस विभाग ने घोषणा की है कि अमित को उनकी इस मिसाल कायम करने वाली ईमानदारी के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। रुपयों को सड़क पर देखने के बाद अमित ने ही पुलिस को फोन कर सूचना दी थी।

# मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, 3 लोगों की मौत; इस बार नागा और कुकी की लड़ाई

**इंफाल, एजेंसी।** मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जिससे राज्य में तनाव और गहरा गया है। गौरतलब है कि मणिपुर पहले से ही मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष से जूझ रहा है। अब उखरुल में नगा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा की खबर सामने आ रही है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शुक्रवार तड़के उखरुल जिले के सीनाकेइथेई गांव के पास तांगखुल नगा और कुकी समुदाय के सशस्त्र समूहों के बीच भीषण गोलीबारी शुरू हुई। इस हिंसक झड़प ने जिले के शांतिपूर्ण माहौल को पूरी तरह बिगाड़ दिया है।

### सीनाकेइथेई में तांगखुल युवक की मौत

इस झड़प में 29 वर्षीय तांगखुल युवक होरशोकमी जमांग की मौत हो गई। वह कामजोंग जिले के चाट्रिक खुलेन गांव का निवासी था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस गोलीबारी में तीन नागरिक भी घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। नगा संगठन तांगखुल नगा लॉन्ग ने आरोप लगाया है कि सोओ के तहत आने वाले कुकी उग्रवादियों

की गतिविधियों के कारण क्षेत्र में अशांति थी। संगठन का दावा है कि जब नगा विलेज गार्ड गश्त पर थे तब कुकी उग्रवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला किया। मुल्लम गांव में दो कुकी युवकों की मौत

पहली घटना के कुछ ही देर बाद पास के मुल्लम गांव में एक और गोलीबारी हुई। मुल्लम एक कुकी बहुल गांव है। इस झड़प में मारे गए दो लोगों की पहचान लेतलाल सितल्हो (जेम्स कुकी) और पाओमिनलुन हाओलाओ (हितलाल कुकी) के रूप में हुई है। ये दोनों कांगपोकपी जिले के रहने वाले थे। मुल्लम ग्राम प्राधिकरण ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे तांगखुल उग्रवादियों ने उनके गांव पर हमला किया। कुकी ऑर्गेनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट ने इन हत्याओं की कड़ी निंदा की है और दावा किया है कि मुल्लम और सोंगफाल गांवों में घर भी जलाए गए हैं।

उखरुल जिला मुख्य रूप से तांगखुल नगा बहुल क्षेत्र है। फरवरी 2026 से यहां तांगखुल और कुकी समुदायों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। पिछले सप्ताह भी उखरुल में उग्रवादियों के हमले में दो तांगखुल व्यक्ति मारे गए थे। उसी दिन सीनाकेइथेई में भी गोलीबारी की घटना हुई थी। क्षेत्र में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। पुलिस और जिला प्रशासन स्थिति को नियंत्रण में करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन समुदायों के बीच गहराता अविश्वास शांति बहाली की राह में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है।

# नीमराना में कबाड़ के गोदाम में आग लगने से 7 साल की बच्ची समेत 4 लोग जिंदा जले

**कोटपूतली, एजेंसी।** कोटपूतली जिले के नीमराना इलाके में शनिवार रात एक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगने से 7 वर्षीय बच्ची सहित चार लोगों की मौत हो गई। भीषण आग और उसके बाद हुए विस्फोट से दहशत फैल गई थी।

पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने बताया, 'चारों शव बरामद कर लिए गए हैं और पूरे इलाके की गहन तलाशी पूरी हो चुकी है। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल पर अपनी जांच शुरू कर दी है। आग लगने के सटीक कारण का पता लगाया जा रहा है।' यह घटना मोहलाडिया गांव के बिचपुरी रोड पर स्थित एक गोदाम में हुई, जहां खाली इत्र की बोतलों सहित बड़ी मात्रा में कबाड़ सामग्री जमा थी। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के समय परिसर के अंदर काम कर रहे कई मजदूर फंस गए थे। एक नाबालिग लड़की सहित चार लोग जलकर मर गए, जिनके शवों को बाद में सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग की लपटें तेजी से उसी परिसर में स्थित एक सटे हुए प्लास्टिक ग्रेन्यूल निर्माण इकाई में फैल गई। इस दौरान कारखाने में हुए एक जोरदार विस्फोट ने आग को और भी भयंकर बना दिया, जिससे औद्योगिक क्षेत्र और आसपास की रिहायशी बस्तियों से सटे इलाके में दहशत फैल गई।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, श्रमिकों ने भागने की कोशिश की, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए क्योंकि गोदाम

के गेट पर खड़ी एक ट्रक में आग लग गई और उसने निकलने का रास्ता बंद कर दिया। अंदर फंसे हुए श्रमिकों ने बगल की ओर जाने के लिए चारदीवारी फांदने की कोशिश की, लेकिन उसकी ऊंचाई के कारण वे असफल रहे और कई लोगों की जान चली गई।

नीमराना, घिलोथ और जापानी क्षेत्र से कई दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

बचाव और जांच कार्यों में सहायता के लिए एसडीआरएफ (सैन्य रक्षा बल) और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीमें भी तैनात की गईं। जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों सहित वरिष्ठ अधिकारी राहत कार्यों की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों को आशंका है कि घटना के समय और भी मजदूर अंदर मौजूद हो सकते हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

दरअसल, स्थानीय लोगों ने बताया कि इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक दो लोग लापता थे। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और डीएनए सैंपल लिए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने का सही कारण अभी तक अज्ञात है। हालांकि, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि गोदाम और कारखाने में पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था का अभाव था, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई होगी।

# नोएडा में 4 रूट पर 50 इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी, किन रूटों पर कितनीं बसें

**नोएडा, एजेंसी।** नोएडा में चार रूट पर 50 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। इनमें किराया यूपी रोडवेज निगम की तरफ से निर्धारित दरों के हिसाब से लिया जाएगा। सेक्टर-90 डिपो में बसों के लिए 20 चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। बसों के चलने में तीन-चार महीने का समय लगेगा।

प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने बताया कि बसों को चलाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के साथ समन्वय कर लिया गया है। इनको सिटी बस के तौर पर चलाया जाएगा। सभी बसों को सेक्टर-90 डिपो से चलाया जाएगा। इनके लिए सेक्टर-90 में बस डिपो, ई-चार्जिंग प्वाइंट, बस सर्विस स्टेशन, ड्राइवर-कंडक्टर वर्कशॉप आदि मुख्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इन बसों का संचालन उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा अपनी निर्धारित टिकट दरों पर किया जाएगा। बसों के संचालन पर होने वाले वीजीएफ-वायबिलिटी गेप फंड-का भुगतान प्राधिकरण करेगा। सेक्टर-38ए बॉटनिकल गार्डन से गोल्फ कोर्स, सेक्टर-32 सिटी सेंटर, सेक्टर-51 होशियारपुर होते हुए पर्थला चौक और फिर वहां से किसान चौक होते हुए ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक मूर्ति तक। सेक्टर-38ए बॉटनिकल

गार्डन से सेक्टर-32 सिटी सेंटर, सेक्टर-71 चौराहे से बाएं मुड़कर सेक्टर-61 मेट्रो स्टेशन के नीचे विश्वकर्मा रोड से सेक्टर-62 गोल चक्कर तक। वापसी में इसी रूट पर विश्वकर्मा रोड से बसें सेक्टर-75 के सामने से होकर बरौला तिराहे से बाएं मुड़कर भंगेल सूरजपुर कलेक्ट्रेट तक जाएंगी। सेक्टर-38ए बॉटनिकल गार्डन से सेक्टर-75, 76, 77 से सेक्टर-101 से दादरी-सूरजपुर-छलेरा रोड होते हुए सूरजपुर कलेक्ट्रेट तक बसों की संख्या- 8 वैकल्पिक रूट के लिए छह बसें होंगी।

खेल जगत से आई दुखद खबर

# बुझ गया हॉकी का चमकता सितारा, नहीं रहे 1968 ओलंपिक के नायक गुरबक्स सिंह ग्रेवाल

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय हॉकी के स्वर्णिम युग के गवाह और 1968 के मेक्सिको ओलंपिक में तिरंगा लहराने वाले दिग्गज खिलाड़ी गुरबक्स सिंह ग्रेवाल का शुक्रवार को निधन हो गया। उन्होंने पंजाब में मोहाली जिले के जिरक पुर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

बता दें कि गुरबख्श सिंह ग्रेवाल ने अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ मिलकर इतिहास रचा था जब दोनों सगे भाइयों ने एक साथ ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह उपलब्धि भारतीय हॉकी के इतिहास में एक अनोखा कीर्तिमान मानी जाती है। वह पश्चिम रेलवे में वरिष्ठ खेल अधिकारी के रूप में भी कार्यरत रहे और खिलाड़ी के साथ-साथ प्रशासक के रूप में भी उन्होंने खेल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वहीं सुरजीत हॉकी सोसाइटी के पदाधिकारी इकबाल सिंह संधू ने ग्रेवाल के निधन पर शोक जताते हुए इसे हॉकी जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। विभिन्न खेल और सामाजिक संगठनों ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

# न्यूजीलैंड की दिग्गज ऑलराउंडर सूजी बेट्स ने किया संन्यास का ऐलान

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड की महान खिलाड़ी सूजी बेट्स ने महिला टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। टूर्नामेंट का आगाज 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में होगा। इसमें 38 वर्षीय बेट्स के पास अपने देश के लिए खेले 362 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मौजूदा संख्या में और कुछ मैच जोड़ने का आखिरी मौका मिलेगा।

सूजी बेट्स जून में शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप में अपनी टीम को लगातार दूसरा खिताब दिलाने का लक्ष्य रखेंगी। व्हाइट फर्न्स को ग्रुप-बी में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के साथ रखा गया है।अपने शानदार करियर पर बात करते हुए बेट्स ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, जब मैं पिछले 20 से ज्यादा वर्षों पर नजर डालती हूं, तो मुझे यकीन ही नहीं होता कि समय इतनी तेजी से कैसे बीत गया। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैंने इतनी बार फर्न (न्यूजीलैंड टीम का प्रतीक) पहना है। इस टीम

के लिए हर दिन एक बेहतर इंसान, टीममेट, क्रिकेटर और एथलीट बनने की कोशिश करने में मुझे बहुत मकसद और खुशी मिली है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सूजी बेट्स के हवाले से कहा, मेरे सभी टीममेट्स और कोचों के प्रति मेरी कृतज्ञता को शब्दों में पूरी तरह से बयां नहीं किया जा सकता। मेरा एक आखिरी मिशन है- यूके जाना...एक ऐसी जगह जहां मेरी बहुत सारी खास यादें जुड़ी हैं और एक और वर्ल्ड कप जीतना।

## कैसा रहा करियर?

बेट्स ने सभी फॉर्मेट में कुल मिलाकर 14 शतक लगाए और 145 विकेट लिए हैं। यह ऑलराउंडर हाल के समय के सबसे शानदार रिकॉर्ड्स में से एक के साथ खेल को अलविदा कहेंगी। उन्होंने साल 2006 में भारत के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से अपने देश के लिए लगातार उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन किया है। बेट्स ने 2011 से 2018 के बीच न्यूजीलैंड की कप्तानी भी की। साल 2013 में उन्हें आईसीसी विमेंस वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। उस साल भारत में हुए विश्व कप में उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी थीं। इसके अलावा, 2016 में भी उन्हें आईसीसी विमेंस वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर और आईसीसी विमेंस टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। यह वह दौर था, जब उन्होंने दोनों ही फॉर्मेट में द्विपक्षीय क्रिकेट में अपना दबदबा बनाए रखा था।

हाल के समय में, जब टीम की नियमित कप्तान सोफी डिवाइन टीम से बाहर रही हैं, तब बेट्स ने कप्तान की जिम्मेदारी भी संभाली है। टीम के नजरिए से उनका सबसे यादगार पल तब आया, जब टी20 वर्ल्ड कप 2024 एडिशन इस टीम ने जीता था। इस दाएं हाथ की बल्लेबाज ने अपनी टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाए थे।

# श्रीसंत ने हरभजन सिंह को इंस्टाग्राम पर ब्लॉक किया

बोले- थप्पड़ कांड पर विज्ञापन बनाकर पैसे कमाए, उनके साथ अब मेरा कोई रिश्ता नहीं

**मुंबई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के दो पूर्व खिलाड़ियों, एस श्रीसंत और हरभजन सिंह के बीच 2008 का 'थप्पड़ कांड' फिर चर्चा में है। 16 साल पुराने इस विवाद ने दोनों के रिश्ते खत्म कर दिए हैं। श्रीसंत ने खुलासा किया कि उन्होंने हरभजन सिंह को सोशल मीडिया पर ब्लॉक कर दिया है और अब कोई संबंध नहीं रखना चाहते।

केरल के मीडिया हाउस 'मातृभूमि' को दिए इंटरव्यू में श्रीसंत ने कहा, 'मैंने आज तक किसी इंटरव्यू में भज्जी (हरभजन) के बारे में बात नहीं की, यह पहली बार है। कुछ समय पहले तक सब ठीक था, लेकिन उन्होंने उस विवाद पर फिर से एक विज्ञापन बनाया। उन्होंने इसके लिए करीब 80 लाख से 1 करोड़ रुपए लिए। इसके बाद उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि मैं अपने सोशल मीडिया पर इस विज्ञापन को लेकर स्टोरी पोस्ट करूं।'

**रिपब्लिक डे पर विज्ञापन जारी किया गया था** – यह विज्ञापन जनवरी 2026 में एक मार्केटिंग ऐप की गणतंत्र दिवस सेल के लिए जारी किया गया था। इसमें हरभजन सिंह को 'चांटा क्लास' के टीचर के रूप में दिखाया गया है, जो लोगों को यह समझाते हैं कि खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान को थप्पड़ मारकर ठीक करने की पुरानी आदत छोड़ें और उसकी जगह एप से नए प्रोडक्ट खरीदें। विज्ञापन में मजाकिया अंदाज में हरभजन कहते हैं, 'सही से थप्पड़ लगाओ, सब ठीक हो जाता है,'। यह डायलॉग उनके और श्रीसंत के बीच 2008 में हुए विवाद की याद दिलाता है।

**माफ कर सकता हूं, लेकिन भूल नहीं सकता** – हरभजन सिंह के बर्ताव पर नाराजगी जताते हुए श्रीसंत ने कहा, 'मैंने उनसे साफ कह दिया कि मैं माफ कर सकता हूं, लेकिन भूल नहीं सकता। अगर आप किसी को भूल जाते हैं, तो वह दोबारा वही गलती करेगा। वह (हरभजन) इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। इसमें कोई शक नहीं है।' श्रीसंत ने कहा कि उनके माता-पिता ने उन्हें सिखाया है कि माफी दे दो, लेकिन सबक याद रखो।

**भाई कहता था, पर अब रिश्ता खत्म; सब दिखावा है** –श्रीसंत ने कहा कि अब उनके बीच कोई बॉन्ड नहीं बचा है। उन्होंने कहा,मेरा उस व्यक्ति के साथ अब कोई रिश्ता नहीं है। मैं उन्हें भाई कहता था, लेकिन पिछले एक-दो महीनों में उन्होंने जो विज्ञापन किए, उसके बाद मैंने उन्हें इंस्टाग्राम पर ब्लॉक कर दिया है। वे एक महान व्यक्ति हो सकते हैं, लेकिन मेरे लिए भारतीय टीम में खेलने से लेकर अब तक, वह जो भी करते हैं, वह सब एक एक्ट (दिखावा) है। श्रीसंत ने कहा कि वह इश दिखावे को स्वीकार नहीं करते।

**क्या था थप्पड़ कांड विवाद** –यह पूरा विवाद आईपीएल के पहले सीजन यानी 2008 का है। 25 अप्रैल को मोहाली में मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच मैच के बाद हरभजन सिंह ने श्रीसंत को थप्पड़ जड़ दिया था। मैच खत्म होने के बाद श्रीसंत मैदान पर रोते हुए नजर आए थे।

# कोहली आईपीएल में 800 चौके लगाने वाले पहले बैटर, 300 सिक्स भी पूरे

## चिन्नास्वामी में बेंगलुरु की 50वीं जीत, बने कई रिकार्ड्स

**चिन्नास्वामी (एजेंसी)।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल के 34वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। इस जीत के हीरो रहे विराट कोहली, जिन्होंने 81 रन की शानदार पारी खेलते हुए इतिहास रच दिया। कोहली आईपीएल में 800 चौके लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने, साथ ही उन्होंने 300 छक्कों का आंकड़ा भी छू लिया। वे लीग में 9 हजार रन के करीब भी पहुंच गए हैं और इस बड़े माइलस्टोन से महज 11 रन दूर हैं। बेंगलुरु ने अपने होम ग्राउंड एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 50वीं जीत दर्ज कर एक और उपलब्धि हासिल की। वहीं गुजरात की पारी में साई सुदर्शन ने शतक जड़ते हुए करुणाल पंड्या की बाउंसर पर एक हाथ से शानदार छक्का लगाकर मैच का यादगार मोमेंट भी दिया।

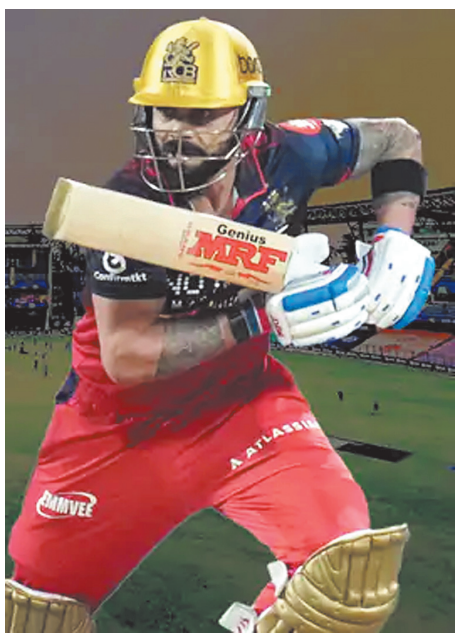

**कोहली आईपीएल में 9 हजार रन बनाने से 11 रन दूर** – कोहली ने गुजरात के खिलाफ 44 गेंद पर 81 रन बनाए। वे आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 266 पारियों में 8989 रन दर्ज हैं। दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा का नाम आता है, जिन्होंने 271 पारियों में 7183 रन बनाए हैं।

**कोहली के आईपीएल में 800 चौके पूरे** – कोहली ने शुक्रवार को 8 चौके जड़े। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में अपने 800 चौके भी पूरे कर लिए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा 807 चौके लगाए हैं। उनके बाद शिखर धवन हैं, जिन्होंने 768 चौके लगाए हैं। 663 चौकों के साथ डेविड वॉर्नर तीसरे नंबर पर हैं।

**आईपीएल में कोहली के 300 छक्के पूरे** – कोहली ने मैच में 81 रन की पारी के दौरान 4 छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में अपने 300 छक्के भी पूरे कर लिए। यह आंकड़ा पार करने वाले वह तीसरी खिलाड़ी हैं। आईपीएल में सबसे छक्के क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 357 छक्के लगाए हैं। रोहित शर्मा 310 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

### चिन्नास्वामी पर आरसीबी की 50वीं जीत

आरसीबी ने चिन्नास्वामी पर 50वीं जीत दर्ज की। वह ऐसा करने वाली चौथी टीम बन गई है। किसी एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड मुंबई के नाम है, जिन्होंने वानखेड़े स्टेडियम पर 58 मैच जीते हैं। कोलकाता ईडन गार्डन्स पर 55 जीत के साथ दूसरे और चेन्नई एमए चिदंबरम स्टेडियम पर 53 जीत के साथ तीसरे नंबर पर है।

### आरसीबी के खिलाफ 15वां शतक लगा

आरसीबी के खिलाफ सुदर्शन ने शतक जड़ा। आईपीएल में 15वीं बार है जब किसी बल्लेबाज ने बेंगलुरु के खिलाफ सेंचरी लगाई। यह किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगने का रिकॉर्ड है। 14-14 शतकों के साथ कोलकाता और मुंबई संयुक्त रुप से दूसरे नंबर पर है।

### सुदर्शन ने आईपीएल में सबसे तेज 2000 रन पूरे किए

आरसीबी के खिलाफ सुदर्शन ने शानदार शतक लगाया। इस पारी के दौरान 72 रन बनाते ही उनके आईपीएल में 2000 रन पूरे हुए। उन्होंने सिर्फ 47 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जो सबसे तेज है। इससे पहले क्रिस गेल ने 48 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे।

# पाकिस्तान की एक बार फिर हुई फजीहत

पीएसएल 2026 में सफेद की बजाय 'रेड बॉल' से हुआ मैच

**करांची (एजेंसी)।** पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में लगातार विवाद सामने आ रहे हैं। मुकाबले के पहले मैच में ही गेंद का रंग बदल गया था, जिसकी वजह से पीएसएल की बहुत किरकरी हुई थी। अब एक बार फिर से यही मामला सामने आया है। पीएसएल में मुकाबले के दौरान गेंद का कलर बदल गया, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का मजाक उड़ाया जा रहा है।

पाकिस्तानी लीग में अब तक कई बड़े विवाद सामने आ चुके हैं। फखर जमान पर गेंद के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा और उन्हें दो मैचों के लिए बैन कर दिया गया था। तो वहीं कई अन्य विवाद भी रहे हैं। इस वजह से पीएसएल की छवि खराब हुई है। अब एक बार फिर से इसी तरह का मामला सामने आया है और गेंद का रंग सफेद से लाल हो गया, जिसका वीडियो भी सामने आया है।

**पीएसएल 2026 में बदला गेंद का रंग** – दरअसल, 23 अप्रैल को लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच मुकाबला खेला गया। मैच के

दौरान सफेद गेंद का रंग बदलकर लाल हो गया। सोशल मीडिया पर इस दावे के साथ वीडियो शेयर किया जा रहा है। कराची किंग्स की टीम गेंदबाजी कर रही थी और उनकी जर्सी का लाल रंग गेंद पर लग गया। इसका वीडियो सामने आया है, जहां गेंद को सफेद की बजाय लाल देखा जा सकता है।

**पीएसएल के ओपनिंग मैच में भी बदला था रंग** – पीएसएल 2026 के ओपनिंग मैच में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला था। लाहौर कलंदर्स और हैदराबाद किंग्समेन के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान गेंद का कलर पिंक हो गया था। इससे पाकिस्तान का खूब मजाक उड़ा था और अब दूसरी बार ऐसी घटना घटी है। बता दें कि गेंद को चमकाने के लिए खिलाड़ी जर्सी पर रगड़ते हैं और इसी वजह से जर्सी का रंग गेंद पर लग जाता है और बॉल का कलर का बदल गया।

**लाहौर और कराची मुकाबले का हाल** – लाहौर और कराची के बीच खेले गए मुकाबले में कलंदर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फखर जमान (61) और अब्दुल्ला शफीक के 62 रनों की बदौलत 199 रन बनाए थे। 200 रनों के लक्ष्य को कराची ने 18.4 ओवरों में हासिल कर लिया था। कप्तान डेविड वॉर्नर ने नाबाद 63, जबकि खुशदिल शाह 44 रन बनाकर नॉटआउट रहे और अपनी टीम को 5 विकेट से जीत दिलाई।

# फ्रेंच ओपन से बाहर अल्काराज, चोट ने छीना खिताब बचाने का मौका

**स्पेन (एजेंसी)।** स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी अल्काराज ने कलाई की चोट के चलते अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन से बाहर होने का फैसला किया है। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज़ ने मेडिकल टेस्ट के बाद यह बड़ा कदम उठाया।

**बार्सिलोना ओपन के दौरान लगी चोट** – अल्काराज़ को पिछले हफ्ते बर्सिलोना ओपन के दौरान पहले दौर के मैच में दाहिने हाथ की कलाई में चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया और आगे की जांच करवाई।

**इटैलियन ओपन से भी हटे** – चोट गंभीर होने के कारण अल्काराज़ ने इटालियन ओपन से भी हटने का फैसला किया है। ये दोनों टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जहां वह आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। अल्काराज़ ने सोशल मीडिया पर लिखा, आज हुए टेस्ट के बाद हमने फैसला किया है कि सावधानी बरतना ही सही होगा। इसलिए मैं रोम और रोलां गैरोस में हिस्सा नहीं लूंगा, जब तक हम मेरी स्थिति का पूरी तरह आकलन नहीं कर लेते। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए मुश्किल समय है, लेकिन मुझे भरोसा है कि मैं और मजबूत होकर वापसी करूंगा।

**शानदार फॉर्म में थे अल्काराज़** – 22 वर्षीय अल्काराज़ इस साल शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने साल की शुरुआत में आस्ट्रेलिया ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया और सबसे कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी बने।

**रैंकिंग पर पड़ सकता है असर** – हाल ही में वह वर्ल्ड नंबर-1 की रैंकिंग अपने प्रतिद्वंदी जैनिक सिनर से हार गए थे। अब चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने से उनकी रैंकिंग पर और असर पड़ सकता है।

**सिनर ने जताई चिंता** – सिनर ने अल्काराज़ की चोट पर कहा, यह बहुत दुखद खबर है। इतनी कम उम्र में हमें अपने शरीर का ख्याल रखना जरूरी है। उम्मीद है वह जल्द वापसी करेंगे और हम फिर शानदार मुकाबले देखेंगे।

# पंत-रहाणे पर दबाव, एलएसजी-केकेआर में 'करो या मरो' की जंग

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** लखनऊ सुपर किंग्स ज्वाइंट्स और कोलकाता किंग्स राइडर्स के बीच मुकाबला कप्तानी की परीक्षा बन गया है। ऋषभपंत और आजिंक्य रहाणे दोनों ही अपनी-अपनी टीमों के खराब प्रदर्शन से जूझ रहे हैं।

**केकेआर की हालत खराब** – केकेआर ने आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद रहाणे पर भरोसा जताया, लेकिन इस सीजन में भी टीम लय नहीं पकड़ पाई। टीम को पहली जीत दर्ज करने में सात मैच लग गए और वह भी सामूहिक प्रदर्शन की बजाय रिंकू सिंह की शानदार पारी के दम पर मिली। तेज गेंदबाजी और स्पिन विभाग में कमजोरी साफ दिखी है। वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म भी टीम के लिए चिंता का विषय है, जबकि प्लेइंग इलेवन में लगातार बदलाव से संतुलन नहीं बन पा रहा।

**रहाणे भी नहीं कर पा रहे कमाल** – रहाणे ने कुछ मैचों में रन जरूर बनाए, लेकिन टी20 के हिसाब से उनकी स्ट्राइक रेट उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। करीब 38 साल के रहाणे के लिए इस फॉर्मेट में लंबे समय तक कप्तानी करना भी चुनौती बनता जा रहा है।

**एलएसजी का भी हाल बेहाल** – एलएसजी का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा है। टीम ने अब तक सिर्फ 2 मैच जीते हैं और प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का

खतरा मंडरा रहा है। लगातार चार हार ने टीम का मनोबल गिराया है।

**पंत का खराब फॉर्म बना चिंता** – कप्तान ऋषभ पंत खुद भी खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। सनराइज हैदराबाद के खिलाफ 67 रन की पारी के बाद उन्होंने अगली 5 पारियों में सिर्फ 72 रन बनाए हैं। हाल ही में राजस्थान के खिलाफ वह 3 गेंद में शून्य पर आउट हुए, जिससे उनकी आलोचना बढ़ गई।

**घरेलू मैदान पर भी नहीं मिल रहा फायदा** – एलएसजी का अपने घरेलू मैदान पर रिकॉर्ड भी खराब रहा है। पिछले सीजन में 8 में से 6 मैच हारे थे, जबकि इस सीजन में भी 3 मैच गंवा चुके हैं। कुल मिलाकर 24 मैचों में सिर्फ 9 जीत उनके नाम हैं। विदेशी खिलाड़ी भी उम्मीदों पर खरे नहीं- पूरन और मारकाम जैसे खिलाड़ी भी उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

**केकेआर को पथिराना से मिली मजबूती** –केकेआर के लिए अच्छी खबर यह है कि पथरीना की वापसी से गेंदबाजी मजबूत हुई है। उनकी यॉर्कर गेंदबाजी टीम के लिए बड़ा हथियार साबित हो सकती है।

### कप्तानी रिकॉर्ड भी चिंता बढ़ाने वाले

- रहाणे (केकेआर)- 20 मैच-6 जीत, 12 हार
- पंत (एलएसजी)- 21 मैच-8 जीत, 13 हार
- दोनों कप्तानों के आंकड़े भी उनकी टीमों की मौजूदा स्थिति को दर्शाते हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### मैट्रिक में चमके कॉन्सेप्ट क्लासेस के छात्र, सम्मान समारोह आयोजित

**सोन वर्षा वाणी । संवाददाता। हरिहरगंज** हरिहरगंज प्रखंड के कौवाखोह स्थित द कॉन्सेप्ट क्लासेस के विद्यार्थियों ने मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। संस्थान में आयोजित सम्मान समारोह में सफल छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी, मेडल एवं पाठ्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया। परीक्षा में करिश्मा कुमारी ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं रौशन कुमार एवं कौशल कुमार ने 92.4-92.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अंकित कुमार ने 90 प्रतिशत, प्रीतम कुमार ने 86.6, आकाश कुमार ने 86.4, स्वतंत्र कुमार ने 82.8, नीरज कुमार ने 82.2, नितीश कुमार ने 81.6, प्रकाश गंजू ने 81.4, विशाल ने 80.4, अमन कुमार ने 80.2, आकाश ने 80.8, कांग्रेस ने 80, ब्लू ने 79, प्रिंस ने 78.8, ज्योति कुमारी एवं निशा ने 78-78, आकाश कुमार ने 76 तथा अर्चना ने 77 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। संस्थान के निदेशक मुकेश आर्यन ने कहा कि कड़ी मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष संस्थान के कुल 55 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे और सभी ने ए प्लस ग्रेड के साथ सफलता प्राप्त की है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2013 से संचालित यह संस्थान लगातार बेहतर परिणाम देता आ रहा है और क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। छात्रों की सफलता से पूरे इलाके में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर शिक्षक बिट्टू कुमार, दीपक कुमार तथा शिक्षिकाएं प्रीति, मधु, आरती, अंशु एवं श्वेता सहित अन्य उपस्थित थे। सभी ने सफल छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

### बिना सिलेंडर दिए डिलीवरी दिखाने पर गैस एजेंसी संचालक पर एफआईआर

**सोन वर्षा वाणी । संवाददाता। बरवाडीह।** गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के बीच उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी के गंभीर मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बरवाडीह स्थित सिंह एचपी गैस एजेंसी के संचालक संतोष कुमार सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सुमित कुमार तिवारी की शिकायत पर बरवाडीह थाना में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 316(2), 318(2) तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 एवं 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया कि उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की वास्तविक डिलीवरी किए बिना ही रिकॉर्ड में होम डिलीवरी दिखा दी जा रही थी। साथ ही स्टॉक का गलत प्रतिवेदन देकर वास्तविक आंकड़ों को छिपाने का भी आरोप लगा है। एचपीसीएल के रिकॉर्ड के अनुसार गोदाम में 721 घरेलू गैस सिलेंडर मौजूद होने चाहिए थे, लेकिन जांच के दौरान केवल 241 सिलेंडर ही पाए गए। बताया गया कि जांच टीम के साथ एजेंसी संचालक ने सहयोग भी नहीं किया। 17 अप्रैल को आयोजित समीक्षा बैठक में उपायुक्त के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया था। इसके बाद प्रशासन ने एजेंसी की गैस आपूर्ति फिलहाल बंद कर दी है। थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। जब पुलिस टीम एजेंसी कार्यालय और गोदाम पहुंची, तो दोनों जगह ताला बंद मिला। संचालक को नोटिस जारी किया गया है और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर आगे कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से क्षेत्र की अन्य गैस एजेंसियों में भी हड़कंप मच गया है।थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने बताया कि केस जांच अंतर्गत है।

### नेशनल हाईवे पर स्कॉर्पियो और बुलेट की आमने-सामने टक्कर, युवक की मौत

**मेदिनीनगर (पलामू):** पलामू जिले के पड़वा थाना क्षेत्र अंतर्गत मेदिनीनगर–औरंगाबाद मुख्य मार्ग पर शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा गाड़ी खास बढ़काभीठा के समीप फोरलेन सड़क पर हुआ, जहां स्कॉर्पियो और बुलेट बाइक के बीच सीधी टक्कर हो गई। हादसे में बुलेट सवार युवक आकाश पांडेय की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पाटन थाना क्षेत्र के कांके कला गांव निवासी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि आकाश पांडेय, भाजपा नेता एवं सांसद B D Ram के करीबी माने जाने वाले ईश्वरी पांडेय के पुत्र थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों वाहन आमने-सामने से आ रहे थे, तभी अचानक जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पड़वा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इधर, हादसे की खबर मिलते ही इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

# तीन साल से रिजल्ट में अव्वल, कंडा विद्यालय का जलवा बरकरार

**सोन वर्षा वाणी । संवाददाता**

**पलामू** नावा बाजार प्रखंड स्थित पीएम श्री स्त्रोनॉत प्लस टू उच्च विद्यालय, कंडा ने एक बार फिर माध्यमिक परीक्षा परिणाम में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए लगातार तीसरे वर्ष शानदार प्रदर्शन किया है। वर्ष 2026 के माध्यमिक परीक्षा परिणाम में विद्यालय का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 94% रहा, जिससे पूरे विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के प्रभारी प्रचार्य सुमित शंकर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष भी प्रखंड के शीर्ष तीनों स्थानों पर विद्यालय के ही छात्रों ने कब्जा जमाया है। मनीष कुमार गुप्ता ने 95.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रखंड में प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि विशाल कुमार ने 93.20 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, मेहुल कुमार ने 92 प्रतिशत अंक लाकर तृतीय स्थान पर अपनी जगह सुनिश्चित की। इन विद्यार्थियों की सफलता से विद्यालय का नाम एक बार फिर पूरे क्षेत्र में गौरवान्वित हुआ है। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने टॉपर्स को मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शिक्षक विगु राम, जितेंद्र कुमार, सुलेखा रानी, विवेक कुमार पाठक, अश्विनी कुमार दुबे, विवेक कुमार सिंह, बृजेश कुमार सिंह, कविता कुमारी एवं परमेश्वर गुप्ता सहित अन्य शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई दी। प्रभारी प्रचार्य ने कहा कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित कक्षाएं, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पण का ही परिणाम है कि पिछले तीन वर्षों से लगातार विद्यालय के छात्र-छात्राएं प्रखंड, जिला एवं अन्य स्तरों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय परिवार भविष्य में भी इसी तरह बेहतर परिणाम देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्थानीय अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने भी विद्यालय की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शिक्षकों और छात्रों को शुभकामनाएं दी हैं। विद्यालय की इस निरंतर सफलता ने क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित की है और अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना है।

## मासिक लोक अदालत में 287 मामलों का निस्तारण, 1.64 करोड़ रुपये का हुआ सेटलमेंट

**सोन वर्षा वाणी । संवाददाता**

**मेदिनीनगर:** झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के दिशा-निर्देश एवं पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के मार्गदर्शन में शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में सुलह-समझौते के आधार पर कुल 287 मामलों का निस्तारण किया गया, जबकि एक करोड़ 64 लाख 17 हजार 934 रुपये से संबंधित मामलों का सफलतापूर्वक सेटलमेंट हुआ। इनमें प्री-लिटिगेशन के 222 और न्यायालय में लंबित 65 मामलों का निष्पादन शामिल है। मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए कुल 12 पीठों का गठन किया गया था। पीठ संख्या एक में पारिवारिक विवादों का निपटारा कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजीव कुमार दास एवं अधिवक्ता बीना मिश्रा द्वारा किया गया। अन्य पीठों में आपराधिक, सिविल, विद्युत, चेक बाउंस, रेलवे, भूमि एवं राजस्व तथा प्री-लिटिगेशन से जुड़े मामलों का निस्तारण संबंधित न्यायिक पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं द्वारा किया गया। पीठ संख्या पांच में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार ने आपराधिक मामलों का निपटारा किया, जबकि चेक बाउंस से जुड़े मामलों के लिए अलग-अलग पीठों का गठन किया गया था। रेलवे मामलों का निष्पादन एसडीजेएम कमल प्रकाश की अध्यक्षता में हुआ। लोक अदालत में आमजनों की सुविधा के लिए एक हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया था, जहां पीएलवी कृपा शंकर दुबे द्वारा लोगों को आवश्यक सहायता प्रदान की गई। लोक अदालत के माध्यम से सुलह-समझौते के आधार पर मामलों के निपटारे से न केवल समय और धन की बचत हुई, बल्कि न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ भी कम हुआ।

## तेज रफ्तार हाइवा की टक्कर से बस खलासी की मौत

**सोन वर्षा वाणी । संवाददाता**

**पलामू :** जिले के रेहला थाना क्षेत्र अंतर्गत कधवन इलाके में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। स्कूल बस के पास तेज रफ्तार से पहुंचे एक हाइवा ने टक्कर मार दी, जिससे बच्चों को बस में चढ़ा रहे खलासी की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कधवन में सुबह स्कूल बस खड़ी थी और बच्चे उसमें सवार हो रहे थे। इसी दौरान बस के खलासी नूर मोहम्मद बच्चों को सुरक्षित बस में बैठाने में लगे हुए थे। तभी तेज गति से एक हाइवा वहां पहुंचा और अनियंत्रित होकर बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नूर मोहम्मद उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं स्थानीय लोगों ने भी गहरा शोक व्यक्त किया। हादसे के दौरान बस में चढ़ रहे स्कूली बच्चे बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ क्षण की देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना मिलते ही रेहला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना में शामिल हाइवा को जब्त कर लिया। थाना प्रभारी गुलशन बिरुआ ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी गई। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में भारी वाहनों की तेज रफ्तार लगातार हादसों का कारण बन रही है। उन्होंने प्रशासन से स्कूल समय में भारी वाहनों की आवाजाही पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है।

## मेदिनीनगर में संदिग्ध हालत में महिला का शव बरामद, हत्या की आशंका

**सोन वर्षा वाणी । संवाददाता**

**मेदिनीनगर/पलामू:** मेदिनीनगर शहर के रांची रोड स्थित भगवती हॉस्पिटल के चहारदीवारी के समीप शनिवार को एक अज्ञात महिला का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, व्यस्त इलाके में स्थित भगवती हॉस्पिटल के पास अचानक एक महिला का शव मिलने से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का निरीक्षण किया, जिसमें महिला की उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष के बीच बताई जा रही है। प्राथमिक जांच में महिला के शरीर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस को आशंका है कि महिला की हत्या कहीं और की गई है और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को यहां लाकर फेंक दिया गया है। हालांकि, पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच भी की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि शव को यहां कब और किसके द्वारा लाया गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक किसी ठोस सुराग का पता नहीं चल सका है। समाचार लिखे जाने तक मृतका की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। इस घटना के बाद क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द मामले का खुलासा करने और दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू पर बारीकी से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

## औचक निरीक्षण में डीसी सख्त, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

**सोन वर्षा वाणी । संवाददाता**

**पलामू:** जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शनिवार को सतबरवा प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण कर कर्मियों की कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाया। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी कृष्णा मुरारी तिर्की के अनुपस्थित पाए जाने पर उपायुक्त ने फोन पर जवाब-तलब किया और स्पष्ट निर्देश दिया कि जिला मुख्यालय छोड़ने से पूर्व उपायुक्त स्तर से अनुमति लेना अनिवार्य है। बिना सूचना अनुपस्थित रहना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगा। वहीं, प्रखंड के लिपिक दीपक कुमार द्वारा गलत जानकारी देने पर उपायुक्त ने मौके पर ही कड़ी फटकार लगाई और भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी। प्रखंड सभागार में आयोजित बैठक में उपायुक्त ने कर्मियों को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि सरकारी सेवा में लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि या तो कार्यशैली में सुधार लाएं, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें। आम जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की देरी या लापरवाही होने पर संबंधित कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उपायुक्त ने सभी कर्मचारियों को समय पर कार्यालय पहुंचने, कार्यों का समयबद्ध निष्पादन करने तथा आमजनों के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रखंड परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने, पानी के लीकेज को ठीक कराने और कार्यालय व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। अंचल निरीक्षक से एनएच से जुड़े कार्यों की जानकारी लेकर प्रगति की समीक्षा भी की गई। प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण के बाद उपायुक्त स्वास्थ्य उपकेंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने वैक्सीनेशन के लिए आई महिलाओं से संवाद किया और विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया। परिसर में खराब पड़े जलमीनार को जल्द दुरुस्त कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान लैब टेक्नीशियन से उन्होंने अपना शुगर जांच कराया, जिसका परिणाम सामान्य पाया गया। इसके बाद उपायुक्त ने सतबरवा स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय एवं बालिका उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया। मध्य विद्यालय में छात्राओं की उपस्थिति की जानकारी लेते हुए शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। परिसर के शौचालय और रसोईघर में बन रहे मध्यान्ह भोजन का भी जायजा लिया। उच्च विद्यालय में दसवीं कक्षा की छात्राओं से संवाद करते हुए उन्होंने मेहनत और लगन से पढ़ाई करने की सलाह दी तथा कहा कि बेहतर प्रदर्शन से क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया जा सकता है।

## वृद्ध दादी के निधन से शोक की लहर

**सोन वर्षा वाणी । संवाददाता**

**नावा बाजार।** क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि पंकज तिवारी के परिवार में शनिवार को उस समय शोक की लहर दौड़ गई, जब उनकी 90 वर्षीय दादी मालती देवी का आकस्मिक निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, मालती देवी लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं और शनिवार को उन्होंने अपने पैतृक आवास चेचरिया गांव में अंतिम सांस ली। मालती देवी परिवार की वरिष्ठ सदस्य थीं और अपने सरल स्वभाव, धार्मिक प्रवृत्ति तथा परिवार के प्रति समर्पण के लिए जानी जाती थीं। उनके निधन से पूरे परिवार के साथ-साथ गांव में भी गहरा शोक व्याप्त है। गांव के लोगों ने बताया कि वे हमेशा सामाजिक कार्यों में रुचि रखती थीं और सभी के सुख-दुख में शामिल होती थीं, जिससे उनकी एक अलग पहचान बनी हुई थी। सांसद प्रतिनिधि पंकज तिवारी ने इस दुखद घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि उनकी दादी का स्वास्थ्य पिछले कुछ समय से ठीक नहीं था, लेकिन उनके निधन से परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि मालती देवी का स्नेह और आशीर्वाद हमेशा परिवार के साथ रहेगा। मालती देवी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं, जिनमें पुत्र, पुत्रवधू, पोते-पोतियां और अन्य परिजन शामिल हैं। उनके निधन की खबर मिलते ही आसपास के क्षेत्रों से भी लोग शोक व्यक्त करने उनके आवास पर पहुंच रहे हैं और परिजनों को ढांढस बंधा रहे हैं। परिजनों के अनुसार, मालती देवी का अंतिम संस्कार रविवार को गांव के ही श्मशान घाट पर विधि-विधान के साथ किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों के शामिल होने की संभावना है।

## शादी का कार्ड बांटने निकले युवक की सड़क हादसे में मौत, घर में छाया मातम

**सोन वर्षा वाणी । संवाददाता**

**बरवाडीह/लातेहार :** बरवाडीह थाना क्षेत्र के बेतला चेक नाका के समीप शुक्रवार देर शाम करीब 8 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में शादी का निमंत्रण कार्ड बांटने निकले एक युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद जिस घर में शादी की खुशियां थीं, वहां अचानक मातम पसर गया। मृतक की पहचान सरयू प्रखंड क्षेत्र के गणेशपुर चटम निवासी नारायण तुरी के रूप में हुई है। वहीं घायलों में कमलेश तुरी और मनोज तुरी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर 7 मई को होने वाली छोटे भाई की शादी का निमंत्रण कार्ड बांटने बरवाडीह जा रहे थे। इसी दौरान बेतला चेक नाका के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गई। हादसा इतना भीषण था कि नारायण तुरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दोनों अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बरवाडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया। घायलों को पहले बरवाडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर किया गया है। थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रारंभिक जांच में तीनों युवक बिना हेलमेट के बाइक पर सवार थे, जिससे हादसा गंभीर हो गया। उन्होंने कहा कि परिजनों की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस हादसे के बाद गणेशपुर चटम गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। जिस घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में सन्नाटा छा गया है।

## पानी के बिना स्कूल बेहाल: कचनपुर विद्यालय में मिड-डे मील पर संकट, जिम्मेदार बेखबर

**सोन वर्षा वाणी । संवाददाता**

**बरवाडीह।** बरवाडीह प्रखंड के केचकी पंचायत स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय कचनपुर में पेयजल संकट अब गंभीर से अति गंभीर स्थिति में पहुंच चुका है। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि विद्यालय में चल रही मध्याह्न भोजन योजना (मिड-डे मील) पर पूरी तरह से ताला लगने का खतरा मंडराने लगा है, लेकिन जिम्मेदार तंत्र अब भी आंख मूंदे बैठा है। विद्यालय प्रबंधन समिति ने प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को पत्र भेजकर साफ तौर पर अवगत कराया है कि जलमीनार में लगा मोटर खराब होने के कारण पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। हैरानी की बात यह है कि प्रधानाध्यापक ने अपने स्तर से 3000 रुपये खर्च कर मोटर की मरम्मत कराई, लेकिन कुछ ही दिनों में जलमीनार का स्टार्टर जल गया और फिर से समस्या जस की तस हो गई। इसके बाद भी न तो विभाग हरकत में आया और न ही पंचायत स्तर पर कोई ठोस पहल दिखी। मामले को लेकर पहले भी अखबारों में खबरें प्रकाशित हुईं। उस समय मुखिया ने संज्ञान लेते हुए स्टार्टर को रांची भेजकर मरम्मत कराने की बात कही थी, लेकिन यह आश्वासन भी अब तक सिर्फ कागजों में ही सिमट कर रह गया है। जमीनी हकीकत यह है कि विद्यालय आज भी पानी के लिए तरस रहा है। स्थिति तब और शर्मनाक हो गई जब 22 अप्रैल को ग्रामीणों ने भी निजी कुएं से पानी देने से साफ इनकार कर दिया। ऐसे में विद्यालय पूरी तरह से जलसंकट के भंवर में फंस गया है। बच्चों के लिए बन रहा मध्याह्न भोजन अब प्रभावित होने लगा है, जिससे उनकी पढ़ाई के साथ-साथ पोषण पर भी सीधा असर पड़ रहा है। प्रधानाध्यापक कुश कुमार पाण्डेय ने बताया कि अब तक वेतन तक नियमित रूप से शुरू नहीं हुआ है और विद्यालय को इस तरह की आपात समस्या से निपटने के लिए कोई अलग फंड भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में बार-बार निजी खर्च करना संभव नहीं है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब एक सरकारी विद्यालय बुनियादी सुविधा पानी तक के लिए जूझ रहा है, तो शिक्षा व्यवस्था के बड़े-बड़े दावों का क्या मतलब रह जाता है? जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि कब तक सिर्फ आश्वासन की राजनीति करते रहेंगे? विद्यालय प्रबंधन ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है, ताकि बच्चों का भविष्य और उनका हक दोनों बचाया जा सके।